जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 27 जून, 2026

KEDIA सेजस्थान
अजमेर रोड़, जयपुर

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

मलाल करोगे ? या मालामाल बनोगे ?

NO MIDDLE MEN

4 दिन में 5 लाख रेट बढ़ेगी !

FIXED PRICE

₹4000/- Sq ft में फ्लैट | ₹5200/- Sq ft में कोठी

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	30 JUNE 2026	31 JULY 2026	31 AUG. 2026	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	66 Lacs	68 Lacs	70 Lacs	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	82.5 Lacs	85 Lacs	87.5 Lacs	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.075 Cr	1.10 Cr	1.125 Cr	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.29 Cr	1.32 Cr	1.35 Cr	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.65 Cr	1.70 Cr	1.75 Cr	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन

Siliguri's
FINEST TEA BLEND

STRONG GOLDEN LIQUOR
SUPERIOR HANDPICKED CTC BLEND
RICH & BOLD AROMA
EXCEPTIONAL TASTE

केडिया पवित्र टीम को अपनी दुकान में बुलाने के लिये
या अपनी नजदीकी दुकान तक केडिया पवित्र उपलब्ध करवाने के लिए
अपनी गूगल लोकेशन 90704-90704 पर WhatsApp करें या 1800-120-2727 पर कॉल करें।
हमारी टीम 24 घंटे के भीतर प्रोडक्ट्स की डिलीवरी एवं उपलब्धता सुनिश्चित करेगी।

अगर आप किसी भी FMCG कंपनी के डिस्ट्रीब्यूटर के यहाँ सेल्समैन हैं
तो डायरेक्ट केडिया पवित्र में जॉब हेतु आवेदन करें:
Email ID : bdm@kediapavitra.com | Call : +91 90704-90704

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON ZEPTO

T&C Apply* MRP ₹ Incl. of all taxes

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। -सुफियान सौरी

दूषित भोजन से हो सकती है 200 से ज्यादा तरह की बीमारियां

हमारे देश में लोगों के खाने-पीने का तरीका बदल रहा है और यह बदलाव सेहत के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है। सेहतमंद रहने के लिए पौष्टिक भोजन होना तो जरूरी है ही, साथ में उस खाने का सुरक्षित होना भी जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक ताज़ा रिपोर्ट में दूषित भोजन के सेवन से होने वाले खतरनाक स्वास्थ्य संकट से चेताया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि खेत से घर की रसोई तक जैविक प्रदूषण ने अपने पैर जमा लिए है जिसके फलस्वरूप हमारे सेहत को गंभीर स्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़ रहा है। दूषित भोजन से हर दिन 4100 लोग जहाँ अकाल मौत के शिकार हो रहे है वहीं 42 लाख से ज्यादा लोग बीमार हो रहे है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि छोटे बच्चों पर इसका खतरा सबसे ज्यादा है। पांच साल से कम उम्र के बच्चे असुरक्षित भोजन से होने वाली बीमारियों का लगभग तीन गुना अधिक शिकार होते हैं। दूषित खानपान से हर साल 88 करोड़ से अधिक लोग बीमार पड़ रहे है, 15 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो रही है। रिपोर्ट में वर्ष 2000 से 2021 के बीच 194 देशों के आँकड़ों का अध्ययन किया गया और इसे वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर संकट बताया गया। असुरक्षित भोजन सिर्फ स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था पर भी भारी असर डालता है। इससे 54 लाख करोड़ रूपये की धनराशि का आर्थिक नुक्सान झेलना पड़ रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है, फ़ूडपोइजनिक के पीछे केवल बैक्टीरिया और वायरस नहीं है, दूषित भोजन से अधिकांश मौतें रासायनिक प्रदूषण से हो रही है। अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया में खाद्यजनित बीमारियों के सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इन दोनों क्षेत्रों में वैश्विक खाद्यजनित बीमारियों के लगभग 75 प्रतिशत मामले और 60 प्रतिशत मौतें होती हैं। प्रदूषित भोजन में आर्सेनिक, सीसा और कीटनाशक के अवशेष भी प्रमुख कारण है। सबसे अधिक मौतें भारत और चीन में हो रही है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक हानिकारक बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी या रासायनिक पदार्थों से युक्त असुरक्षित भोजन 200 से अधिक बीमारियों का कारण बनता है। दूषित भोजन से बच्चों में डायरिया जैसी बीमारियां तेजी से फैलती हैं, जो कई मामलों में जानलेवा साबित हो सकती हैं। इसके अलावा, भोजन में मौजूद जहरीले तत्व जैसे सीसा और मिथाइलमरकरी बच्चों के मस्तिष्क के विकास को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इससे उनके मानसिक विकास, सीखने की क्षमता और भविष्य के स्वास्थ्य पर लंबे समय तक असर पड़ सकता है। खाद्य जनित बीमारियां आमतौर पर संक्रामक या विषाक्त प्रकृति की होती हैं जो साधारण आंखों से दिखाई नहीं देती हैं। ये दूषित भोजन या पानी के माध्यम से शरीर में प्रवेश करने वाले बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी या रासायनिक पदार्थों के कारण होती हैं। खाद्य सुरक्षा यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि खाद्य श्रृंखला के हर चरण में भोजन सुरक्षित रहे - उत्पादन से लेकर कटाई, प्रसंस्करण, भंडारण, वितरण, तैयारी और उपभोग तक है।

प्राचीनकाल में हमारे देश में दूध से बनी वस्तुओं का उपयोग होता था। गेहूं, चावल और दालों के देशी उत्पादों का बोलबाला था। देशी उत्पादों के उपयोग से हमारा स्वास्थ्य भी बना रहता और विभिन्न बीमारियों से भी उत्पाद हमारा बचाव करते। मगर धीरे-धीरे पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव के कारण हमने विदेशी उत्पादों को अपनाना शुरू कर दिया।

खाद्य सुरक्षा सरकारों, उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच एक साझा जिम्मेदारी है। खेत से लेकर खाने की मेज तक हर किसी की भूमिका होती है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम जो खाना खाते हैं वह सुरक्षित है और हमारे स्वास्थ्य को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। खाद्य सुरक्षा केवल एक स्वास्थ्य मुद्दा नहीं है, बल्कि यह हर परिवार और हर व्यक्ति के दैनिक जीवन से जुड़ा विषय है। सुरक्षित भोजन सभी लोगों का अधिकार है। इसके लिए सरकारों और समाज को मिलकर काम करना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सभी देशों से खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को मज़बूत करने और ठोस कदम उठाने की अपील की है। आने वाले वर्षों में जलवायु और रोगाणुरोधी प्रतिरोध के बढ़ते दबाव के बीच यह चुनौती और भी जटिल होने की आशंका है। विशेषज्ञों के अनुसार बढ़ते तापमान और बदलते मौसम के कारण भोजन के दूषित होने का खतरा बढ़ रहा है। साथ ही एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति बढ़ता प्रतिरोध संक्रमण के उपचार को और कठिन बना रहा है, जिससे यह समस्या और गंभीर होती जा रही है।

खाद्यजनित रोग सामान्यतः अनुचित साज-संभाल, पकाने और खाद्य भंडारण से उत्पन्न होता है। भोजन पकाने से पहले, के दौरान और बाद में स्वच्छता की अच्छी आदतें रोग ग्रहण करने के अवसरों को कम कर सकती हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य समुदाय में सर्वसम्मति है की नियमित हाथ धोना खाद्य जनित रोगों के प्रसार के विरुद्ध अत्यन्त प्रभावकारी सुरक्षाओं में से एक है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह भोजन खाद्यजनित रोगों का कारण नहीं बनेगा, निरीक्षण करने के कार्य को खाद्य सुरक्षा के रूप में जाना जाता है। खाद्यजनित रोग पर्यावरण को प्रभावित करनेवाले, विशाल विविधताओं वाले विषों के कारण भी हो सकते हैं। मानव जीवन के लिए खाद्य पदार्थों की सुरक्षा अति महत्वपूर्ण है। लोगों को सुरक्षित और पौष्टिक भोजन का प्रकृति प्रदत अधिकार है। राज्य का दायित्व है कि प्रकृति की ओर से प्रदान किए गए अधिकारों का संरक्षण और संवर्धन करे। खाद्य सुरक्षा का अधिकार भी इसमें शामिल है। असुरक्षित भोजन न केवल स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि आर्थिक उत्पादकता और स्वास्थ्य सेवाओं पर भी गंभीर दबाव डालता है।

प्राचीनकाल में हमारे देश में दूध से बनी वस्तुओं का उपयोग होता था। गेहूं, चावल और दालों के देशी उत्पादों का बोलबाला था। देशी उत्पादों के उपयोग से हमारा स्वास्थ्य भी बना रहता और विभिन्न बीमारियों से भी उत्पाद हमारा बचाव करते। मगर धीरे-धीरे पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव के कारण हमने विदेशी उत्पादों को अपनाना शुरू कर दिया। रंग-बिरंगी, चमकीली थैलियों के इन उत्पादों ने जल्दी ही हमें अपनी ओर आकर्षित कर लिया। भागदौड़ की इस जिंदगी में तैयार खाद्य उत्पादों का उपयोग बहुतायत से होने लगा, फलस्वरूप देशी खाद्य पदार्थ पर्दे के पीछे चले गये और इन उत्पादों के प्रचार-प्रसार के पीछे हमारे उत्पाद गौण हो गये। भारत में लोगों के खाने-पीने का तरीका बदल रहा है और यह बदलाव सेहत के लिए चिंता की बात बनता जा रहा है।

हेल्थ एक्सपर्ट इन दिनों बदलती खाने की आदतों को सेहत के लिए खतरनाक बता रहे हैं। देश और दुनिया में जंक या फास्ट फूड का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है, जो भविष्य के लिए अच्छा नहीं है। हर उम्र के लोगों को जंकफ़ूड खाना पसंद होता है और आमतौर पर, वे इसे तब चुनते हैं जब वे अपने परिवार के साथ कुछ खास पल बिता रहे होते हैं, जैसे जन्मदिन, शादी की सालगिरह वगैरह। वे बाज़ार में मिलने वाले अलग-अलग तरह के जंकफ़ूड खाते हैं जैसे कोल्ड ड्रिंक, वेफ़र्स, चिप्स, नूडल्स, बर्गर, पिज़्ज़ा, फ्रेंच फ्राइज़, चाइनीज़ फ़ूड वगैरह। इन दिनों, कम उम्र के लोग उन बीमारियों का शिकार हो रहे है जो आमतौर पर बड़ी उम्र के लोगों को होती हैं।

-अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 27 जून, 2026

पंडित अनिल शर्मा

द्वितीय ज्येष्ठ मास (शुद्ध), शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, अनुराधा नक्षत्र रात्रि 10:11 तक, साध्य योग दिन 12:32 तक, कौलव करण दिन 11:33 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-वृष, बुध-कर्क, गुरू-कर्क, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग रात्रि 10:11 से आरम्भ होगा। आज शनि प्रदोष व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:22 से 9:04 तक, चर 12:30 से 2:12 तक, लाभ अमृत 2:12 से 5:38 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:39, सूर्यास्त 7:20

मेष

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

सिंह
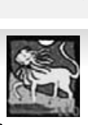
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

धनु
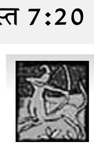
पारिवारिक व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती हैं।

वृष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मकर

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मिथुन
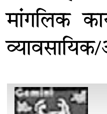
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

तुला

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है।

कर्क
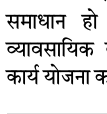
व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
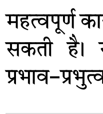
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मीन
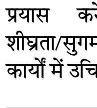
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

पानी में लगी आग-पांचना का पेच

रामपाल जाट

राजस्थान राज्य के करौली जिले की पांच नदियों के संगम पर पांचना बांध का निर्माण 1977 से आरंभ होकर वर्ष 2004 में पूरा हुआ था। उसके बाद सिंचित क्षेत्र के 35 गांव को 2 वर्ष पानी प्राप्त हुआ था, उसके बाद से अभी तक भी सूखी नहरों को पानी की प्रतीक्षा बनी हुई है। इस बांध के कारण सपोटरा तहसील के महमदपुर जैसे अनेक गांवों के भूमिगत जल स्तर में सुधार से खेती की पैदावार में बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर बांध के सिंचित क्षेत्र में पानी नहीं मिलने से पैदावार में कमी आई है, राजस्थान के कृषि मंत्री की ओर से किए गए आकलन के अनुसार चार हजार करोड रुपए का घाटा हुआ है।

इस बांध के पानी संग्रहण क्षेत्र (कैचमेंट एरिया) के किसानों ने उनकी कृषि भूमि को पानी प्राप्त होने तक बांध से पानी निकासी को वर्ष 2006-07 से रोका हुआ है। सिंचित क्षेत्र (कमांड एरिया) के किसानों ने नहरों में पानी प्रवाहित करने के लिए निरंतर सरकारों से अनुनय-विनय किया है। इसके लिए आंदोलन के नाम पर एकत्र किसानों ने तोप के उपयोग करने की तैयारी भी की थी, जिसके कारण उन्ही में से एक किसान पुत्र को असामायिक रूप से बलिदान देना पड़ा था।

जनहित याचिकाओं में माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय ने 8.7.2022, 23.4.2026 एवं 1.5.2026 कों ठोस तथ्यों के आधार पर जिला कलेक्टर करौली एवं सवाई माधोपुर द्वारा आपसी बातचीत से सहमति बनाने के प्रयासों के प्रतिवेदन के उपरांत सारवान आदेश पारित किये हैं। इसमें भी सिंचित क्षेत्र के बाहर के गांवों को इस परियोजना से पानी नहीं मिलने तक पानी के प्रवाह को रोकने के लिए विधि विधान को अपने हाथों में लेना अनुचित माना है।

विधायिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के ढांचे के आधार पर देश के संविधान का टिका हुआ है। लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए इनका सम्मान नागरिकों का पवित्र धर्म है।

विद्यमान जल नीति में पानी के भंडारण के पड़ोसियों को प्राथमिकता के आधार पर पानी की उपलब्धता का प्रावधान नहीं है। शहरी नियोजन को चातुर्यपूर्ण ढंग से लाभान्वित करने के लिए पेयजल को प्राथमिकता दी हुई है। पेयजल योजनाओं से सिंचाई के लिए खेतों को पानी देना संभव नहीं है। जबकि सिंचाई परियोजनाओं से पेयजल की योजनाएं सहजता से बनना संभव है। इससे एक पंथ- दो काज का मुहावरा धरातल पर साकार होता है। जल नीति को जन के उपयोग के अनुकूल बनाया जाना वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकता है। किंतु इसके लिए सत्य-शांति एवं अहिंसा का मार्ग ही लोकतंत्रात्मक व्यवस्था में उचित है। सरकारों द्वारा नीतियों में गलतियां करने से उत्पन्न अन्याय को भी को भी सही करने का यही सवोतम उपाय है।

सरकारों द्वारा तैयार की गई जल नीति ने भी पानी के न्यायपूर्ण वितरण से पात्र जनता को वंचित किया गया है। दूसरी ओर सुविधा एवं विलासता को प्रश्रय दिया है। इसीलिए बड़े शहरों के द्वारा स्वयं के जल स्त्रोतों को अतिक्रमण कर समाप्त कर दिया गया, पानी संग्रहण के लिए विद्यमान तालाब -तलाईयों पर भवन निर्माण कर लिए गए, तब भी पानी वितरण में उनको प्राथमिकता प्रदान की गई। ऐसी नीतियां समाज में मन की विकृतियों को जन्म देती है। राजस्थान के टोंक जिले में बीसलपुर बांध एवं ईसरदा बांध होते हुए भी इस जिले की तहसील निवाई के क्षेत्र की भूमि तक सिंचाई का प्रावधान नहीं होने से वहां की जनता अपना आक्रोश 27 से 31 मई तक की पांच दिवसीय जल यात्रा में प्रकट कर चुकी है, जनता की पीड़ा को समझ कर यथा समय समुचित पहल सरकार की दूर दृष्टि का परिचायक होता है।

लगभग 20 वर्ष तक सम्यक प्रणाली उपलब्ध होते हुए भी सिंचित क्षेत्र को नहरो के पानी से वंचित रखना अन्यायकारी है। सरकार की अकर्मण्यता का दुष्परिणाम जनता को भुगतना पड़े, फिर भी सरकारी तंत्र की विफलता के लिए उत्तरदायित्व का भी निर्धारण नहीं किया जा सके, यह सरकार के अस्तित्व पर प्रश्नवाचक चिन्ह है। पांचना का पेच इसी में उलझा हुआ है। न्यायपालिका के आदेशों की पालना नहीं होना संवैधानिक व्यवस्था को कटघरे में खड़ा करता है। यह स्थिति तो तब है जब न्यायपालिका ने आपत्तिकर्ताओं को सिंचाई सुविधाओं के विस्तार संबंधी विषय पर पक्ष प्रस्तुति का समुचित एवं पर्याप्त अवसर देने के बाद सरकार को निर्देशित किया है। इस घटनाक्रम में राज्य के मंत्रिपरिषद का विभाजित दिखाई देना जन चर्चा का विषय रहा है।

दूसरी ओर पांचना बांध में जलोत्थान एवं पानी की कमी दूर करने के लिए के लिए 5,000 लाख रुपए से चंबल- पांचना परियोजना सरकार द्वारा 2022 में ही स्वीकृत की हो चुकी थी। किंतु उस परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण नहीं करना सरकार की ढिलाई का प्रतीक है। इसी प्रकार की स्थिति वर्ष 2017 में तैयार पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना में पांचना बांध को भरने की है।

चर्चा यह भी है कि गुर्जर आरक्षण आंदोलन के समय आंदोलनकारियों को भेजे जाने वाले खाद्य सामठी को रोके जाने की प्रतिक्रिया स्वरूप पांचना के पानी के प्रवाह को रोका गया। इस प्रकार की चर्चाओ का खंडन अपरिहार्य है। इसी हेतु से एसे अप्रिय एवं कटुतापूर्ण व्यवहार से दीर्घकालीन समस्या उत्पन्न होने से रोकना समाज के मुखियाओं का पवित्र कर्तव्य है। सर्वजनहिताय के लिए सार्थक पहल करने वाले ही अभिनंदन के पात्र होते है। जल संग्रहण एवं सिंचित क्षेत्र में चल रहे दोनों ओर के आंदोलनों में किसान महापंचायत एवं किसानो की ध्वनि एक रूपता दर्शाती है। कभी-कभार एक दूसरे को चुभने वाली भाषा एवं शब्द अवश्य कष्टपूर्ण होते है। उनको टोकने एवं रोकने वाले दोनों ही ओर होना सकारात्मकता का लक्षण है। तथापि उनके स्वरों का प्रभाव कम होने पर पांचना के पेच से पानी में आग लगने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता दोनों स्थानों पर चल रहे आंदोलनो के स्थित होने की सूचना से अच्छा संदेश गया है। सिंचित क्षेत्र में पानी का प्रवाह चालू होना तथा पानी संग्रहण क्षेत्र में योजनाओं की क्रियान्विति ही भविष्य की आशा की किरण है। सरकारों की भूमिका महत्वपूर्ण होने से सरकार की सक्रियता जन सामान्य की अपेक्षा है। इस परीक्षा में सरकार की सफलता देश में उत्कृष्ट उदहारण बन सकती है। वहीं सरकार की ढिलाई की पुनरावृत्ति पानी में ज्वालाओं को भड़कने का कारण बन सकती है। शांति और अशांति यह सरकारों की कार्य प्रणाली पर निर्भर है। यही स्थिति पानी में आग को रोकने में उपयोगी है।

-रामपाल जाट,
राष्ट्रीय अध्यक्ष, किसान महापंचायत

आहार में रंगीन खाद्य सम्मिलित करिये और स्वस्थ, सचेत, सक्रीय व क्रियाशील बने रहिये

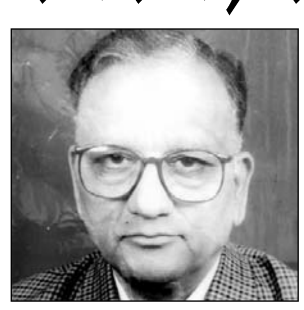

प्रो. वीर बहादुर सिंह

मानव जीवन में इंद्रधनुषीय रंगो की अजीव दुनियां है। प्रकृति ने मानव शरीर के लिए क्या क्या उपयुक्त था वह सब भिन्न-भिन्न खाद्य पदार्थों के माध्यम से उपलब्ध भी करा दिया। इतना ही नहीं उनके चुनने के लिए उनमें रंग अथवा रंजक भरकर इतना आकर्षक बना दिया कि व्यक्ति उन्हें देखकर ही अनायास अपने आहार के लिए चुन ले। प्रकृति के इस उपकार के लिए मानव को नित कृतज्ञता अर्पित करनी चाहिए। अन्यथा ऐसा नहीं होता तो मानव को उपयुक्त खाद्य चुनने के लिए असीम प्रयत्न करने होते।

लेखक ने अपने एक सात इंद्रधनुषीय रंगो के मानव जीवन में महत्व के बारे में लेख इसी अखवार में प्रकाशित करवाया था। आशा करता हूँ पाठकों ने उसे पढ़ा होगा और संभवतः कुछ याद भी होगा। इस बार लेख के माध्यम से खाद्य अवयवों के भिन्न-भिन्न रंजकों की व्याख्या उपलब्ध जानकारी के आधार पर वैज्ञानिक दृष्टि से सरलता से लिखने का प्रयास करेंगे।

मूल विषय पर आने से पहले यह जानलेना जरुरी है कि इंद्रधनुष की भाँति प्रकृति में उन्हीं सात रंगो का बाहुल्य है। जैसे-लाल, नारंगी, पीला, हरा, नीला, नीललोहित (वायलेट) और बैगनी। इंद्रधनुष की वाह्य परिधि लाल होती है और सबसे अंदर की बैगनी। हरा वृत सबके बीच में ऊपर पीली और अंदर नीली परिधिओं से मिला होता है। इंद्रधनुष के सातों रंग एक वैज्ञानिक के अनुसार प्रसन्नता के द्योतक हैं। परन्तु हर रंग का अपना अलग महत्व है जिसके बारे में फिर कभी जानेगे। अभी केवल इतना ही जान लेना जरुरी है कि हरा रंग प्रकृति (नेचर) का द्योतक है। एक बात और जानना जरुरी है कि प्रकृति में काला रंग दृष्टि गोचर नहीं होता वैसे सम्पूर्ण अंतरिक्ष काला ही प्रतीत होता है। तो ऐसा नहीं है कि काले रंग का कोई महत्व नहीं। विचार कीजिये अन्धकार (काला) नहीं होता तो प्रकाश का महत्व कैसे जान पाते? एक कवि की लिखित तम (काला) अन्धकार पर कविता की झलक पाठकों को दिखा दूँ :-

''काली कोयल काली यमुना जसुदा के थे मोहन काले, सच कहो कि कितने प्रिय लगते पावस के घिरते घन काले ; आगे और भी बहुत कुछ सोचनीय और मनोरंजक है वह फिर कभी :-

इतनी भूमिका के बाद अब रंगीन खाद्यों के वर्णन करते हैं :-

हरे रंग के खाद्य पदार्थ :-

इस श्रेणी में पालक, मेंथी, बथुआ, सरसों का साग, मूली की पत्तियाँ, हरा धनिया, जैसी पत्तेदार हरी सब्जियां सम्मिलित हैं। हरा रंग इनमें क्लोरोफिल रंजक की उपस्थिथि के कारण होता है जिससे सूर्य की रौशनी में पत्तीओं के ऊतकों में संश्लेषण की क्रिया से पौधे के लिए आहार का निर्माण होता है। यही आहार शाखाओं, तनों में होते हुए जड़ तक पहुँच उन्हें पुष्ट करता है।

क्लोरोफिल के साथ इनमें कैरोटीन नामक योगिक का निर्माण होता रहता है जो विटामिन ए के निर्माण के लिए मूल पदार्थ है। आहार में केरोटीन मानव शरीर में जाकर विटामिन ए में परिवर्तित हो जाता है जो शरीर में वृद्धि, दृष्टि और अन्य क्रियाओं में वांछित है। कैरोटीन के अलावा इनमें लुटिन और ज़ैथीन नामक तत्व भी होते हैं जिनसे बढ़ती उम्र के साथ होने वाले रोगों से रक्षा मिलती है, जैसे कैंसर व् अन्य ऊतक सम्बन्धी व्यधियां। इस श्रेणी में घीया, तरोई, पालक, पत्ता गोभी, ब्रोकोली, लैटूस, अंगूर, हरी मटर आदि। इंद्रधनुष में हरा रंग वृद्धि और पुनरावृति का द्योतक माना जाता है।

लाल रंग के खाद्य पदार्थ : -

इस श्रेणी के खाद्य पदार्थों में चुकंदर, रस्पबरी, टमाटर, स्ट्रॉबेरी तरबूज, अनार, गुलाबी अंगूर और लाल बेल्ल मिर्च खास हैं। लाल बेल्ल मिर्च में चरपराहट नहीं होने से इसे सलाद की तरह बिना पकाये खाया जा सकता है। इन सब्जिओं और फलों में प्राकृतिक रूप से लायकोपिन या एंथोसायनिन रंजक होता है। लायकोपिन एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है जो शरीर के अंदर चयापचय स्वरुप उपजे हानिकारक अणुओं को निष्क्रिय कर शरीर से निष्काषित कर देता है। ये एंटीऑक्सीडेंट हृदय को सबल बनाये रखने में भी अहम् भूमिका निभाते हैं। इंद्रधनुष में लाल रंग जीवंतता का द्योतक माना जाता है।

नारंगी और पीले रंग के खाद्य पदार्थ :-

पीले रंग की सब्जिओं और फलों में कैरोटेनॉयड्स पिग्मेंट पाया जाता है। जो शरीर के यकृत में विटामिन ए में परिवर्तित होता है यही विटामिन ए युवाओं में समुचित वृद्धि, स्वस्थ त्वचा और आँखें तथा दृष्टि दोष से बचाती है। प्रजनन संस्थान के ऊपर भी इसका अनुकूल प्रभाव होता है। इस रंग के खाद्यों में लेमन, नारंगी, पपीता, आम, केला, चकोतरा, आलू, बेर, खुबानी, अनन्नास, काशीफल, गाजर प्रमुख हैं। प्रतिऑक्सीकारक होने से ये रोग प्रतिरोधकता में वृद्धि करते हैं जिससे बिमारिओं से सुरक्षा मिलती है। सबसे खास कैंसर रोकथाम में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ये दोनों ही रंग इंद्रधनुष में प्रसंन्नता, सहनशीलता और उद्योगशीलता के द्योतक मानें जाते हैं।

नीले रंग के खाद्य पदार्थ :-

सब्जिओं और फलों में यह रंजक एंथोस्यानिंस पिग्मेंट के कारण होता है। यह भी एंटीऑक्सीडेंट की भांति ही कार्य करता है और कोशिकाओं को नष्ट होने से बचाता है। अतिरिक्त इनके यह हृदय रोगों और कैंसर रोगों के बचाव के लिए महत्वपूर्ण है। साथ ही याददाश्त बढ़ाने में भी इसका योगदान होता है। इस श्रेणी के पदार्थों में बैगन, जामुन व् अन्य कम प्रचिलित बेरीज, ब्लू व ब्लैक बेरी प्रमुख हैं।

बेरीज का रस अथवा गूंदा आँखों के रेटिना (पर्दा) स्वास्थ्य में बहुत उपयोगी है। कुछ बड़ी दवा निर्माता कंपनियां इनको प्रसंस्करण करके कैप्सूल में भरकर बाज़ार में ऊंचे दामों पर बेचती भी हैं। ब्लू, बैगनी और इंडिगो रंजक युक्त खाद्य पदार्थों के बारे में जानकारी अभी पूर्ण नहीं है लेकिन इनका शरीर पर प्रभाव, धैर्यता, उत्साहप्रवर्ति, पवित्रता, जागरूकता, सृजनात्मकता और अंतर्ज्ञान आदि विशेषताओं के लिए माना जाता है। इंद्रधनुष में इन तीनों की परिधि अथवा बलैया आपस में काफी मिलीजुली और कमजोर प्रतीत होती हैं।

इस लेख में मैंने प्रयास किया है कि पाठक रंगीन खाद्य पदार्थों के महत्व को समझ सकें। साथ ही विभिन्न रंजकों की शरीर पर प्रतिक्रिया का भी यथा संभव उपलब्ध जानकारी के अनुसार वर्णन किया है वैसे रंगो से उपचार (कलर थेरेपी) की भी एक अलग पद्धति है जिसका वर्णन इस लेख की सीमा से परे है। आशा करता हूँ पाठकों को नई जानकारी के साथ लेख भायेगा और इससे उन्हें खाद्य पदार्थों के चयन में सहूलियत होगी।

-प्रो. वीर बहादुर सिंह,
डेरी एवं खाद्य विज्ञ (पूर्व कुलपति महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय, उदयपुर)

आत्म-मुग्धता का भ्रम और जमीनी हकीकत: राष्ट्र निर्माण में आलोचना का महत्व

प्रोफेसर अशोक कुमार

किसी भी लोकतांत्रिक और प्रगतिशील समाज के लिए आत्म-मुग्धता सबसे बड़ा अवरोध होती है। जब हम कमियों को छुपाकर केवल कागजों और विज्ञापनों में प्रगति का उत्सव मनाने लगते हैं, तो जमीनी स्तर पर पनप रहा संकट एक दिन पूरे तंत्र को खोखला कर देता है। आज देश एक अजीब विरोधाभास के दौर से गुजर रहा है। एक तरफ वैश्विक मंचों, डिजिटल आंकड़ों और कागजी दस्तावेजों में देश की प्रगति के बड़े-बड़े दावे हैं, चारों ओर प्रशंसा और उत्सव का माहौल है। लेकिन दूसरी तरफ, यदि हम धरातल पर उतरकर देखें, तो बुनियादी क्षेत्र गहरे संकट से जूझ रहे हैं। शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मौलिक स्तंभ आज व्यवस्थागत कमियों के कारण डगमगा रहे हैं। ऐसे समय में केवल प्रशंसा के गीत गाना और कमियों से आंखें मूंद लेना किसी भी राष्ट्र के भविष्य के लिए आत्मघाती साबित हो सकता है।

कागजी विकास बनाम धरातल का सच

विकास की असली परिभाषा चमकती हुई इमारतों या आंकड़ों के मायाजाल से नहीं, बल्कि आम नागरिक के जीवन स्तर से तय होती है। आज हमारे सामने कई ऐसे मोर्चे हैं जहां जमीनी हकीकत दावों से कोसों दूर है:-

शिक्षा और परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर संकटः देश का भविष्य युवाओं के कंधों पर है, लेकिन आज पूरी शिक्षा व्यवस्था पेपर लीक और प्रशासनिक अक्षमता के दलदल में फंसी नजर आती है। परीक्षाएं समय पर नहीं होतीं, और यदि होती भी हैं, तो उनकी शुचिता पर सवालिया निशान लग जाते हैं। सालों-साल तैयारी करने वाले युवाओं का भविष्य अधर में लटका हुआ है। इसके साथ ही, सरकारी विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की भारी कमी है, जिससे शिक्षण की गुणवत्ता लगातार गिर रही है।

स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र की बेरुखी : कागजों पर स्वास्थ्य बीमा और चिकित्सा सुविधाओं के बड़े दावे हैं, लेकिन ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में आज भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, डॉक्टरों, दवाइयों और बुनियादी उपकरणों के बिना सफेद हाथी साबित हो रहे हैं। गरीब और मध्यम वर्ग इलाज के खर्च के बोझ तले दबा जा रहा है।

बढ़ती बेरोजगारी की विडंबना : डिग्री धारक युवाओं की एक फौज खड़ी है, लेकिन उनके पास रोजगार के साधन नहीं हैं। रोजगार सृजन की रफ्तार सुस्त है और जो अवसर हैं, वे भी अनिश्चितता के साए में हैं।

प्रशंसा की संस्कृति : भविष्य के लिए घातक

जब किसी समाज या तंत्र में केवल हाँ में हाँ मिलाने और केवल प्रशंसा सुनने की आदत पड़ जाती है, तो वह व्यवस्था अपनी सुधार की क्षमता खो देती है। रचनात्मक आलोचना किसी भी जीवंत लोकतंत्र की आत्मा होती है।

''निंदक नियरे राखिये, आँगन कुटी छवाय।''

कबीरदास जी का यह दोहा आज के नीति-निर्माताओं पर सबसे सटीक बैठता है। जब तक हमें अपनी कमियां मालूम नहीं होंगी, हम सुधार का प्रयास कैसे करेंगे? कमियों को छुपाना समस्या का समाधान नहीं, बल्कि उसे और भयानक बनाना है।

केवल कागजी विकास के सहारे हम वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे छूट जाएंगे। यदि बुनियादी शिक्षा और स्वास्थ्य ही बीमार रहेगा, तो हम मानव संसाधन का सही उपयोग कभी नहीं कर पाएंगे।

जन-संवाद और सरकार की जवाबदेहीः समाधान का मार्ग! इस गंभीर स्थिति से उबरने के लिए और व्यवस्था को सही दिशा में लाने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है:-

कमियों को उजागर करना : मीडिया, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों और जागरूक नागरिकों का यह कर्तव्य है कि वे केवल विज्ञापनों के पीछे न भागें, बल्कि जमीनी हकीकत और कमियों को निडरता से सामने लाएं।

जनता से सरकार तक की कड़ी : लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन है। जनता को अपनी बुनियादी जरूरतों (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शी परीक्षा प्रणाली, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं) के लिए जागरूक होना होगा और इन मुद्दों को सरकार तक पहुंचाना होगा। चुनावी विमर्श में जाति-धर्म के बजाय शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार मुख्य मुद्दे बनने चाहिए।

कागजी दावों से हटकर नीतिगत सुधार : सरकार को प्रशंसा के घेरे से बाहर निकलकर आत्मनिरीक्षण करना होगा। पेपर लीक जैसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े प्रशासनिक और तकनीकी सुधार करने होंगे, रिक्त पड़े शिक्षक और डॉक्टरों के पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरना होगा। रिक्त पड़े शिक्षक और डॉक्टरों के पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरना होगा। साथ ही, डिजिटल बुनियादी ढांचे को केवल शहरों तक सीमित न रखकर ठामीण क्षेत्रों में समान रूप से सुदृढ़ करना होगा ताकि कोई भी नागरिक इस तकनीकी दौड़ में पीछे न छूटे।

डिजिटल विभाजन और ग्रामीण क्षेत्रों की उपेक्षा : आज देश में डिजिटल इंडिया और कैशलेस अर्थव्यवस्था के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच डिजिटल सेवाओं में भारी असमानता है। ग्रामीण इलाकों में आज भी इंटरनेट की कछुआ गति, बार-बार बिजली कटना और बुनियादी डिजिटल साक्षरता का अभाव एक कड़वी सच्चाई है। जब सरकारी योजनाएं, बैंकिंग, और आवश्यक जनसेवाएं पूरी तरह डिजिटल की जा रही हैं, तब नेटवर्क न होने के कारण एक ग्रामीण नागरिक राशन, पेंशन और अपने बुनियादी अधिकारों से वंचित हो जाता है। यह डिजिटल विभाजन ग्रामीण भारत को मुख्यधारा से पीछे धकेल रहा है।

निष्कर्ष-यदि हम वास्तव में भारत को एक महाशक्ति और विकसित राष्ट्र बनते देखना चाहते हैं, तो हमें सब कुछ ठीक है के छलावे से बाहर आना होगा, चाहे वह शिक्षा-स्वास्थ्य का संकट हो या डिजिटल सेवाओं की असमानता, आत्म-मुग्धता की यह संस्कृति देश के भविष्य को अंधकार में धकेल सकती है। समय आ गया है कि हम अपनी कमियों को स्वीकार करें यदि हम वास्तव में भारत को एक महाशक्ति और विकसित राष्ट्र बनते देखना चाहते हैं, तो हमें सब कुछ ठीक है के छलावे से बाहर आना होगा।

-प्रोफेसर अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 324 प्रभात जयपुर, शनिवार 27 जून, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

To Be Responsible — Talk about mentoring? Here is mentoring for you. Teach, equip and trust. To trust means to give responsibility

The Mona Lisa and Michael Jackson

The Tragic Tale at Pichola Lake, Udaipur

एआईसीसी में काफी परिवर्तन हुए, पर इसमें राहुल के दलित प्रेम के अलावा कुछ खास नज़र नहीं आया

एक बाह्मण, अविनाश पाण्डे को यूपी के प्रभारी पद से हटाया और उसकी जगह राजेन्द्र पाल गौतम, एक दलित को जिम्मेवारी सौंपी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जून। कांग्रेस ने राहुल गांधी के दलित प्रेम और दलित एजेण्डे को आगे बढ़ाते हुये, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) में फेरबदल की प्रक्रिया शुरु कर दी है।

हिंदी भाषी क्षेत्र के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में एआईसीसी के प्रभारी महासचिव अविनाश पांडे, जो ब्राह्मण हैं, की जगह दलित नेता राजेन्द्र पाल गौतम को नियुक्त किया गया है।

राहुल गांधी का मकसद साफ है कि वे उत्तर प्रदेश में दलित वोटों को फिर से कांग्रेस के पाले में लाना चाहते हैं और उन्हें लगता है कि राजेन्द्र पाल गौतम यह काम कर सकते हैं।

राजेन्द्र पाल गौतम आम आदमी पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। इसके तुरंत बाद उन्हें कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग का अध्यक्ष बनाया गया और अब उन्हें उत्तर प्रदेश जैसी बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी गई है। इस फैसले ने कांग्रेस के कई नेताओं को हैरान कर दिया है।

- **गौतम आम आदमी पार्टी को छोड़कर कुछ समय पूर्व ही कांग्रेस में आए थे, और बड़े तूफानी तरीके से ऊपर चढ़ते हुए, अब यूपी के प्रभारी बने हैं।**
- **हरियाणा में भी एआईसीसी के पूर्व सचिव सुनील दत्त को प्रभारी नियुक्त किया गया है। पर, उनकी नियुक्ति से भी कुछ उत्साह का संचार नहीं हुआ, क्योंकि हरियाणा में कांग्रेस की राजनीति पर, हुड्डा परिवार आधिपत्य है।**
- **उड़ीसा में अजय कुमार लालू को हटाकर लालजी देसाई को इंजार्च बनाया गया है। इस नियुक्ति से भी कोई खास चमत्कारिक उपलब्धि होने की आशा नहीं है।**
- **अतः, ऐसा लगता है कि एआईसीसी के ये परिवर्तन, केवल परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए हुए हैं, कुछ खास रिजल्ट की आशा के कारण नहीं किये गये हैं।**

बी. के. हरिप्रसाद को कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद, पूर्व एआईसीसी सचिव सुनील दत्त को हरियाणा का एआईसीसी प्रभारी बनाया गया है। हरियाणा में लगभग पूरा संगठन हुड्डा परिवार के प्रभाव में माना जाता है, इसलिए वहां किसी और के लिए बहुत अधिक भूमिका नहीं बचती। ऐसे में यह नियुक्ति लगभग औपचारिक मानी जा रही है।

तीसरा राज्य, जहां बदलाव किया गया है, वह ओडिशा है, जहां कांग्रेस की स्थिति अब भी कमजोर बनी हुई है।

अजय कुमार लल्लू को ओडिशा के एआईसीसी प्रभारी पद से हटा दिया गया है और उनकी जगह लालजी देसाई को नया प्रभारी बनाया गया है।

अब तक लालजी देसाई सेवा दल के मुख्य ऑर्गनाइज़र थे। अब वे ओडिशा की जिम्मेदारी संभालेंगे।

पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष श्रीनिवास को अब सेवा दल का मुख्य ऑर्गनाइज़र बनाया गया है।

श्रीनिवास कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार और उनके भाई सुरेश कुमार के करीबी हैं।

अजय कुमार लल्लू कभी राहुल गांधी के चहेते हुआ करते थे, लेकिन, उनके कई अन्य करीबी नेताओं की तरह, अब वे भी राहुल गांधी की नज़रों से उतर गए हैं। उन पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप भी हैं और ओडिशा में भक्ति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वेनेज़ुएला में भूकंप से मरने वालों की संख्या 589 पहुंची

काराकास, 26 जून। वेनेज़ुएला में बुधवार को आए दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद हालात लगातार गंभीर बने हुए हैं। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज़ ने शुक्रवार को बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ कर 589 हो गई है, जबकि 2,980 लोग घायल हुए हैं। हजारों लोगों के अब भी लापता होने की आशंका के बीच राहत एवं बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, राजधानी काराकास के उत्तर में स्थित तटीय राज्य ला गुएरा सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। यहां कम से कम 100 इमारतें पूरी तरह ढ ह गई हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पूरे, क्षेत्र को "आपदा क्षेत्र" घोषित कर दिया गया है। प्रभावित इलाकों में सेना की तैनाती की गई है और भोजन, पेयजल, दवाइयों तथा अन्य आवश्यक राहत सामग्री का वितरण किया जा रहा है।

- **राजधानी के उत्तर में स्थित तटीय राज्य ला गुएला सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है, जहां 100 इमारतें पूरी तरह ढह गई हैं।**

सरकार का कहना है कि बड़ी संख्या में लोग अब भी लापता हैं, जिसके कारण मृतकों की संख्या में और वृद्धि हो सकती है। इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) के अनुमान के अनुसार,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बंगाल के मु.मंत्री बेहिचक "हिन्दू फर्स्ट" की नीति का अनुसरण कर रहे हैं

उन्होंने सार्वजनिक मंच से यह कहना शुरु किया कि भाजपा की जीत "हिन्दुत्व" की जीत है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जून। भाजपा-शासित गुजरात और उत्तराखंड में "समान नागरिक संहिता" (यूसीसी) लागू हो जाने के बाद, जब असम सरकार ने भी इसे अपना लिया, तो अब पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार के भी पीछे रहने की संभावना नहीं है। सूत्रों के अनुसार, शुभेन्दु अधिकारी सरकार सोमवार को राज्य विधानसभा में यूसीसी विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है। इसका उद्देश्य सभी समुदायों के लिए विवाह की न्यूनतम कानूनी आयु तय करना और विवाह का पंजीकरण अनिवार्य बनाना है।

सूत्रों ने बताया कि विधेयक के मसौदे में बहुविवाह जैसी प्रथाओं पर रोक लगाने तथा महिलाओं को, उम्र की परवाह किए बिना, संपत्ति और उत्तराधिकार में समान अधिकार देने का भी प्रावधान है।

9 मई को मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद से ही शुभेन्दु अधिकारी ने अपनी सरकार के "हिंदू फर्स्ट" एजेंडे को लेकर संदेह की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी है। नई सरकार ने सार्वजनिक सड़कों और रास्तों पर नमाज पढ़ने पर प्रतिबंध या कड़े नियंत्रण लगाए हैं तथा धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर के उपयोग पर भी पाबंदियां लगाई हैं। राज्य सरकार ने गोहत्या पर नियंत्रण को और सख्त करने के लिए भी कदम उठाए हैं और 75 से अधिक मुस्लिम समुदायों का अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का दर्जा भी रद्द कर दिया है।

शुभेन्दु अधिकारी राज्य में भाजपा की जीत को कई बार "हिंदुत्व की जीत" बता चुके हैं। उन्होंने अनेक अवसरों पर हिंदू एकता और सनातन धर्म के प्रोत्साहन का आ ान भी किया है। अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में अतिक्रमण-विरोधी अभियान भी चलाए गए हैं। पश्चिम बंगाल सरकार ने 2026-27 के राज्य बजट में

- **शुभेन्दु अधिकारी ने सत्ता में आते ही सड़कों पर नमाज़ अदा करने पर प्रतिबंध लगाए तथा 75 प्रतिशत मुस्लिम जातियों का ओबीसी स्टेटस रद्द किया।**
- **मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाओ का अभियान चलाया।**
- **अल्पसंख्यक गतिविधियों व मदरसा शिक्षा के बजट को 62 प्रतिशत घटाया और यह प्रचारित किया कि सरकार की नीति है कि बच्चों को प्रोफेशनल व तकनीकी शिक्षा की ओर जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए और मदरसा शिक्षा पर निर्भरता कम की जाए।**
- **बंगाल के लिए प्रस्तावित यूसीसी विधेयक, "लिव-इन रिलेशनशिप" के रजिस्ट्रेशन को अनिवार्य करेगा तथा समुदायों के लिए तलाक की एक "कॉमन" प्रक्रिया लागू होगी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली की "शील्ड" (रक्षा कवच) के जगह-जगह नष्ट होने से भारी आँधियों का सिलसिला शुरु हुआ है?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जून। इस जून में दिल्ली को बार-बार धूल भरी आँधियों का सामना करना पड़ा है। इसकी वजह है -शहर की प्राकृतिक सुरक्षा दीवार, यानी अरावली पर्वतमाला का धीरे-धीरे क्षय होना। अरावली दुनिया की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। इसकी लगभग 650 किलोमीटर लंबी पहाड़ी श्रृंखला दिल्ली से हरियाणा और राजस्थान होते हुए गुजरात तक फैली हुई है।

सदियों से अरावली थार रेगिस्तान से आने वाली गर्म और धूल भरी हवाओं को रोकने वाली प्राकृतिक दीवार का काम करती रही है। लेकिन अब यह दीवार धीरे-धीरे टूट रही है और मामला अदालत तक पहुंच चुका है।

नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार "अरावली" की एक कानूनी परिभाषा तय की और दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में नई खनन लीज पर तब तक के लिये रोक लगा दी, जब तक कि टिकाऊ खनन की कोई सही योजना तैयार न हो जाए। इसका उद्देश्य खनन और निर्माण कार्यों पर रोक लगाना था, जिनकी वजह से इस पर्वत श्रृंखला में दरारें या खाली जगहें बन गई हैं।

23 जून को दोपहर करीब 2:30 बजे एक भीषण आंधी आई। इसके बाद दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और

- **650 किलोमीटर लंबी अरावली पर्वत श्रृखंला, जो दिल्ली से हरियाणा व राजस्थान होते हुए गुजरात तक जाती है, अब कई स्थलों पर ढह गई है। इसका नतीजा था कि 23 जून को लगभग ढाई बजे दोपहर में, भारी आँधी के कारण "रेड अलर्ट" घोषित हुआ था, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश व राजस्थान में।**
- **वैज्ञानिकों का मत है, ये आँधियाँ एक प्राकृतिक प्रसंग हैंः पर, ग्लोबल वॉर्मिंग से ये आँधियाँ और तीखी, धार वाले चाकू जैसी पैनी हो गई हैं।**
- **गर्मी के कारण, काफी एनर्जी (ऊर्जा) वातावरण में इकट्ठी हो जाती है। जिससे अस्थिरता पैदा होती है और यह असंतुलन इन आँधियों को जन्म देता है और पनपाता है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डीजीपी राजीव शर्मा को पितृ शोक

जयपुर, 26 जून। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा के पिता सुरेश चंद शर्मा का शुक्रवार को निधन हो गया। वे 85 वर्ष के थे। स्व. शर्मा पिछले काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे। शुक्रवार को जयपुर के महात्मा गांधी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन का समाचार मिलते ही, प्रशासनिक, पुलिस एवं सामाजिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

- **गमगीन माहौल में नोएडा में अंतिम संस्कार हुआ।**

गमगीन माहौल के बीच नोएडा में उनका अंतिम संस्कार हुआ। अनेक वरिष्ठ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका के रिज़र्व बैंक के चेयरमैन एलन ग्रीनस्पैन वाकई में सैन्ट्रल बैंकर्स के बैंकर थे

ग्रीनस्पैन का अमेरिका के फायनैंशियल सिस्टम की ताकत में अटूट विश्वास था, जो 9/11 के संकट में बेखूबी देखा गया था

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जून। केन्द्रीय बैंकर तो बहुत हुए हैं, लेकिन एलन ग्रीनस्पैन, चार दिन पहले 100 वर्ष की आयु में जिनका निधन हुआ, वास्तव में केन्द्रीय बैंकरों के भी केन्द्रीय बैंकर थे।

अमेरिका के फैडरल रिज़र्व के अध्यक्ष का पद अपने वैश्विक प्रभाव के कारण किसी भी अन्य केन्द्रीय बैंक प्रमुख से कहीं अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। एलन ग्रीनस्पैन ने इस पद की गरिमा और प्रभाव को पूरी दक्षता के साथ निभाया।

उन्होंने ऐसे समय में यह जिम्मेदारी संभाली, जब उनके पूर्ववर्ती पॉल वोल्कर पहले ही मौद्रिक प्रबंधन के लिए कई महत्वपूर्ण सिद्धांत स्थापित कर चुके थे। ऐसे दिग्गज की विरासत को आगे बढ़ाना ग्रीनस्पैन के लिए एक बड़ी चुनौती थी।

लेकिन पद संभालने के कुछ ही समय बाद, ग्रीनस्पैन ने मौद्रिक नीति के तय नियमों को किनारे रखकर अपनी सोच के अनुसार काम करना शुरू किया।

ग्रीनस्पैन ने वित्तीय क्षेत्र के लिए प्रसिद्ध "लाइट टच रेगुलेशन" यानी न्यूनतम सरकारी हस्तक्षेप की नीति अपनाई। उन्होंने वित्तीय क्षेत्र के विस्तार और बाजार में पर्याप्त तरलता (लिक्विडिटी) बनाए रखने पर जोर दिया, ताकि आर्थिक गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहें। जब तक स्थिति नियंत्रण में रही, यह रणनीति सफल साबित हुई।

लेकिन समय के साथ यह व्यवस्था अत्यधिक दबाव में आ गई और अंततः बड़े वित्तीय संकट में बदल गई। वर्ष 2008-09 के वैश्विक वित्तीय संकट के लिए अक्सर ग्रीनस्पैन को जिम्मेदार ठहराया जाता है। हालांकि, वे 2006 में ही फैडरल रिज़र्व के चेयरमैन का पद छोड़ चुके थे।

दरअसल, इस संकट की नींव उनके कार्यकाल के दौरान ही पड़ चुकी थी। ग्रीनस्पैन को बाजार की ताकत पर गहरा विश्वास था, जो लगभग अंधविश्वास का रूप ले चुका था। उनके कार्यभार संभालते ही शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आई, लेकिन उन्होंने बाजार में पर्याप्त नकदी बनाए रखी और आर्थिक गतिविधियों को जारी रखने की नीति अपनाई। उस समय यह रणनीति सफल रही।

11 सितंबर 2001 के आतंकवादी हमलों के समय एलन

- **ग्रीनस्पैन का मानना था कि अगर फायनैंशियल मार्केट में संकट हो, तो बैंकों का काम होता है, पैसे की आवक व उपलब्धि निरंतर बरकरार रखें, क्योंकि कालांतर में कुछ समय बाद मार्केट अपने आप स्वस्थ हो जाएगा और अधिकतर ऐसा ही होता है।**
- **ग्रीनस्पैन की यह फिलॉसफी व सोच उनके रिटायरमैंट के बाद भी अमेरिका के फायनैंशियल सैक्टर के गवरनैंस की आत्मा है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति ने हरिद्वार के काली मंदिर में पूजा की

हरिद्वार, 26 जून। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जूमा ने शुक्रवार को धर्मपत्नी एवं परिजनों के साथ तीर्थनगरी हरिद्वार में श्री दक्षिण काली मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने मंदिर के परमाध्यक्ष एवं निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज से आशीर्वाद लिया।

- **महामंडलेश्वर कैलाशानन्द गिरी ने पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा को 2029 के चुनाव में विजयी होने का आशीर्वाद दिया।**

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जूमा के मंदिर पहुंचने पर स्वामी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ऑयल संकट कुछ कम हुआ, तो कमज़ोर मानसून महंगाई घटने नहीं देगा?

साउथ-वेस्ट मानसून से भारत की 70 प्रतिशत बारिश की आवश्यकता पूरी होती है और पर्याप्त बारिश भारत की 300 बिलियन डॉलर एग्रीकल्चर इकॉनमी को चलाती है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जून। पश्चिम एशिया में संघर्ष की वजह से कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आई तेज़ी के बाद, भारत ने अभी राहत की सांस लेना शुरू ही किया था कि चिंता की एक और वजह सामने आ रही है - मॉनसून।

अर्थशास्त्री और नीति-निर्माता लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि सामान्य से कम मॉनसून और "अल नीनो" मौसम पैटर्न, दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में महंगाई की अगली बड़ी वजह बन सकते हैं।

चिंता सिर्फ़ बारिश कम होने की नहीं है। इसका असर खाद्य पदार्थों की कीमतों, ग्रामीण आय, ग्राहकों की मांग, ब्याज दरों और अंततः आर्थिक विकास पर पड़ सकता है।

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून, भारत में सालाना बारिश का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा लेकर आता है, और देश की करीब 300 अरब डॉलर की कृषि अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा माना जाता है। कमज़ोर मॉनसून से फ़सल की पैदावार कम हो सकती है, चावल, दाल, सब्ज़ियों और खाने के तेल जैसी ज़रूरी चीज़ों की कीमतें बढ़ सकती हैं, और ग्रामीण भारत में खर्च करने की क्षमता कम हो सकती है, जहाँ लाखों परिवार प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से खेती पर निर्भर हैं।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने इस वर्ष सामान्य औसत की तुलना में केवल 90 प्रतिशत बारिश का अनुमान जताया है, जिससे ये चिंताएं और बढ़ गई हैं। अगर ऐसा होता है, तो यह 2015 के बाद मॉनसून का सबसे खराब प्रदर्शन होगा। यह समय इसलिए भी बहुत अहम है, क्योंकि सिंचाई परियोजनाओं, वॉटरशेड विकास और ग्रामीण बुनियादी ढांचे में दशकों के निवेश के बावजूद, भारत का लगभग 45 प्रतिशत खेती वाला इलाका अभी भी पूरी तरह से बारिश पर निर्भर है। यह कमज़ोरी अब ज़मीनी स्तर पर भी दिखने लगी है।

देश के कई बड़े जलाशयों में जून की शुरुआत में पानी का स्तर काफ़ी कम था, जिससे खरीफ़ की बुवाई के लिए उपलब्ध पानी का भंडार (बफ़र) सीमित हो गया है। जलाशय में पानी कम होने से न सिर्फ़ खेती पर असर पड़ता है, बल्कि पीने के पानी की सप्लाई, पनबिजली उत्पादन और औद्योगिक इस्तेमाल पर भी असर पड़ता है। कई राज्यों में बुवाई में देरी, कम क्षेत्र में खेती और, अगर बारिश अनियमित रही तो, फ़सल की पैदावार कम होने की आशंकाएं बढ़ रही हैं।

महंगाई पर इसके असर काफ़ी बड़े हो सकते हैं। ऐतिहासिक रूप से, भारत में खाद्य महंगाई हमेशा से सबसे संवेदनशील आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों में रही है। भले ही वैश्विक स्तर पर वस्तुओं की कीमतें कम हो जाएं, लेकिन खराब मॉनसून घरेलू स्तर पर खाने-पीने की चीज़ों की सप्लाई कम करके उन फ़ायदों को तेज़ी से खत्म कर सकता है। जानकारों का कहना है कि सब्जियों, दालों और अनाजों की कीमतों पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ सकता है। अगर

- **मौसम विभाग के अनुसार, इस वर्ष 2015 के बाद सबसे कमज़ोर मॉनसून है।**
- **इस कमज़ोर मानसून के कारण खाद्य पदार्थों की कीमत तो बढ़ेगी, अर्थशास्त्रियों का मानना है कि भारत इस संकट में लगभग 34 मिलियन रोज़गार के अवसर खो देगा।**
- **तो क्या महंगाई की दृष्टि से भारत की स्थिति आसमान से गिरे, तो खजूर पर जा कर अटकने जैसे हो जाएगी?**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने दो विमानों में राहत सामग्री वेनेज़ुएला भेजी

नई दिल्ली, 26 जून। वेनेजुएला की राजधानी काराकास में हाल ही में आए विनाशकारी भूकंप के बाद, भारत ने संकट की इस घड़ी में मानवीय सहायता के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। भारतीय वायुसेना के दो विमान ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत शुक्रवार को आवश्यक राहत सामग्री और चिकित्सा उपकरण लेकर वेनेजुएला के लिए रवाना हो गए।

- **विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर आगे भी सहयोग जारी रहेगा।**

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बताया कि राहत सामग्री में एक फील्ड हॉस्पिटल यूनिट, 35 टन से अधिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संक्षिप्त

निवाई में ताजिया निकाला

निवाई, (निसं)। कर्बला के मैदान में सत्य व इंसानियत की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले हजरत इमाम हुसैन व उनके 72 साथियों की शहादत की याद में शहर में अकीदत व एहतराम के साथ मोहर्रम मनाया गया। मोहर्रम ताजिया कमेटी के तत्वावधान में शहर में विशाल ताजिया निकाला गया। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कर्बला के शहीदों को खिराजे अकीदत पेश की। इस दौरान पूरा माहौल इमाम हुसैन की याद में गमगीन नजर आया। मातम के साथ ढोल व ताशे बजाकर मातमी धुन के बीच ताजिया मोहर्रम शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरा। इस अवसर पर शकील लुहार, हकीम, सलीम देशवाली, सद्दाम शेरा, जमील पटेल, मुस्तकीम शाह, बाबु मंसूरी, आसीफ व निजामुद्दीन शाह, पप्पू देशवाली, अल्लाह रख्खा देशवाली, आसिफ, समीर मंसूरी, इकबाल, वाहिद हुसैन, शानू, अब्दुल, वारिस एवं अल्ताफ मंसूरी सहित कई लोगों ने मोहर्रम के जुलूस में शामिल लोगों को ठंडा पेयजल पिलाकर उनका इस्तकबाल किया।

भंडारे का आयोजन

कोटपूतली, (निसं)। स्वयंसेवी संस्था "आओ साथ चलें" द्वारा कस्बे के राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में चलाये जा रहे प्रसादम अभियान के तहत शुक्रवार को सुन्दरपुरा निवासी स्व. रामकुंवार अधाणा की पुण्यतिथि पर उनकी पत्नी बनारसी देवी, पुत्र कृष्ण कुमार अधाणा, पुत्रवधू हंसा देवी, पौत्र आदित्य अधाना, पौत्री मनिषा, नीशु ने भंडारे का आयोजन किया। उल्लेखनीय है कि संगठन के राष्ट्रीय संयोजक विष्णु मित्तल की पहल पर यह अभियान 05 जुलाई 2019 से निरंतर जारी है। स्थानीय संयोजक आनंद मित्तल ने बताया कि इस पवित्र अभियान के माध्यम से क्षेत्र के लोग अपने जन्मदिवस, पुण्यतिथि, वर्षगांठ व अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर भंडारा कर सेवा का पुण्य अर्जित कर रहे हैं। अभियान को क्षेत्रवासियों द्वारा अत्यधिक सराहना मिल रही है। इस दौरान सीएम सैन, प्रकाश अवाना, रामसिंह, बंटी आदि मौजूद रहे।

वार्षिक महोत्सव सम्पन्न

फुलेरा, (निसं)। कस्बे के समीपवर्ती ग्राम काचरोदा-श्यामनगर की स्कूल कॉलोनी स्थित श्री विश्वनाथ शिवालय का 80वां तीन दिवसीय वार्षिक महोत्सव शुक्रवार को हवन-यज्ञ के साथ सम्पन्न हुआ। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष मूलचंद सुरोलिया ने बताया कि शिवालय के स्थापना दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष स्थानीय लोगों के सहयोग से 48 घंटे तक लगातार रघुपति राघव राजा राम नाम का कीर्तन किया जाता है। इस वर्ष भी आयोजन के समापन अवसर पर मुख्य यजमान राजेंद्र कुमार कारगवाल द्वारा हवन यज्ञ में आहुतियां देकर कार्यक्रम का विधिवत समापन किया गया। समापन समारोह में माधोलाल बडीवाल, चिरंजी लाल बडीवाल, हीरालाल शर्मा, चन्द्रप्रकाश किरोड़ीवाल, ओमप्रकाश बडीवाल, रामगोपाल शर्मा, दीनदयाल देवतवाल, रामलाल चौधरी सीताराम दम्बीवाल व छीतरमल बडीवाल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रतिभा सम्मान समारोह 28 को

टोंक, (निसं)। खटीक समाज का प्रतिभा समान समारोह 28 जून को आयोजन किया जायेगा, समारोह में मुख्य अतिथि मदन दिलावर शिक्षा एवं पंचायत राज मंत्री होंगे तथा अध्यक्षता कन्हैयालाल चौधरी जलदाय मंत्री करेंगें। समारोह को लेकर खटीक समाज अधिकारी कर्मचारी समिति ने पूरी तैयारिया कर ली है। समिति के राजेश चंदेल ने बताया कि सुबह से पहाडिया मेरिज गार्डन में होने वाले समारोह में 10वीं, 12वीं में 80प्रतिशत, स्नातक व स्नातकोत्तर में 70 प्रतिशत अंक, खेल में राज्य स्तर, सेवानिवृत कर्मचारी, नव नियुक्त कर्मचारी, नीट, आई आई टी में चयनित आदि विशिष्ट प्रतिभाओं सहित सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान पर लोगो को सम्मानित किया जाएगा।

धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

निवाई, (निसं)। इन्दिरा कॉलोनी में स्थित श्याम मंदिर में निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर धार्मिक कार्यक्रमों की धूम रही। श्याम सेवा समिति के तत्वावधान में बाबा श्याम का पंचामृत से भव्य अभिषेक किया गया। इसके बाद कोलकाता के विशेष सुगंधित पुष्पों से बाबा का नयनाभिराम श्रृंगार किया गया, श्याम दर्शन के लिए दिनभर भक्तों का तांता लगा रहा। सायं सात बजे से मंदिर प्रांगण में विशाल भजन संध्या का शुभारंभ हुआ।

पावटा में ढोल-ताशों की मातमी धुनों के बीच निकला ताजिया जुलूस

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा कस्बे में शुक्रवार कौपैम्बर हजरत मोहम्मद साहब के नवासेइमाम हुसैनऔर कर्बला में शहीद हुए उनके 72 साथियों की याद में मुहर्रम का ऐतिहासिक मेला श्रद्धा, आस्था और गंगा-जमुनी तहजीब के साथ मनाया गया। बुधवार को कस्बे के बीचस्थित शाही जामा मस्जिद से ढोल-ताशों की मातमी धुनों और "या अली... या हुसैन" की सदाओं के बीच भव्य ताजिया जुलूस निकाला गया, जिससे पूरा कस्बा दिनभर गूंजायमान रहा। ताजिया जुलूस मुख्य बाजार सहित कस्बे के प्रमुख मार्गों से होता हुआ कर्बला पहुंचा, जहां मगरिब की नमाज से पूर्व धार्मिक परंपरा के अनुसार ताजिए को सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

जुलूस में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, युवा, बुजुर्ग और बच्चे शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव से इमाम

पावटा में मुहर्रम मेले में आस्था और भाईचारे का जनसैलाब उमड़ा

हुसैन की शहादत को याद किया। वक्फ बोर्ड कमेटी के सदरआमीन मंसूरीने बताया कि प्रागपुरा का मुहर्रम मेला आसपास के जिलों में ऐतिहासिक और सुप्रसिद्ध है। इसकी ख्याति के कारण जयपुर, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, मध्यप्रदेश सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से सैकड़ों लोग हर वर्ष मेले और ताजिया जुलूस को देखने एवं उसमें शामिल होने पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन वर्षों से हिंदू-मुस्लिम एकता और आपसी भाईचारे का प्रतीक बना हुआ

> प्रागपुरा कस्बा का मोहर्रम ऐतिहासिक व सुप्रसिद्ध दूर दराज से देखने आते है लोग - सदर आमीन मंसूरी

है। कमेटी सदस्यइमरान लुहारने बताया कि कस्बावासी आपसी सौहार्द और शांति के साथ इस परंपरा का निर्वहन करते आ रहे हैं।

मेले के दौरान हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग मिलकर व्यवस्थाओं में सहयोग करते हैं, जो सामाजिक समरसता की मिसाल पेश करता है। मुहर्रम मेले को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। थानाधिकारीभजनारामके नेतृत्व में भारी पुलिस जाब्ता पूरे आयोजन के दौरान तैनात रहा और सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर रखी गई। भाजपा जयपुर उत्तर मोर्चा जिला अल्पसंख्यक केअब्दुल सत्तारने भी प्रशासन द्वारा किए गए सुरक्षा प्रबंधों की सराहना की।

मेला कमेटी की ओर से सुभाष चौक पर श्रद्धालुओं के लिए मीठे पानी की छबील तथा गोगा मंदिर के सामने भोजन की विशेष व्यवस्था की गई। वहीं लौहार मंडी में बच्चों और बड़ों के मनोरंजन के लिए झूले लगाए गए। मेले के अखाड़े में युवाओं ने हैरतअंगेज करतब दिखाकर लोगों का खूब मनोरंजन किया। जुलूस के दौरान कई हिंदू और मुस्लिम महिलाएं छोटे बच्चों को ताजिए के नीचे से निकालकर उनकी सलामती और खुशहाली की मन्नतें मांगती नजर आईं। यह दृश्य मेले की धार्मिक आस्था और सामाजिक समरसता का विशेष आकर्षण रहा।

पावटा में बाइक चोर व जेबकतरा गिरोह से परेशान

पावटा, (निसं)। कस्बे में इन दिनों बाइक चोर और जेबकतरा गिरोह की सक्रियता से आमजन में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। बाजार, बस स्टैंड, धार्मिक आयोजनों और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लगातार चोरी और जेबतराशी की घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और सामाजिक संगठनों ने पुलिस प्रशासन से गश्त बढ़ाने, संदिग्ध लोगों की सघन जांच करने और सीसीटीवी निगरानी मजबूत करने की मांग की है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गिरोह के सदस्य भीड़ का फायदा उठाकर लोगों की जेब से नकदी, मोबाइल और अन्य कीमती सामान पार कर देते हैं, जबकि लावारिस या असुरक्षित स्थानों पर खड़ी मोटरसाइकिलों को भी निशाना बनाया जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं।

सांभर व कोरसीना के राहत शिविरों में काफी तादाद में मामलों का निस्तारण

सांभरझील, (निसं)। एसडीएम व शिविर प्रभारी ऋषिराज कपिल को ग्राम पंचायत कोरसीना में आयोजित शिविर के दौरान ग्रामीणों व कोरसीना के प्रशासक ने बताया कि उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण हेतु भूमि तो आवंटित हो चुकी है लेकिन राजस्व रिकॉर्ड में नामांतरण दर्ज नहीं होने के कारण इसके निर्माण में आ रही बाधा दूर नहीं हो पा रही है।

यहां के लोग कई वर्षों से स्वास्थ्य केंद्र नहीं होने के कारण परेशान है। यह भी बताया गया कि पूर्व शिविर के दौरान उपस्वास्थ्य केन्द्र हेतु भूमि आवंटन के प्रस्ताव भिजवाये गये थे। भूमि का आवंटन आदेश हो चुका लेकिन नामान्तरण नही खोला गया। जिसके सम्बन्ध में शिविर प्रभारी व एसडीएम ऋषि राज कपिल व सहायक शिविर प्रभारी व तहसीलदार सृष्टि जैन ने गिरदावर एवं हल्का पटवारी को आज

एसडीएम व तहसीलदार ने पट्टा जारी कर कब्जाधारक को सौंपा।

ही भूमि का नामान्तरण खोल जाने हेतु निर्देशित किया। जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए ग्राम पंचायत कोरसीना में उपस्वास्थ्य केन्द्र हेतु नामान्तरण खोलकर प्रमाणित किया गया। इसी प्रकार ग्रामीण हनुमान पुत्र नारायण जाति गुर्जर व सुखराम पुत्र मालाराम ने भी बताया कि वे पिछले 60 वर्षों से ग्राम पंचायत कोरसीना में आबादी भूमि में निवास कर रहे है, लेकिन आज तक उस जगह का पट्टा जारी नही हो रखा है। एसडीएम व तहसीलदार ने प्रशासक व ग्राम विकास अधिकारी को निर्देशित कर मौके पर ही पट्टा जारी कर कब्जाधारक को सौंपा तो उसकी आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े।

> कोरसीना उप स्वास्थ्य केन्द्र के लिए भूमि का नामांतरण खोलने के आदेश

सांभर नगरपालिका में शिविर के दौरान 08 पट्टो, 02 पीएम स्वनिधि योजना अन्तर्गत ऋण, पीएम आवास योजना अन्तर्गत 09 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। 04 जन्म-मृत्यु पंजीकरण, पेयजल, सफाई व्यवस्था, कर संबंधी प्रकरणों सहित विभिन्न जनसमस्याओं की सुनवाई कर उनका त्वरित निस्तारण किया गया। शिविर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण कर पात्र प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

शहीद अतर जाटव की शहादत का सम्मान सर्वोपरि : जूली

अलवर , (निसं)। महवा क्षेत्र के सपूत शहीद स्वर्गीय अतर सिंह जाटव की प्रतिमा का अनावरण शुक्रवार को राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ लेकिन जूली ने कहा कि अतिथि आज शहीद का परिवार है, उनका सम्मान करना हमारी परंपरा में शामिल है।

प्रतिमा अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए जूली ने कहा कि प्राण न्योछावर करने वाले जवानों की शहादत पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। हर शहीद को समान सम्मान, पेंशन और परिवार को नियमानुसार सुविधाएं मिलनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि शहीद जाटव ने महवा क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी कुर्बानी को आने वाली पीढ़ियां याद रखें, इसलिए प्रतिमा स्थापित करना जरूरी था। जूली ने कहा कि कई बार शहीद परिवारों को सहायता के लिए भटकना पड़ता है, जबकि यह सरकार की जिम्मेदारी है। नेता प्रतिपक्ष जूली ने कहा कि संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर के संविधान को कमजोर करने वालों को हम मुंहतोड़ जवाब देना होगा। उन्होंने कहा कि संविधान को नहीं

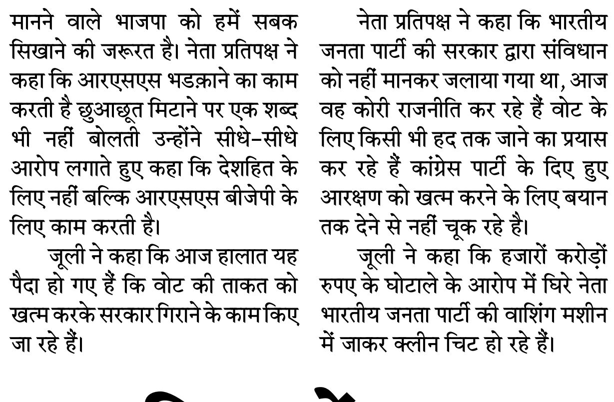

महवा के शहीद अतर जाटव की प्रतिमा का अनावरण नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

मानने वाले भाजपा को हमें सबक सिखाने की जरूरत है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आरएसएस भड़काने का काम करती है छुआछूत मिटाने पर एक शब्द भी नहीं बोलती उन्होंने सीधे-सीधे आरोप लगाते हुए कहा कि देशहित के लिए नहीं बल्कि आरएसएस बीजेपी के लिए काम करती है।

जूली ने कहा कि आज हालात यह पैदा हो गए हैं कि वोट की ताकत को खत्म करके सरकार गिराने के काम किए जा रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा संविधान को नहीं मानकर जलाया गया था, आज वह कोरी राजनीति कर रहे हैं वोट के लिए किसी भी हद तक जाने का प्रयास कर रहे हैं कांग्रेस पार्टी के दिए हुए आरक्षण को खत्म करने के लिए बयान तक देने से नहीं चूक रहे है।

जूली ने कहा कि हजारों करोड़ों रुपए के घोटाले के आरोप में घिरे नेता भारतीय जनता पार्टी की वाशिंग मशीन में जाकर क्लीन चिट हो रहे है।

अलवर में मोहर्रम का जुलूस निकला

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में आज मोहर्रम के मौके पर निकाला गया। दोपहर में मेव बोर्डिंग से रवाना हुआ यह जुलूस शहर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ जेल चौराहा पहुंचा।

मुस्लिम समाज की ओर से आज (शुक्रवार) मोहर्रम के पवित्र अवसर पर कर्बला के शहीदों की याद में निकाला गया ताजियों का मुख्य जुलूस पूरी अकीदत और शांति के साथ निकाला गया। इससे पहले, गुरुवार को कत्ल की रात की रस्म के बाद नंगली मोहल्ला स्थित इमामबाड़े से इन ताजियों को रोड नंबर-दो स्थित मेव बोर्डिंग परिसर लाया गया था, जहां रात भर अकीदतमंदों ने जियारत की और मन्नतें मांगीं।

ताजिया कमेटी के अध्यक्ष खुर्शीद खान ने बताया कि तय कार्यक्रम के तहत आज दोपहर ठीक 1-00 बजे मेव बोर्डिंग परिसर से ताजिया जुलूस पूरे अदब के साथ रवाना हुआ। इस बार जुलूस में एक छोटा और एक बड़ा ताजिया शामिल रहा, जो अपनी भव्यता के कारण लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहे। मेव बोर्डिंग से निकलने के बाद यह पारंपरिक जुलूस शहर के मुख्य रास्तों, भगत सिंह सर्किल और अंबेडकर सर्किल से होता हुआ आगे बढ़ा। इन रास्तों पर ताजियों के दीदार के लिए भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा।

> मोहर्रम पर कर्बला के शहीदों की याद में निकाला ताजियों का जुलूस पूरी अकीदत और शांति के साथ निकाला

जुलूस में अलवर शहर सहित जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आए हजारों लोग शामिल हुए। इस दौरान जिले के अलग-अलग कोनों से आईं पैक पार्टियों ने मातमी धुनों और ढोल-ताशों के बीच अखाड़े के हैरतअंगेज पारंपरिक करतब दिखाए, जिन्हें देखने के लिए सड़कों और मकानों की छतों पर लोगों की भारी भीड़ जमा रही।

जेल चौराहा मैदान पहुंचने पर समाज के लोगों ने ताजियों पर सेहरा, फूल और प्रसाद चढ़ाकर देश और दुनिया में अमन-चैन की दुआएं मांगीं। इसके बाद शाम करीब 6-00 बजे जेल चौराहा स्थित कर्बला मैदान में गमगीन माहौल के बीच दोनों ताजियों को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया।

जुलूस के रूट पर उमड़ने वाली भारी भीड़ और संवेदनशीलता को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस महकमे की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

'ईडब्ल्यूएस नियमों का सरलीकरण कर जरूरतमंदों तक पहुंचायें लाभ'

कोटपूतली, (निसं)। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) को राजकीय सेवाओं में दिये जाने वाले 10 प्रतिशत आरक्षण के नियमों के सरलीकरण को लेकर ईडब्ल्यूएस जनजागृति मंच के तत्वाधान में शुक्रवार को कस्बे के पूतली रोड स्थित शरणम

> गरीब को गणेश मानकर सेवा करना ही ईडब्ल्यूएस आरक्षण का लक्ष्य : राठौड़

पैराडाइज मैरीज गार्डन में विचार गोष्ठी सभा का आयोजन हुआ।

सभा में बतौर मुख्य वक्ता भाग लेने पहुंचे आरटीडीसी के पूर्व चैयरमैन धर्मेन्द्र सिंह राठौड का कोटपूतली-बहरोड़ जिला मुख्यालय पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। राठौड़ का काफिला नगर के मुख्य मार्गो से होते हुये सभा स्थल पहुंचा। रास्ते में उन्होंने महात्मा ज्योतिबा फूले, नगर परिषद

ईडब्ल्यूएस जनजागृति मंच के तत्वाधान में विचार गोष्ठी सभा का आयोजन हुआ।

पार्क स्थित संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर, पूर्व विधायक स्व. मुक्ति लाल मोदी व नगर पालिका तिराहा पर महाराजा अग्रसेन की मूर्तियों पर माल्यार्पण कर नमन किया। सभा स्थल पहुंचने पर राठौड़ का युवा कार्यकर्ताओं ने अपार जोष व उत्साह के साथ कंधों पर बैठाकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में ईडब्ल्यूएस आरक्षण दिये जाने को लेकर केन्द्र सरकार के नियमों में सरलीकरण की मांग की गई।

राठौड़ ने इस पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण उस मंशा से उत्पन्न हुआ है, जब भारतीय समाज में गरीब को गणेश मानकर उसकी सेवा करने का विचार रखा जाता है। इस आरक्षण का लाभ केवल ब्राह्मण, बनिया व राजपूत समाज को ही नहीं बल्कि जैनी, सिंधी, पंजाबी के साथ-साथ मुसलमानों की शेख, सैयद, पठान व मुगल सहित अन्य जातियां को भी मिलता है। इस आरक्षण को लेकर कवायद वर्ष 2005 में यूपीए कार्यकाल के दौरान ही हो गई थी। जिसे एनडीए द्वितीय के कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनवरी 2019 में लागू किया था। किन्तु इस आरक्षण में परिवार की 08 लाख वार्षिक आय, 05 एकड़ भूमि, ग्रामीण क्षेत्र में 200 गज का रिहायशी प्लॉट व शहरी क्षेत्र में 01 हजार फूट का रिहायषी निवास जैसे अन्य नियम भी जोड़ दिये गये।

छौंकरवाड़ा में एनसीसी का प्रशिक्षण शिविर आयोजित

भरतपुर, (निसं)। 6 राज इंडेप कंपनी एनसीसी एवं 3 राज आर्टिलरी बैटरी एनसीसी, भरतपुर के संयुक्त तत्वावधान में जवाहर नवोदय विद्यालय, छौंकरवाड़ा के परिसर में संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। राष्ट्रीय कैडेट कोर के इस विशेष प्रशिक्षण शिविर में भरतपुर और धौलपुर जिलों के 16 महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के कुल 500 सीनियर एवं जूनियर डिवीजन/विंग के कैडेट्स सहभागिता कर रहे हैं। शिविर के संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत कैडेट्स के सर्वांगीण विकास हेतु ड्रिल एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। यह संपूर्ण प्रशिक्षण शिविर कैंप कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल चित्रा सुभाष तथा डिप्टी कैंप कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल विनायक गुप्ता के कुशल प्रशासनिक नेतृत्व एवं शैक्षिक मार्गदर्शन में संपन्न हो रहा है। शिविर कमान अधिकारियों ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए अनुशासन, राष्ट्रीय एकता, चरित्र निर्माण और नेतृत्व क्षमता जैसे मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डाला।

सार-समाचार

'खेत बचाओ' अभियान के तहत किसानों को बांटे ऋण

मानपुरा माचेडी, (निसं)। अचरोल में शुक्रवार को राजस्थान - कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में आरजीबी बैंक के द्वारा खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत विशेष शिविर का आयोजन किया गयाशिविर का उद्देश्य किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से आसान और समय पर ऋण उपलब्ध कराना तथा डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देना था।कार्यक्रम में जयपुर के अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय से गणेश कुमार, राहुल गुप्ता आरोह फाउंडेशन के महेन्द्र चौधरी , शाखा प्रबंधक पूनम , शाखा प्रबंधक नीरज शर्मा शाखा प्रबंधक राजेंद्र गुर्जर व क्षेत्र के सभी बैंक प्रबंधक उपस्थित रहे, सभी बैंकों ने मिलकर लगभग 35 लाख के किसान क्रेडिटकार्ड एवं अन्य ऋणों का वितरण किया गया।शिविर में उपस्थित बैंक अधिकारियों ने मौके पर ही पात्र किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड ऋण का वितरण किया। अधिकारियों ने बताया कि के माध्यम से किसान कम ब्याज दर पर समय पर कृषि कार्य के लिए ऋण प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उनकी खेती में लागत कम होगी और उत्पादन बढ़ेगा।

जिला प्रभारी ने चिकित्सा संस्थानो का निरीक्षण किया

टोंक, (निसं)। जिला प्रभारी डॉ. मनीषा चौधरी (उपनिदेशक टीकाकरण) ने जिले चिकित्सा संस्थानों का निरक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पीएचसी गहलोद, जिला अस्पताल टोंक, पीएचसी कलमंडा एवं जिला अस्पताल मालपुरा तथा सीएचसी उनियारा का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण कर अस्पताल में विभिन्न उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तृत मूल्यांकन किया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर शैलेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि जिला प्रभारी डॉ मनीषा चौधरी ने निरीक्षण के दौरान विभागवार सेवाओं की गुणवत्ता, उपलब्ध संसाधनों एवं व्यवस्थाओं का आकलन एक सुव्यवस्थित चेकलिस्ट के माध्यम से किया गया। वही शुक्रवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग टोंक की जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक बैठक आयोजित हुई, जिसमें डॉक्टर मनीषा चौधरी ने जिले के समस्त चिकित्सा संस्थानों के अधिकारियों प्रभारियो को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

भाजपा राहुवास मंडल का संगठनात्मक प्रवास कार्यक्रम संपन्न

लालसोट, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी राहुवास मंडल का संगठनात्मक प्रवास कार्यक्रम आर.एस. कॉलेज, डूंगरपुर में पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रवास प्रभारी सत्यनारायण शाहरा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। मंडल अध्यक्ष भंवरसिंह झूपड़िया ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तर तक संगठनात्मक प्रवास कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राहुवास मंडल का प्रवास कार्यक्रम संपन्न हुआ।मुख्य वक्ता एवं मंडल प्रभारी सत्यनारायण शाहरा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के लिए आपसी समन्वय और सहयोग के साथ प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने संगठन की मजबूती को आगामी चुनावी तैयारियों का आधार बताया।कार्यक्रम के दौरान एक पेड़ माँ के नाम अभियान की शुरुआत करते हुए कॉलेज परिसर में पौधारोपण भी किया गया।इस अवसर पर स्थानीय सरपंच दीनदयाल मीणा, एसटी मोर्चा जिलाध्यक्ष राम खिलाड़ी मीणा, पूर्व मंडल अध्यक्ष पोखरमल सैनी, पूर्व मंडल अध्यक्ष लड्डूराम मीणा, जिला परिषद सदस्य श्रीनारायण मीणा, बाबूलाल रामपुरा, रोशन सीरां, मोतीलाल टोडा मीणा सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव 28 को अलवर के दौरे पर रहेंगे

अलवर, (निसं)। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव 28 जून को संसदीय क्षेत्र अलवर के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे सरिस्का टाइगर्स पुनर्स्थापन की 18वीं वर्षगांठ समारोह से लेकर मीणा समाज प्रतिभा सम्मान समारोह और धार्मिक आयोजनों सहित कुल 7 कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम के अनुसार केंद्रीय मंत्री यादव 28 जून को प्रात सबसे पहले 8:30 बजे होटल सरोवर प्रीमियर में आयोजित सरिस्का टाइगर्स पुनर्स्थापन की 18 वीं वर्षगांठ समारोह में शामिल होंगे। दोपहर 3 बजे थाना राजाजी पेट्रोल पंप के सामने राजगढ़ बाइपास काली पहाड़ी राजगढ़ में मीणा समाज प्रतिभा सम्मान समारोह में शिरकत करेंगे। इसके बाद वह सांय 4:30 बजे ग्राम कोहरा मलावाली लक्ष्मणगढ़ में बाबा प्रयागदास जी महाराज के मेले में भाग लेंगे। सांय 5:30 बजे पुरानी सब्जी मंडी लक्ष्मणगढ़ में सार्वजनिक पुस्तकालय कार्यक्रम में शामिल व 6 बजे कठूमर रोड लक्ष्मणगढ़ स्थित चंद्रशेखर पार्क के कार्यक्रम में शामिल होंगे। सांय 7:15 बजे ग्राम सोनागढ़ अहीर रामगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में जाएंगे। रात्रि 8 बजे ग्राम शेरपुर नौगांवा में लालदास जी महाराज मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत कर दिनभर के कार्यक्रम का समापन करेंगे।

किन्नर समाज ने निर्जला एकादशी पर पिलाया मिल्क रोज

नदबई, (निसं)। निर्जला एकादशी पर किन्नर समाज द्वारा आयोजित मिल्क रोज वितरण कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और भक्ति का अनूठा संगम देखा गया। नगर रोड स्थित प्राचीन काशीनाथ बालाजी मंदिर में किन्नर समाज की ओर से भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परि बुआ किन्नर के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में भजन-कीर्तन, पूजा-अर्चना तथा मिल्क रोज एवं फलों के वितरण का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर धर्म लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर परिसर में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर की गई। इसके बाद बालाजी महाराज को भोग अर्पित किया गया और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से पूजा में भाग लिया और भगवान के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

नो दिवसीय महायज्ञ का समापन

निवाई, (निसं)। झिलाय में तेलोलाई बालाजी महाराज के मंदिर परिसर में सराबड्या के संत प्रेमानंद महाराज के सानिध्य में नव कुण्डीय नो दिवसीय महायज्ञ का पूर्णाहुति के साथ समापन हुआ। जिसमें हजारों संत महात्माओं एवं श्रद्धालुओं ने भाग लिया। महायज्ञ को लेकर श्रद्धालुओं द्वारा अखण्ड रामायण के पाठ, श्री मद् भागवत कथा सहित कई धार्मिक अनुष्ठानों को आयोजन किया गया।

मातमी धुनों के बीच शहर में निकले 350 ताजिए, कर्बला में हुए सुपुर्द-ए-खाक

हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाया यौमे आशूरा, राजधानी में 3000 पुलिसकर्मी रहे मुस्तैद

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। इस्लाम धर्म के पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में शुक्रवार को राजधानी जयपुर में योमे आशूरा पूरे अकीदत, गम, अमन और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। शहर भर से करीब 350 छोटे-बड़े ताजियों के जुलूस निकले। जिनमें हजारों अकीदतमंद शामिल हुए। ढोल-ताशों की मातमी धुनों, "या हुसैन", "या हसन" और "या अली" के नारों के बीच निकले जुलूसों ने पूरे शहर को गमगीन माहौल में डुबो दिया। शुक्रवार देर रात सभी ताजियों को रामगढ़ मोड स्थित कर्बला में धार्मिक परंपरा के अनुसार सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

शहर के विभिन्न मोहल्लों से शुक्रवार को दोपहर बाद ताजियों का निकलना शुरू हुआ। सभी ताजिए बड़ी चौपड़ पहुंचे, जहां से हवामहल बाजार, चांदी की टकसाल, सुभाष चौक, जोरावर सिंह गेट और रामगढ़ मोड होते हुए कर्बला रवाना हुए। जुलूस के साथ विभिन्न अंजुमनों ने नौहाख्वानी और मातम किया। कई स्थानों पर युवाओं ने हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में छुरियों से मातम कर अपनी अकीदत का इजहार किया, वहीं पट्टेबाजों ने तलवार, बरछी और मुगदर से हैरतअंगेज करतब दिखाकर शहीदाने कर्बला को सलामी दी। वहीं जिन-जिन मार्गों से ताजिए गुजरे, वहां बड़ी संख्या में लोग दर्शन के लिए उमड़ पड़े। शहर के विभिन्न हिस्सों में लोगों ने श्रद्धा और सम्मान के साथ ताजियों का स्वागत किया।

हिंदू संगठनों ने फूल बरसाकर किया स्वागत

हिजरी कैलेंडर के अनुसार जुम्मे के दिन हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए सलाम पढ़ा गया और अहलेबैत की मोहब्बत का जिक्र किया गया। अकीदतमंदों ने रोजे खोले। शहर के कई स्थानों पर हिंदू संगठनों ने ताजियों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। पूरे आयोजन के दौरान साम्प्रदायिक सौहार्द और भाईचारे की मिसाल देखने को मिली।

इन ताजियों ने खींचा लोगों का ध्यान चीनी की बुर्ज, बाबू का टीबा, पचरंग पट्टी ईदगाह, हसनपुरा, मोहल्ला मावतान, गुलजार मस्जिद, चांदपोल का तवायफों का ताजिया, मौला कुरेशियों का ताजिया, फत्तेगरान, नीलगरान, नालबंदान, हांडीपुरा, सिरकीगरों का ताजिया, बड़ वालों की मस्जिद का ताजिया, जालुपुरा, रेहमानियों का ताजिया, कुर्मान याजदानी चौक, मछली वाला ताजिया, लुहारों का खुर्रा पहलवानों का ताजिया और उमरान मछली वाला ताजिया विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इसके अलावा जयपुर के शाही परिवार के सोने और चांदी का ताजिया भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे।

ताजिया निर्माता सलीम ने बताया कि एक ताजिया तैयार करने में डेढ़ से दो लाख रुपए तक खर्च आता है और इसे बनाने में करीब दो माह का समय लगता है। उनका कहना है कि जयपुर के ताजिए देशभर में प्रसिद्ध हैं और अकीदतमंद इन्हें अपनी मन्नतों से जोडकर देखते हैं।

रातभर चली मजलिसें, नौहाख्वानी से गूंजा शहर

योमे आशूरा से एक दिन पहले कत्ल की रात पर गुरुवार देर रात तक शहर भर के इमामबाड़ों और धार्मिक स्थलों पर मजलिसों का आयोजन हुआ। नौहाख्वानी के माध्यम से शहीद-ए-कर्बला को खिराज-ए-अकीदत पेश की गई। "इमाम हुसैन जिंदाबाद" के नारों से पूरा माहौल गूंज उठा। इसके बाद ताजिए अपने-अपने मुकाम से बड़ी चौपड की ओर रवाना हुए।

3000 पुलिसकर्मी तैनात, ड्रोन से हुई निगरानी

मुहर्रम के आयोजनों को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस और जिला प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की। पूरे शहर में करीब तीन हजार पुलिसकर्मियों और अधिकारियों को तैनात किया गया। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल के साथ सादा वर्दी में इंटेलिजेंस कर्मी भी लगाए गए। क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) और इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (ईआरटी) को भी सक्रिय रखा गया। इसके अलावा अभय कमांड सेंटर, शहरभर में लगे सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन कैमरों के जरिए पूरे आयोजन की निगरानी की गई। पुलिस की साइबर सेल सोशल मीडिया पर लगातार नजर रखती रही।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून-व्यवस्था) राजीव पचार ने बताया कि सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। वहीं डीसीपी नॉर्थ करण शर्मा ने संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल कंट्रोल रूम और फील्ड स्तर से लगातार मॉनिटरिंग करते रहे।

ट्रैफिक डायवर्जन और पार्किंग पर प्रतिबंध

यातायात पुलिस उपायुक्त योगेश गोयल ने बताया कि जुलूस के मद्देनजर परकोटा क्षेत्र में व्यापक ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया गया। संजय सर्किल, अजमेरी गेट, न्यू गेट, सांगानेरी गेट, घाट गेट, गलता गेट और रामगढ़ मोड से परकोटे में वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहा। वीकेआई रोड नंबर-14, कालवाड़ पुलिया, सिरसी पुलिया, 200 फीट अजमेर रोड, न्यू सांगानेर मोड़, गोपालपुरा मोड़, ट्रांसपोर्ट नगर, धोबीघाट, गलता गेट और आमेर तिराहा सहित प्रमुख मार्गों से भारी वाहनों के प्रवेश पर भी रोक लगाई गई।

चौड़ा रास्ता, बड़ी चौपड़, बापू बाजार, जौहरी बाजार, हवामहल बाजार, सुभाष चौक, रामगंज बाजार, घाट गेट बाजार, चांदपोल बाजार, छोटी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, गणगौरी बाजार, इंदिरा बाजार, किशनपोल बाजार, एमआई रोड और एमडी रोड सहित कई प्रमुख बाजारों में पार्किंग पूरी तरह प्रतिबंधित रही। वहीं प्रशासन ने केवल लाइसेंसधारी ताजियों को ही जुलूस निकालने की अनुमति दी। सुरक्षा कारणों से 17 ताजियों के लाइसेंस निरस्त किए गए थे। जुलूस मार्ग पर बिजली, पेयजल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी पहले से सुनिश्चित की गई थीं।

जगह-जगह लगी छबील, पिलाया गया शर्बत- गंगा-जमुनी तहजीब के बीच जुलूस मार्ग पर जगह-जगह सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवकों एवं स्थानीय लोगों की ओर से पानी और दूध की छबीलें लगाई गईं। तपिश और उमस के बीच जुलूस में शामिल अकीदतमंदों और आम राहगीरों को ठंडा शर्बत व पानी पिलाकर पुण्य कमाया गया।

जंजीरी मातम से किया शहादत को याद

ताजियों के भ्रमण के दौरान शिया समुदाय के युवकों ने अपनी पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए छुरियों और कमा का (जंजीरी) मातम किया। युवकों ने स्वयं को लहूलुहान कर कर्बला की दर्दनाक घटना और इमाम हुसैन व उनके परिवार पर आए मसायब (मुसीबतों) को याद किया।विभिन्न स्थानों पर मजलिसों का आयोजन भी हुआ, जिनमें उलेमाओं ने इमाम हुसैन की शहादत और उनके हक-ईसाफ के संदेश पर प्रकाश डाला।

इस्लाम धर्म के पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में शुक्रवार को राजधानी जयपुर में योमे आशूरा पूरे अकीदत, गम, अमन और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस दौरान शहर में ताजियों का जुलूस निकाला गया। फोटो-राष्ट्रदूत

- शहीदे कर्बला की कुलाहे मुबारक की हुई जियारत, जुलूस में हाथों में तिरंगा थामे नजर आए युवा

होटल की आड़ में नशे का नेटवर्क चलाने वाला दबोचा

ए.एन.टी.एफ. ने 25 हजार के इस इनामी ड्रग तस्कर को जोधपुर के नेटड़ा टोल प्लाजा से गिरफ्तार

ए.एन.टी.एफ. ने एक साल से फरार ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया।

जयपुर(कासं)। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत लगातार पांचवें दिन बड़ी सफलता हासिल करते हुए 25 हजार रुपए के इनामी और पिछले एक वर्ष से फरार ड्रग तस्कर सुनील झांझड़ा (26) को जोधपुर के नेटड़ा टोल प्लाजा से गिरफ्तार किया है। आरोपी राज्य के टॉप ड्रग तस्करों में शामिल था। इसके साथ ही एएनटीएफ ने अपने अभियान के दौरान अब तक 69वें इनामी अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

एडीजी एएनटीएफ के निर्देशन तथा आईजी एएनटीएफ विकास कुमार की निगरानी में चलाए जा रहे ऑपरेशन मदशंभूक के तहत यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपी सुनील झांझड़ा निवासी कजनाऊ पालड़ी, थाना खेड़ापा, जिला जोधपुर है। हनुमानगढ़ पुलिस ने उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था।

आईजी एएनटीएफ विकास कुमार ने बताया कि आरोपी ने बीए तक पढ़ाई करने के बाद रोजगार की तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद उसने जोधपुर-नागौर हाईवे पर एक होटल शुरू किया। होटल से अपेक्षित आमदनी नहीं होने पर उसकी मुलाकात पंजाब के एक ट्रक चालक से हुई, जिसने अधिक कमाई के लिए अवैध मादक पदार्थों की तस्करी का रास्ता बताया।

इसके बाद आरोपी ने होटल की आड़ में ट्रक चालकों को मादक पदार्थ बेचने का कारोबार शुरू कर दिया। धीरे-धीरे उसके संपर्क पंजाब के तस्करों से हो गए और उसने राजस्थान से पंजाब तक मादक पदार्थों की सप्लाई का नेटवर्क तैयार कर लिया।

जांच में सामने आया कि आरोपी अपने होटल कर्मचारियों के माध्यम से भी पंजाब तक मादक पदार्थों की खेप पहुंचवाता था। इसी दौरान हनुमानगढ़ पुलिस ने एक खेप पकड़ी, जिसकी जांच में सुनील झांझड़ा का नाम सामने आया। पुलिस जब उसे गिरफ्तार करने होटल पहुंची तो वह फरार हो चुका था और पिछले एक वर्ष से लगातार पुलिस की गिरफ्त से बचता फिर रहा था।

एएनटीएफ को सूचना मिली कि आरोपी गुजरात नंबर की स्कॉर्पियो से अपने परिवार के साथ किसी रिश्तेदार के कार्यक्रम में शामिल होने जोधपुर जा रहा है। सूचना के आधार पर एक टीम ने उसका पीछा किया, जबकि दूसरी टीम ने नेटड़ा टोल प्लाजा पर नाकाबंदी कर दी। जैसे ही आरोपी की गाड़ी टोल प्लाजा पहुंची, दोनों टीमों ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने पहले स्वयं को मामले से अनजान बताते हुए किसी भी मुकदमे की जानकारी होने से इनकार किया, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने एनडीपीएस एक्ट के मामले में पिछले एक वर्ष से फरार होने की बात स्वीकार कर ली। एएनटीएफ अधिकारियों के अनुसार आरोपी से पूछताछ के आधार पर उसके नेटवर्क और अन्य तस्करों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

अदालती आदेश के बाद भी पूर्व की सेवा का लाभ नहीं देने पर अवमानना नोटिस

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद भी कर्मचारी के समायोजन से पूर्व की गई सेवा का लाभ नहीं देने पर जयपुर जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा और कोटपूतली पंचायत समिति के विकास अधिकारी महेंद्र पाल को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश पार्वती देवी की अवमानना याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के पति रविकांत शर्मा को साल 1983 में कोटपूतली नगर पालिका में नाकेदार पद पर नियुक्त किया गया था। वहीं साल 2001 में उन्हें सरप्लस घोषित कर उनका समायोजन ग्राम सेवक के पद पर कर दिया। याचिका में कहा गया कि साल 2015 में याचिकाकर्ता के पति का निधन हो गया। इस पर विभाग ने याचिकाकर्ता को समस्त परिलाभ दिए, लेकिन पति के सेवाकाल की गणना साल 2001 से की गई। जिसे चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। जिस पर अदालत ने गत दिसंबर माह में याचिकाकर्ता के पक्ष में फैसला दिया था। इस पर याचिकाकर्ता ने विभाग के समक्ष अपना अभ्यावेदन पेश कर पूर्व की सेवा की गणना करते हुए समस्त परिलाभ देने को कहा। इस पर कार्रवाई करते हुए विकास अधिकारी ने याचिकाकर्ता को संपूर्ण लाभ देने का मामला बनाकर जयपुर जिला परिषद में भेज दिया, लेकिन जिला परिषद की ओर से उस पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

राज्यपाल ने की गौ-सेवा

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे शुक्रवार को निमेड़ा स्थित श्री श्याम गौशाला पहुंचे। उन्होंने वहां चल रही भागवत कथा सुनी और श्री बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना कर सबके मंगल की कामना की। राज्यपाल ने गौशाला में गायों को चारा खिलाया और वहां उपस्थित भागवत कथा सुनने वालों से संवाद करते हुए भगवान श्री कृष्ण की लीला और भगवद भक्ति की सनातन भारतीय मूल्यों की उदात्त दृष्टि से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने पेड़ भी लगाया और वर्षा के मौसम में अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आह्वान किया।

भामाशाह सम्मान समारोह 29 जून को, 276 दानदाता होंगे सम्मानित

जयपुर। शिक्षा के क्षेत्र में जनसहयोग और सामाजिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 30वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह-2026 का आयोजन 29 जून को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में किया जाएगा। समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षा मंत्री मदन दिलावर करेंगे, जबकि उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 276 से अधिक भामाशाह, प्रेरक एवं एनआरआई दानदाताओं को सम्मानित किया जाएगा। सम्मानित होने वालों में 154 भामाशाह, 99 प्रेरक तथा 23 एनआरआई दानदाता शामिल हैं। इन दानदाताओं ने राजकीय विद्यालयों में भवन निर्माण, अतिरिक्त कक्षों के निर्माण, भूमि उपलब्ध कराने तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शिक्षा विभाग के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान भामाशाहों और दानदाताओं के सहयोग से विभाग को 318 करोड़ रुपये का योगदान प्राप्त हुआ है। इस सहयोग से प्रदेश के अनेक सरकारी विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार हुआ है तथा विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने में मदद मिली है।

जेडीए ने 30 सितंबर तक बनाया बाढ़ नियंत्रण कक्ष

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण ने मानसून के दौरान संभावित जलभराव एवं बाढ़ जैसी परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए बनीपार्क स्थित अग्निशमन केन्द्र परिसर में केन्द्रीकृत बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। यह नियंत्रण कक्ष 30 सितम्बर तक संचालित रहेगा।

जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि बाढ़ नियंत्रण एवं राहत कार्यों के लिए आवश्यक संसाधनों की अग्रिम व्यवस्था की गई है। लेबर आपूर्ति, ट्रैक्टर-ट्रॉली, ट्रैक्टर ब्लेड, डीजल पम्प, मड पम्प, मिट्टी के कट्टे, हाइड्रोलिक पोकलेन, जेसीबी, डम्पर, फ्लड बैरियर तथा पम्प डीजी सेट सहित विभिन्न संसाधन आवश्यकता अनुसार उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्य बाढ़ नियंत्रण कक्ष के संचालन के लिए जेडीए के अधिकारी-कर्मचारियों की 24 घंटे 8-8 घंटे की पारी में ड्यूटी लगाई गई है। नियंत्रण कक्ष में प्रभारी अधिकारी, अधिशाषी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता, कनिष्ठ अभियन्ता, कनिष्ठ सहायक एवं तकनीकी कार्मिक तैनात रहेंगे। आमजन की सुविधा के लिए मुख्य बाढ़ नियंत्रण कक्ष, बाणीपार्क में बाढ़ एवं जलभराव संबंधी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए हैल्पलाइन नम्बर 0141-2570096 एवं 9001288117 भी उपलब्ध कराए गए हैं। मुख्य बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अतिरिक्त शहर के विभिन्न क्षेत्रों में उप बाढ़ नियंत्रण केन्द्र भी स्थापित किए गए हैं, जिनमें विद्याधर नगर सेक्टर-4 स्थित सामुदायिक केन्द्र, ज्योतिबा फुले कॉलेज के निकट लॉस्ट फार्म सामुदायिक केन्द्र, वैशाली नगर, सायपुरा, दांतली, पालड़ी मीणा, मुहाना मंडी तथा हाथोज क्षेत्र शामिल हैं।

द्रव्यवती नदी में बहे 11 वर्षीय बालक का शव बरामद

जयपुर। शिप्रापथ क्षेत्र में द्रव्यवती नदी में बह गए 11 वर्षीय बालक का शव शुक्रवार को सिविल डिफेंस की टीम ने साढे तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बरामद कर लिया। शव घटनास्थल से करीब डेढ किलोमीटर दूर महारानी फार्म के पास मिला। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया और मां का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान मोनू उर्फ मोहित (11) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि गुरुवार को बारिश के दौरान वह खेलते समय रेलिंग पकड़कर खड़ा था। इसी दौरान उसका हाथ रेलिंग से फिसल गया और वह द्रव्यवती नदी में गिरकर तेज बहाव में बह गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम ने तत्काल तलाश अभियान शुरू किया, लेकिन अंधेरा और तेज बहाव के कारण सफलता नहीं मिल सकी। शुक्रवार सुबह दोबारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। करीब साढे तीन घंटे की लगातार मशक्कत के बाद टीम ने नदी से बालक का शव बरामद कर लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए जयपुरिया अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया है। शिप्रापथ थानाधिकारी महेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक का परिवार दो दिन पहले ही जगन्नाथपुरी में किराये के मकान में रहने आया था। इससे पहले परिवार बजाज नगर क्षेत्र में किराए से रह रहा था। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सार-समाचार

निर्जला एकादशी पर किया सेवा कार्य

जयपुर। निर्जला एकादशी पर पिंक क्लब वेलफेयर सोसाइटी और सेव आवर सिटी की तरफ से शक्ति स्तंभ में डॉ. अमला बत्रा के निर्देशन में आम, लस्सी, फ्रूटी, बिस्किट्स, वाटर कैंफर, चम्मचे, कपड़े व जूते वितरित किए गए। डॉ. सुषमा के.के. और अनु सोगानी ने बताया हम इस तरह के कार्यक्रम हर महीने आयोजित करते हैं और कच्ची बस्तियों, गांवों में जाकर उनको जरूरत का सामान उपलब्ध करवाते हैं। इस कार्यक्रम में सुमित्रा, सुषमा गुप्ता, आभा व पूर्णिमा ने भागीदारी निभायी।

लिफ्ट की शाफ्ट में गिरी वृद्धा की मौत

जयपुर। प्रताप नगर क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। बाथरूम जाने के दौरान अंधेरे या भ्रमवश वह बाथरूम का दरवाजा समझकर लिफ्ट का चैनल गेट खोल बैठीं और करीब 20 फीट गहरे लिफ्ट शाफ्ट में गिर गईं। हादसे के बाद उन्हें गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार द्वारिकापुरी-ई निवासी प्रभु देवी (75) गुरुवार रात घर में बाथरूम जाने के लिए निकली थीं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि उन्होंने लिफ्ट के चैनल गेट को बाथरूम का दरवाजा समझकर खोल दिया, जबकि उस समय लिफ्ट वहां मौजूद नहीं थी। इसके चलते वह सीधे करीब 20 फीट गहरे लिफ्ट शाफ्ट में जा गिरीं। हादसे की सूचना कलेक्ट्रेट कंट्रोल रूम को मिली। सूचना पर सिविल डिफेंस की रेस्क्यू टीम तत्काल मौके पर पहुंची। शाफ्ट में करीब 10 फीट पानी भरा हुआ था, जिससे बचाव कार्य चुनौतीपूर्ण हो गया। टीम ने करीब 15 मिनट की मशक्कत के बाद बुजुर्ग को बाहर निकालकर एंबुलेंस से आरयूएचएस अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उन्होंने दम तोड दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

सृजन फाउंडेशन ने 150 पौधे लगाए

जयपुर। सृजन फाउंडेशन ने "सनराइज वेस्ट वे हाइट्स" परिसर में वृक्षारोपण एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में लगभग 150 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण एवं पौधों की देखभाल के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राखी राठौड़ रहीं। कार्यक्रम में सोसायटी के पदाधिकारियों, निवासियों, युवाओं, महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष केवल प्रकृति की सुंदरता ही नहीं बढ़ाते, बल्कि स्वच्छ वायु, जल संरक्षण एवं स्वस्थ जीवन के लिए भी अत्यंत आवश्यक हैं। डॉ. राखी राठौड़ ने कहा कि कोई भी योगदान छोटा या बड़ा नहीं होता। "कई बार हमें लगता है कि एक पेड़ लगाने से क्या फर्क पड़ेगा। लेकिन मेरा मानना है कि हर छोटा योगदान भी बदलाव लाता है। रामायण में भी एक छोटी गिलहरी के योगदान को स्वीकार किया गया था। इसलिए गिलहरी की तरह हम भी पर्यावरण बचाने में अपना योगदान दे सकते हैं। सृजन फाउंडेशन की सचिव उर्वशी देव रावल ने लोगों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और स्वामित्व की भावना विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। सृजन फाउंडेशन की संस्थापक एवं अध्यक्ष इंदु तोमर ने अपने क्षेत्र के पार्क के विकास के लिए स्थानीय निवासियों के प्रयासों की सराहना की।

"कल्याण मटका" के नाम पर ऑनलाइन ठगने वाले दो गिरफ्तार

आरोपी अजय और विवेक

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले की जोबनेर थाना पुलिस और जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने साइबर अपराध के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई करते हुए कल्याण मटका ऑनलाइन गेम के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले अंतरराज्यीय साइबर गिरोह के दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक स्कॉर्पियो, लैपटॉप और चार महंगे मोबाइल जब्त किए हैं। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ करने में जुटी है।

जयपुर ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि जोबनेर थाना पुलिस और डीएसटी ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कल्याण मटका ऑनलाइन गेम के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले अंतरराज्यीय साइबर गिरोह के शातिर ठग अजय कुमार (23) निवासी फुलेरा जिला जयपुर ग्रामीण और विवेक चौधरी (25) निवासी जोबनेर को गिरफ्तार किया है।

- फेसबुक विज्ञापन और व्हाट्सएप के जरिए लगाते थे चूना
- बदमाशों के कब्जे से स्कॉर्पियो, लैपटॉप व चार मोबाइल जब्त

पुलिस जांच में सामने आया कि अजय फेसबुक मेटा पर कल्याण मटका ऑनलाइन गेम के फर्जी विज्ञापन चलाकर लोगों को फंसाता था, जबकि विवेक व्हाट्सएप पर फोन-पे का क्यूआर कोड अथवा बैंक खाते का स्क्रीनशॉट भेजकर उनसे पैसे मंगवाता था।

पुलिस ने जब आरोपियों के लैपटॉप और मोबाइल फोन की जांच की तो उनमें कल्याण मटका से संबंधित फेसबुक आईडी खुली मिली। व्हाट्सएप चैट में विभिन्न मोबाइल नंबरों के जरिए गेम खिलाने और रकम ट्रांसफर कराने के साक्ष्य भी मिले। आरोपी लोगों से पैसे जमा करवाने के बाद जीतने पर राशि वापस नहीं लौटाते थे और अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर इस ठगी को अंजाम देते थे।

इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक एचपी कंपनी का लैपटॉप, दो आईफोन 17 प्रो, एक वीवो वी-29 मोबाइल, एक रियलमी मोबाइल तथा अपराध में प्रयुक्त महिंद्रा स्कॉर्पियो जब्त की।

पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों, बैंक खातों और ठगी के नेटवर्क के संबंध में पूछताछ जारी है। यह कार्रवाई जोबनेर थानाधिकारी हनुमान सहाय और डीएसटी प्रभारी उपनिरीक्षक सुहेल खान के नेतृत्व में की गई। टीम में उपनिरीक्षक मदन लाल, हैड कांस्टेबल छीतर मल, राजपाल, कांस्टेबल रामस्वरूप, राहुल, झाबर मल और राजू ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गौरतलब है कि पुलिस को सूचना मिली कि जोबनेर बाईपास स्थित गोपाल टी स्टॉल के पास खड़ी एक काले रंग की महिंद्रा स्कॉर्पियो में बैठे कुछ लोग साइबर ठगी कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने दबिश देकर दो युवकों को गिरफ्तार किया था।

National Bingo Day

National Bingo Day celebrates the popular game of bingo, which brings people together for fun, excitement, and friendly competition. Observed every year on June 27, the day highlights the social value of bingo in communities, schools, clubs, and charity events. People of all ages enjoy the game because it is easy to play and creates a joyful atmosphere. National Bingo Day also recognizes how bingo has been used to support fundraising activities and strengthen social connections. Families and friends often gather to play, share laughter, and win prizes. The celebration reminds everyone that simple games can create happiness, teamwork, and memorable moments for all.

#ARCHAEOLOGY

The Tragic Tale at Pichola Lake, Udaipur

As Galki Bai confidently began her crossing, the Maharaja and other ministers thought that she would win...

The historic city of Udaipur, nestled in the heart of Rajasthan, is renowned for its majestic palaces, serene lakes, and rich cultural heritage. One of its lesser-known but deeply significant landmarks is Natani Ka Chabutara (the platform of the Natani), located near Pichola Lake. This site holds a poignant story from the 14th century, encapsulating the courage, loyalty, and tragic fate of a woman named Galki Bai, a member of the Nat community, which left a lasting impression on the royal history of Mewar.

Who Were the Nat Community?

The Nat community, also known as Nats or Natwarias, was historically involved in performing arts and entertainment. They were known for their acrobatic skills, performing dances, songs, and feats that showcased their physical agility. Over time, however, they also became skilled in various labour-intensive crafts, especially bamboo weaving and woodwork, making significant contributions to the local economy and culture.

In the 14th century, under the reign of the Mewar kings, the Nat community was a valued part of the kingdom. They were not only admired for their artistic abilities but also for their role in the development of the region's cultural and architectural landscape.

The Challenge by the Maharaja

The story behind Natani Ka Chabutara revolves around a dramatic challenge proposed by the Maharaja of Mewar. Legend has it that the Maharaja, intrigued by the Nat community's prowess and the strength of their bamboo craftsmanship, issued a seemingly impossible challenge to the members of the community in the early 1400s.

The Maharaja announced that if any Nat could prove the strength and durability of the bamboo used by the community, he would reward them with half of the Mewar state. This was a monumental offer, as it not only promised wealth and land but would grant significant political power.

The Maharaja's challenge was set in motion when the Nat community, particularly one of its members, Galki Bai, decided to take it up. Known for her exceptional agility, intellect, and courage, Galki Bai took the Maharaja's offer to heart. She agreed to perform an extraordinary feat to prove the strength of the bamboo.

The Test of Strength

The challenge involved a dramatic demonstration of the strength of bamboo. The Nat community would lay down a long stretch of bamboo from the side of Pichola Lake to its center, a distance that would test the limits of both the bamboo's durability and the acrobat's skill. The Maharaja watched as Galki Bai, with her unmatched acrobatic abilities, was tasked with crossing the bamboo bridge that stretched across the lake. The test was designed to push her to the very limits, to show not only the strength of the bamboo but also the courage and resilience of the community.

As Galki Bai confidently began her crossing, the Maharaja and other ministers thought that she would win. In an attempt to not let her win, the men of the king cut the ropes that held the bamboo in place.

The Tragic End: Galki Bai's Death

With a single stroke, the rope was cut, and the bamboo bridge collapsed, sending Galki Bai plunging into the lake's waters. The shock of her fall and the subsequent drowning proved fatal. Galki Bai's death was tragic and the king regretted that. He deeply lamented the loss of a woman who had been not only a remarkable acrobat and craftsman but also a symbol of strength, resolve, and loyalty.

The Legacy of Galki Bai

After Galki Bai's tragic death, the site where she fell was marked, and it became known as *Natani Ka Chabutara* (the Platform of the Natani) in her honour. The area near Pichola Lake became a memorial, not only for Galki Bai but for the Nat community and their indomitable spirit.

PART:3

To Be Responsible

Shivaiyya was a realist (or was he acting on Uncle Rama's secret orders, to this day, I have no idea). He said to me, "Dora, let us sleep in my village and go out with the dogs before the sun rises. We will get the stag then. Trying to find him in the night without dogs to follow the scent is impossible. Getting the dogs to go into the forest in the night is impossible. What do you say?"

Mirza Yawar Baig
Naturalist and Wildlife Conservationist

I don't think the alternative even occurred to me. He was my mentor, I loved him very much and he loved me like his son. So, if he told me to do something, I did it, no question about it. I washed up. Kishta put the food on the table. Shivaiyya went to the back of the house to eat in the kitchen. When we had both eaten, I picked up the 8mm carbine. Uncle Rama said to me, "Don't take that. Take the 12-bore shotgun. And take these (he gave me 4 buckshot cartridges). In the night, you will only get to shoot at close range. No time to fool around with a rifle. Use this. At close range, it will stop an elephant." There was so much love (tough love alright) but love in this action of making me go into a dangerous environment but ensuring that I had everything I needed to be safe and survive.

The fact that he even ordered me to go was a credit to me, that he trusted in my ability to take care of myself and treated me like a responsible adult and not just an irresponsible teenager.

Talk about mentoring? Here is mentoring for you. Teach, equip and trust. To trust means to give responsibility. Which was more 'dangerous?' Me, taking care of myself or

> I learnt early in life, never to argue with elders who have more experience. So, I agreed. We walked the half mile to his village. His village was a haphazard collection of mud huts with untidy grass thatch roofs. The hut had one door and no windows, and the women usually cooked inside the hut. The fuel was dried cow-dung cakes. In the night, the hut was not only home to the family but to two dogs, one goat and a young calf that was too young to be left outside with the other cattle.

Uncle Rama having to explain to my parents that he had sent me out in the forest in the night and that is why I had been eaten by a tiger or bitten by a cobra? He knew that, yet, he took a risk because he trusted me and needed to teach me a lesson that a gun was not a toy. Hunting was not about having fun killing animals. It was about behaving responsibly, taking ownership for your actions and accepting accountability, which means that if you make a mistake, you pay for it.

Shivaiyya and I left. There was a full moon, so, the forest was a landscape of light and shadows. We came out of the riverbed and climbed the far bank and took the path leading to Shivaiyya's village. Shivaiyya was a realist (or was he acting on Uncle Rama's secret orders, to this day, I have no idea). He said to me, "Dora, let us sleep in my village and go out with the dogs in the morning before the sun rises.

#RAISING SONS

We will get the stag then. Trying to find him in the night without dogs to follow the scent is impossible. Getting the dogs to go into the forest in the night is impossible. What do you say?"

The Village

I learnt early in life, never to argue with elders who have more experience. So, I agreed. We walked the half mile to his village. His village was a haphazard collection of mud huts with untidy grass thatch roofs. The hut had one door and no windows, and the women usually cooked inside the hut. The fuel was dried cow-dung cakes. In the night, the hut was not only home to the family but to two dogs, one goat and a young calf that was too young to be left outside with the other cattle.

It was into this hut that Shivaiyya, very kindly, invited me to sleep. I politely declined and asked him to put the rope cot that he offered me, outside the hut and said that I preferred to sleep in the open. He was not happy with that, as the forest was home to tigers, leopards and bears. But I was happier taking my chances with them than with sleeping inside the hut with its smoke and multiple smells. I lay on the rope net, kept my shotgun handy and lay on my back looking at the

sky. By this time, the moon had set, and the stars were out in their splendour. You must lie on your back in a forest without any ambient light and look up at the sky to understand the true magnificence of the night sky. As I lay there, I thought to myself that I was probably seeing things that didn't exist. I mean, that the star that I may be looking at, could have 'died' millions of years ago, but I was 'seeing' it because its light reached me only now. Quite a sobering thought, if you ask me.

Long before the sun showed itself, Shivaiyya came out of his hut with sweet, milky tea, which we both drank in silent companionship. When we had finished and the light was stronger, he whistled to his dogs, and we set off to find the Chital. These are the famous Indian 'pie' dogs. Small curs, with a very highly developed sense of smell, and a lot of wisdom living in the jungle where they are the favourite food of leopards. So, only the clever ones live. We took the dogs to where I'd first shot at the Chital, and they tracked it into a ravine where he had fallen and died the previous night. Not too far from where we had been looking for him, but not having the dog's sense of smell, we had no chance of finding him in the dark. As I had thought, my shot went straight through his lungs and out of the back. As it did not break any major bone, the animal ran away and there was also not much of a blood trail. It died eventually, but after

> That is where external role models, teachers, mentors, uncles, coaches, make a huge difference. One because parents can't provide all the attention and inspiration which children need. Second because children see external role models differently from parents and see their good side and are usually more forgiving about their weaknesses. That is why it is important to have such people in your life and ensure that your children are exposed to them regularly and often.

running almost 200 yards and falling into the small ravine. Such were my lessons in responsibility learned. Lessons about being responsible for my actions; for the consequences of my actions and of being ready to pay the price thereof. Much that I am grateful to Uncle Rama and Shivaiyya for. This is what I mean by strong male role models. What remains most vivid in my memory is the way in which Uncle Rama taught me, even the painful lessons. Firm, but full of love and respect. That is how you set boundaries for boys, which give them a sense of responsibility and teach them the primary lesson of good citizenship, that you live in this world, not for yourself alone. That you owe it to others to take care of commons, and of each other, especially if you have been blessed with more than others.

That is where external role models, teachers, mentors, uncles, coaches, make a huge difference. One because parents can't provide all the attention and inspiration which children need. Second because children see external role models differently from parents and see their good side and are usually more forgiving about their weaknesses. That is why it is important to have such people in your life and ensure that your children are exposed to them regularly and often.

My parents allowed me to go off to Sethpally every summer and winter. They never stopped me. I used to take a bus from Hyderabad, change at two places and walk the last 2-3 miles through fields and forest. Gone without trace until I returned because there was no way to inform them that I had even arrived. But they took that chance because they realized that the learning and opportunity to develop my leadership skills that I was getting, they couldn't give me. Nobody ever said any of this out loud but now with four decades of hindsight, I can see how it all worked out. That is why they say that it takes a whole village to raise a child. Sometimes, that village is dispersed all over the country.

Society, especially parents, owes a debt of gratitude to those in society, who take the time, trouble, thought, expense and emotion to invest in children who neither belong to them, nor can they be expected to do any good for them in the future. But the broad backs of such men carry the weight of the legacy that another generation is taught what it means to be real men.

Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com

#L'INCONNUE DE LA SEINE

The Mona Lisa and Michael Jackson

...A death mask admired across Europe… from a CPR mannequin used to teach life-saving skills, to a lyric sung by one of the world's biggest pop stars

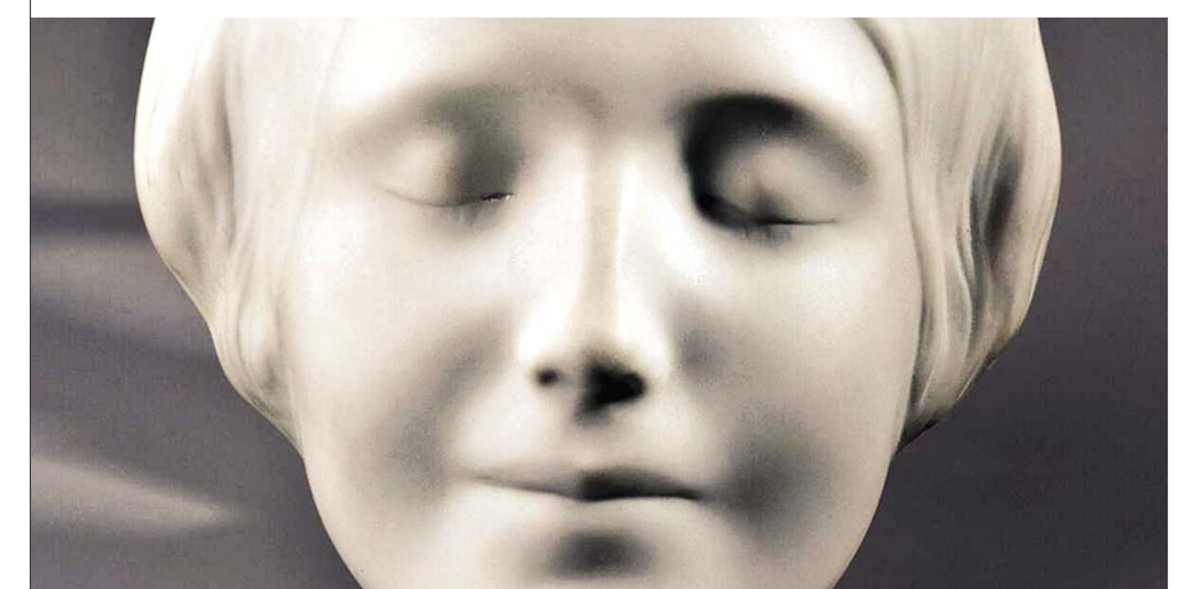

In the late 19th century, a young woman's body was pulled from the River Seine in Paris. She had drowned, and no one ever discovered her identity. There were no signs of violence, no clues to her story, only a serene, almost haunting expression on her face. Captivated by her calm beauty, a pathologist created a plaster death mask of her face.

That mask would take on a life of its own.

Copies began circulating across Europe, adorning artists' studios, writers' desks, and bourgeois homes. The girl became known as L'Inconnue de la Seine, the Unknown Woman of the Seine. Her faint, enigmatic smile drew comparisons to the Mona Lisa, earning her the nickname "the drowned Mona Lisa." Philosophers and writers, including Albert Camus, were struck by the paradox of her peaceful expression in death. She became a quiet cultural icon, her identity lost but her image immortal.

Decades later, in the 1950s, a Norwegian toymaker named Åsmund Laerdal faced a very different challenge. He had been tasked with helping develop a

realistic training model for cardiopulmonary resuscitation (CPR), a life-saving technique that was just beginning to gain global importance. Practicing CPR on real people was obviously dangerous, so, a mannequin was needed, one that felt human enough to teach properly, yet neutral enough not to represent a specific individual.

Laerdal struggled with one key question: what should the face look like?

It needed to be calm, approachable, and reassuring, not clinical or unsettling. One day, he encountered a reproduction of the death mask of the Unknown Woman of the Seine. Her expression, serene, almost gently smiling, was exactly what he had been searching for. In that moment, he found the face for his creation.

The mannequin was named Resusci Anne.

Millions of these CPR training mannequins were produced and distributed worldwide. Generations of people, doctors, nurses, students, and ordinary citizens, learned how to save lives by practicing on her. Ironically, the face of a woman who could not be saved in life became the face that would help save countless others.

Then, in the 1980s, the story took another unexpected turn.

Michael Jackson, preparing for performances and committed to understanding emergency response techniques, learned CPR using a Resusci Anne mannequin. As part of the training, practitioners are taught to check responsiveness by asking a simple question: "Are you okay?"

That phrase stayed with him.

It later became immortalized in one of the most iconic lines from his song Smooth Criminal: "Annie, are you okay?"

And so, the journey comes full circle.

From an unidentified girl pulled from the Seine, to a death mask admired across Europe… from a CPR mannequin used to teach life-saving skills, to a lyric sung by one of the world's biggest pop stars, the thread is as unlikely as it is poetic.

Like the Mona Lisa, the Unknown Woman's expression continues to captivate: timeless, mysterious, and open to interpretation. But unlike Leonardo da Vinci's masterpiece, her legacy is not confined to a museum wall. It lives in classrooms, hospitals, and training centers, and even in the rhythm of a pop song. A silent face from the past, still echoing through modern life.

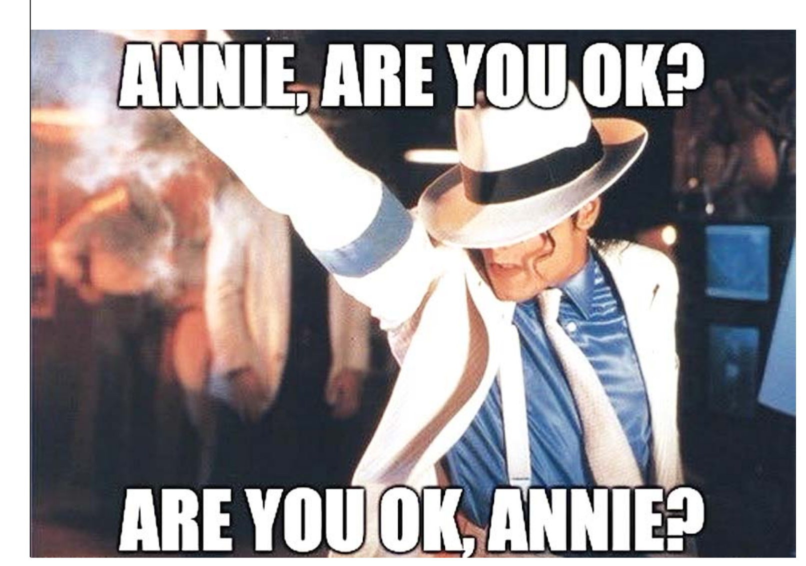

THE WALL

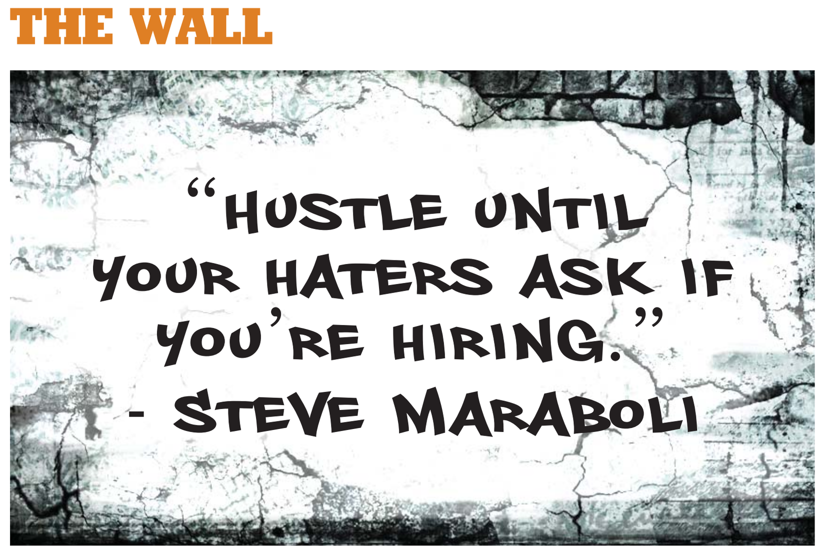

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

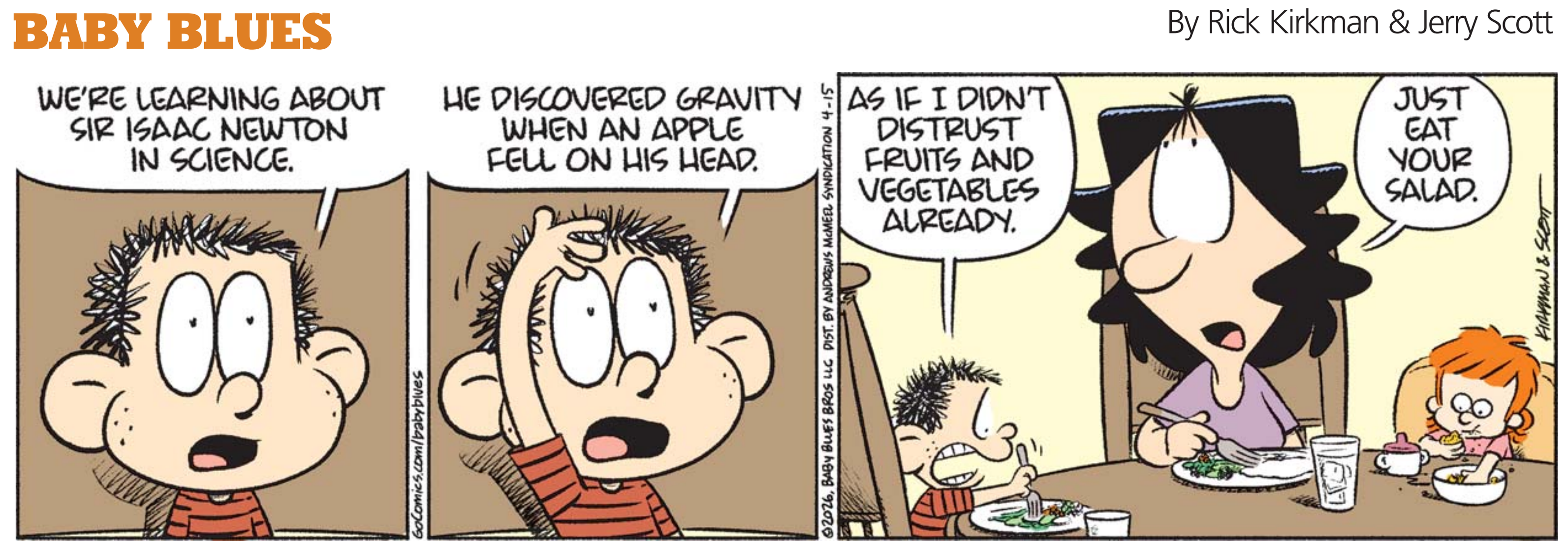

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

222 किलो डोडा पोस्त सहित नशा कारोबारी गिरफ्तार

अमरपुरा में छापेमारी कर 222.48 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त छिलका बरामद किया।

जयपुर, (निसं)। जयपुर ग्रामीण जिले के सामोद थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए ग्राम अमरपुरा में छापेमारी कर 222.48 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त छिलका बरामद कर एक नशा कारोबारी को गिरफ्तार किया गया। फिलहाल आरोपित तस्कर से पूछताछ की जा रही है। जयपुर ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद (आईपीएस) ने बताया कि सामोद थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए सुरेश कुमार (37) निवासी अमरपुरा को धर-दबोचा है। पुलिस ने तलाशी के दौरान मकान के पीछे बने कमरे से 13 प्लास्टिक के कट्टों में भरा 222 किलो 48 ग्राम (222.48 किलोग्राम) डोडा पोस्त छिलका बरामद हुआ। मौके से मादक पदार्थ की तौल में प्रयुक्त एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा भी जब्त किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी डोडा पोस्त रखने संबंधी कोई वैध लाइसेंस या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस अब आरोपी से डोडा पोस्त की खरीद-फरोख्त के नेटवर्क और अन्य तस्करों के संबंध में पूछताछ कर रही है। इस अभियान में थानाधिकारी हेमराज सिंह, हैड कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार और सुभाषचन्द्र, कांस्टेबल बाबूलाल, रामनारायण, मोहन सिंह तथा महिला कांस्टेबल मोनिका कुमारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एक्सपीओ निवेश घोटाले के पीड़ितों का कलेक्ट्रेट पर धरना

झुंझुनूं। राजस्थान के चर्चित एक्सपीओ निवेश घोटाले के पीडितों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर झुंझुनूं जिला कलेक्ट्रेट पर धरना दिया।

पीडितों ने सरकार और जांच एजेंसियों से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उनकी संपत्तियां जब्त कर निवेशकों की मूल राशि लौटाने की मांग की। इससे पहले भी पीड़ित जोधपुर में धरना-प्रदर्शन कर चुके हैं। धरने में शामिल पीड़िता शीला तिवाड़ी ने बताया कि एक्सपीओ घोटाले में देशभर के लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि पहले जोधपुर में धरना दिया गया था और अब झुंझुनूं में प्रदर्शन कर सरकार का ध्यान पीड़ितों की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया गया है।

पीड़ितों का कहना है कि इस मामले में पांच प्रमुख प्रमोटरों में चार झुंझुनूं जिले के अलग-अलग इलाकों से है। विजय मौर्य, ईश्वर वर्मा, सुरेंद्र बरवड़ और सुरेंद्र सैनी झुंझुनूं जिले के है। वहीं रजत शर्मा जयपुर से है। सभी पर इनाम घोषित किया जा चुका है। उनका आरोप है कि ये सभी फिलहाल दुबई में छिपे हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि इन आरोपियों को दुबई से भारत लाकर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा उनकी संपत्तियां बेचकर निवेशकों को उनकी मूल राशि वापस दिलाई जाए। धरने के दौरान झुंझुनूं के रईस अब्बासी, मयूर अब्बासी, वसीम अब्बासी और शाहरूख अब्बासी के फोटो भी लगाए गए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है।

अवैध शराब की दुकान पर युवक की संदिग्ध मौत से बवाल

- पुलिस की समझाइश के बाद माने ग्रामीण
- दुकान का ताला तोड़कर पुलिस ने की जांच, आरोपी फरार, रविवार को मेडिकल बोर्ड से होगा पोस्टमार्टम

सूरजगढ़। थाना क्षेत्र के उरीका गांव में संचालित एक अवैध शराब की दुकान पर युवक की संदिग्ध मौत के बाद शुक्रवार को पूरे इलाके में तनाव का माहौल बन गया। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने उरीका से हरियाणा के सतनाली जाने वाले मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया और आरोपियों की गिरफ्तारी सहित विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। करीब पांच घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद सूरजगढ़ थाना प्रभारी रणजीत सेवदा की समझाइश पर परिजन और ग्रामीण राजी हुए। इसके बाद शव को मोर्चरी में रखवाया गया। अब रविवार सुबह मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया जाएगा। मृतक की पहचान संजय सिंह नायक के रूप में हुई है।

मृतक के भाई संदीप ने बताया कि शुक्रवार दोपहर गांव में संचालित अवैध शराब की दुकान के संचालक ने संजय को मजदूरी के लिए बुलाया था। कुछ समय बाद सूचना मिली कि संजय शराब की दुकान के पास मृत अवस्था में पडा हुआ है। परिजनों का आरोप है कि मजदूरी के पैसों के लेन-देन को लेकर पहले दुकान संचालक ने संजय के साथ मारपीट की। इसके बाद कथित रूप से उसे हरियाणा से लाई गई जहरीली शराब पिलाई गई, जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि, मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। घटना के बाद अवैध शराब की दुकान बंद मिली और आरोपी मौके से फरार हो गए।

सूचना मिलने पर सूरजगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बंद दुकान का ताला तोडकर अंदर जांच की। पुलिस ने दुकान से आवश्यक साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई की और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी। घटना से नाराज ग्रामीणों का कहना है कि गांव में लंबे समय से तीन अवैध शराब की दुकानें संचालित हो रही हैं। कई बार शिकायतें करने के बावजूद इनके खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन की इसी लापरवाही का परिणाम आज एक युवक की मौत के रूप में सामने आया है। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, गांव में संचालित सभी अवैध शराब की दुकानों को बंद कराने, मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता देने तथा मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी देने की मांग को लेकर शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया। उरीका से हरियाणा के सतनाली जाने वाला मार्ग पूरी तरह जाम हो गया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

मौके पर सूरजगढ थाना प्रभारी रणजीत सेवदा पुलिस जाब्ते के साथ लगातार ग्रामीणों और परिजनों से वार्ता करते रहे। करीब पांच घंटे तक चली समझाइश के बाद सीआई सेवदा ने मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने तथा पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से हरसंभव सहायता दिलाने का आश्वासन दिया।

इसके बाद परिजन और ग्रामीण प्रदर्शन समाप्त करने पर सहमत हो गए। समझौते के बाद पुलिस ने शव को सड़क से हटवाकर मोर्चरी में रखवाया। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह मेडिकल बोर्ड की निगरानी में पोस्टमार्टम कराया जाएगा, जिसके बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। फिलहाल पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है और मौत के कारणों सहित पूरे मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

एशियन पेंट्स के ऐप में सेंध लगाकर 1.72 करोड़ की ठगी, दो और आरोपी दबोचे

- साइबर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लालसोट निवासी रिंकु कुमार सैनी, राहुल कुमार सैनी को गिरफ्तार किया

लालसोट, (निसं)। साइबर थाना पुलिस ने एशियन पेंट्स के मास्टरस्ट्रोक्स रिवॉर्ड ऐप में तकनीकी सेंध लगाकर 1.72 करोड़ रुपए की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक चार आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं, जबकि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित के निर्देशन में साइबर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लालसोट निवासी रिकु कुमार सैनी (20) और राहुल कुमार सैनी (26) को गिरफ्तार किया। इससे पहले इसी मामले में अनिल कुमार सैनी और विष्णु कुमार सैनी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है।

पुलिस के अनुसार एशियन पेंट्स लिमिटेड के एसोसिएट जनरल मैनेजर ने 11 अगस्त 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि कंपनी के मास्टरस्ट्रोक्स रिवॉर्ड प्रोग्राम में तकनीकी छेड़छाड़ कर फर्जी क्यूआर कोड तैयार किए गए। आरोपियों ने बिना वास्तविक खरीद के क्यूआर कोड का अनुमान लगाकर रिवॉर्ड प्वाइंट हासिल किए और कंपनी को 1 करोड़ 72 लाख 86 हजार 297 रुपए का नुकसान पहुंचाया। मामले की जांच के दौरान साइबर थाना पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण कर आरोपियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है तथा जल्द ही और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

मोहर्रम का जुलूस निकला

भीलवाडा। हजरत इमाम हुसैन और करबला के शहीदों की याद में शुक्रवार को शहर सहित जिले भर में मोहर्रम का पर्व पूरी अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया।

इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से पारंपरिक ताजिए और मोहर्रम का जुलूस निकाला गया, जो देर रात बडला चौराहा स्थित करबला पहुंचा, जहां अकीदतमंदों की मौजूदगी में ताजियों को शहराब किया गया। इससे पूर्व गुरुवार को जिले भर में कत्ल की रात अकीदत के साथ मनाई गई थी। शहर की विभिन्न मस्जिदों और अखाड़ों के मोहर्रम सुबह करीब 10 बजे अपने-अपने मुकाम से मजहबी रस्मों के साथ रवाना हुए।

सत्ताईस जून को भीलवाड़ा में गूंजेगी छात्रों की गूंज

छात्रों के भविष्य को बचाने के लिए कांग्रेस का अनूठा मंच

कांग्रेस देहात जिलाध्यक्ष रामलाल जाट ने भीलवाड़ा में प्रेस वार्ता का आयोजन किया।

भीलवाड़ा। देशभर में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही धांधली, पेपर लीक और अनियमितताओं को लेकर युवाओं में भारी आक्रोश है। इसी कड़ी में छात्रों के भविष्य को सुरक्षित करने और उनकी आवाज़ को एक मजबूत मंच देने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी ने एक विशेष पहल की है। कांग्रेस द्वारा भीलवाड़ा में छात्रों की गूंज नामक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

कांग्रेस देहात जिलाध्यक्ष रामलाल जाट ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला कांठोस कमेटी छात्रों को अपनी बात बेबाकी से रखने के लिए एक खुला मंच उपलब्ध करा रही है। यह कार्यक्रम 27 जून को शाम 6:00 बजे से रात 9:00 बजे तक भीलवाड़ा स्थित सिटी कंट्रोल रूम के पास, बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के निकट आयोजित किया जाएगा। कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी लगातार छात्रों से संवाद कर रहे हैं। इस मंच के माध्यम से भीलवाड़ा और आसपास के क्षेत्रों के बच्चों से जो भी राय और सुझाव मिलेंगे, उन्हें संकलित कर राहुल गांधी के माध्यम से संसद (लोकसभा) में पुरजोर तरीके से उठाया जाएगा। नेताओं ने वर्तमान परीक्षा प्रणाली पर कडा प्रहार करते हुए कहा, आज हालात बेहद चिंताजनक हैं। हजारों बच्चों में से किसी एक को नौकरी मिल पा रही है, और वह भी धांधली व फर्जीवाड़े की भेंट चढ़ रही है। वर्तमान में जो भी परीक्षा हो रही है, हर परीक्षा पर संदेह के बादल मंडरा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि यदि वर्तमान सरकार इन गंभीर समस्याओं पर नहीं जागती है, तो कांग्रेस पार्टी आगामी समय में छात्रों से मिले इन सुझावों को अपने आधिकारिक घोषणा पत्र में शामिल करेगी। इसका मुख्य उद्देश्य परीक्षाओं को पूरी तरह सुरक्षित, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाना है। जिला कांग्रेस कमेटी ने क्षेत्र के सभी छात्र-छात्राओं और युवाओं से आ ान किया है कि वे 27 जून को होने वाले इस डिबेट कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और देश की शिक्षा व परीक्षा प्रणाली को सुधारने के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव साझा करें।

5.15 ग्राम हेरोइन के साथ युवक पकड़ा

नोहर, (निसं)। यहां जिले में नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत नोहर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को 5.15 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक हनुमानगढ़ के निर्देशन में चल रहे अभियान के तहत थाना प्रभारी अजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान नोहर क्षेत्र में एक संदिग्ध युवक को रोककर पूछताछ की गई। तलाशी लेने पर युवक के कब्जे से 5.15 ग्राम अवैध हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी इमरान, निवासी मन्दरपुरा, थाना खुईयां, जिला हनुमानगढ़ को गिरफ्तार किया।

देवनारायण भगवान मंदिर में चोरी का पर्दाफाश

- पारोली थाना पुलिस ने आरोपी को दबोचा, अनाज और कार बरामद

भीलवाड़ा। स्थानीय थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आगरिया गांव के देवनारायण भगवान मंदिर में हुई चोरी की वारदात का खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का अनाज और वारदात में प्रयुक्त ऑल्टो कार जब्त की है।

सीसीटीवी और बीटीएस से मिला सुराग : थानाधिकारी सियाराम ने बताया कि 20 जून की रात को किन्ही बदमाशों ने देवनारायण मंदिर की सराय का ताला तोड़कर करीब 600 किलो अनाज (गेहूं व मक्का) चुरा लिया था। प्रार्थी नारायण जाट की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशानुसार गठित विशेष टीम ने घटनास्थल के आस-पास के करीब 50-60 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी के रूट को ट्रैक किया।

रेकी कर चुराता था माल : पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी छोटू लाल गुर्जर (उम्र 26 वर्ष), निवासी रूपपुरा (फुलिया कला) को डिटेन कर पूछताछ की। आरोपी ने मंदिर में चोरी करना स्वीकार किया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 525 किलोग्राम अनाज और चोरी में प्रयुक्त ऑल्टो कार जब्त की गई। पुलिस के अनुसार आरोपी पहले मंदिरों की रेकी करता था और फिर सूनेपन का फायदा उठाकर चोरी को अंजाम देता था। इस सफलता में थानाधिकारी सियाराम, सउनि रामेश्वर लाल, कांस्टेबल सुनील, शैतान सिंह, रामावतार और रामलाल की मुख्य भूमिका रही।

चिराना में देशी कट्टे की नोक पर वकील से लूट

नवलगढ़। चिराना गांव में बुधवार रात को कैंपर गाडी में आए बदमाश लोगों ने एक व्यक्ति से देशी कट्टे की नोक पर लूट करने एवं मारपीट करने वह अपहरण करने के प्रयास की रिपोर्ट गोठडा पुलिस थाने में दर्ज हुई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक बुधवार रात्रि करीब 8:30 बजे सीकर एवं नवलगढ़ कोर्ट में वकालत करने वाले चिराना निवासी एडवोकेट बजरंगलाल सैनी पुत्र छोटूराम सैनी ने लिखित रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि वह अपने चिराना के मुख्य मार्केट में स्थित अपनी दुकान का चैनल गेट बंद कर रहे थे तो अचानक कैंपर गाडी एवं अपाची मोटरसाइकिल उनकी दुकान के सामने आकर रूकी और उनमें सवार फगेड़ियों की ढाणी के निवासी कृष्ण स्वामी, लोहार्गल निवासी चेतन शर्मा आदि।

झुंझुनूं में एआई से अश्लील फोटो बनाकर व्यापारी से बीस लाख की रंगदारी मांगी

- एक महीने से परिवार को मिल रही जान से मारने की धमकियां

झुंझुनूं। शहर का एक किराना व्यापारी पिछले करीब एक महीने से साइबर अपराधियों की धमकियों और ब्लैकमेलिंग से दहशत में जीवन जीने को मजबूर है। व्यापारी का आरोप है कि बदमाश 20 लाख रुपए की रंगदारी मांग रहे हैं और रुपए नहीं देने पर उसके परिवार की महिलाओं की तस्वीरों को एआई तकनीक से अश्लील बनाकर सोशल मीडिया और व्हाट्सएप पर वायरल कर रहे हैं। गंभीर आरोप यह भी है कि बार-बार शिकायत और एसपी के निर्देशों के बावजूद झुंझुनूं कोतवाली थाना पुलिस ने अब तक न तो एफआईआर दर्ज की है और न ही मामले में कोई ठोस कार्रवाई की है। पीड़ित व्यापारी राकेश टेकड़ीवाल ने बताया कि 24 मई की रात करीब एक बजे उनके व्हाट्सएप पर ऑडियो कॉल आई। कॉल करने वाले ने 20 लाख रुपये की मांग की। शुरुआत में उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया तो आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देना शुरू कर दिया। इसके बाद लगातार अलग-अलग नंबरों से कॉल कर रंगदारी मांगी जाने लगी। राकेश का आरोप है कि साइबर अपराधियों ने उनके परिवार की महिलाओं व अन्य सदस्यों की तस्वीरों का एआई के माध्यम से दुरुपयोग कर अश्लील और आपत्तिजनक फोटो तैयार कीं। इतना ही नहीं, परिवार की महिलाओं की तस्वीरों को परिवार के ही अन्य पुरुष सदस्यों के साथ जोड़कर सोशल मीडिया और व्हाट्सएप पर रिश्तेदारों, परिचितों और मित्रों को भेजा जा रहा है। व्यापारी के बारे में भी सोशल मीडिया पर भ्रामक और आपत्तिजनक टिप्पणियां पोस्ट की जा रही हैं। जिससे पूरा परिवार मानसिक रूप से प्रताड़ित है। पीड़ित व्यापारी का कहना है कि उन्होंने 3 जून को झुंझुनूं कोतवाली थाने में लिखित शिकायत दी थी।

5 साल की मासूम से रेप का आरोपी पकड़ा

- पहले भी रेप समेत 4 मामले दर्ज, रिश्तेदार के साथ गांव में आया था

अलवर, (निसं)। अलवर में पांच साल की मासूम बच्ची से रेप के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को शरण देने वाले एक अन्य व्यक्ति को भी जयपुर के गांधी नगर रेलवे स्टेशन से दबोच लिया।

एसपी सुधीर चौधरी ने बताया- आरोपी के खिलाफ पहले से पॉक्सो एक्ट में रेप सहित चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी ने वारदात के दिन पहले बच्ची को बाइक पर बैठाकर अगवा किया। उसे पहाड़ी क्षेत्र में ले जाकर रेप किया। घटना के समय आरोपी नशे की हालत में था। वारदात के बाद उसने मासूम को वापस घर के पास छोड़ा, उसे धमकाया और टॉफी दिलाकर किसी को नहीं बताने के लिए डराया। पुलिस के अनुसार, आरोपी का पीड़ित परिवार से कोई परिचय नहीं था। वह पहले अपने एक रिश्तेदार के साथ गांव में आया था। घटना के दिन दौसा से नारायणी माता के दर्शन करने पहुंचा, इसके बाद नशा किया और गांव में घूमते हुए बच्ची को अकेला देखकर बाइक पर बैठाकर ले गया।

एसपी ने बताया- आरोपी पेशे से ओला कैब चालक है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कंपनी को भी नोटिस भेजा जाएगा, ताकि चालक रखने से पहले उनके आपराधिक रिकॉर्ड अनिवार्य रूप से जांचा जाए। ऐसे प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चियां सफर करती हैं, इसलिए सुरक्षा के लिए यह जरूरी है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का है। उसकी हरकतों के कारण उसकी पत्नी भी उसे छोडक़र जा चुकी है। वारदात के बाद आरोपी जयपुर से उदयपुर भागने की फिराक में था।

वाहन की टक्कर से महिला की मौत, पति घायल

निवाई, (निसं)। सोहेला बाईपास पर एक दर्दनाक सडक़ हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक महिला की मौत हो गई व उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। बरोनी थानाधिकारी नारायणलाल गुर्जर ने बताया कि शुक्रवार को सुबह करीब 11:46 बजे सोहेला बाईपास पर मोटरसाइकिल सवार दंपति के एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे बाईक सवार एक महिला की मौत हो गई व उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर हेड कांस्टेबल नंदकिशोर मय पुलिस जाब्ता के साथ मौके पर पहुंचे। वहां पहुंचने पर पता चला कि हादसे

घायलों को उपचार के लिए टोंक अस्पताल ले जाया गया है। इसके बाद पुलिस जाब्ता तुरंत टोंक अस्पताल पहुंचा, जहां घटना की पूरी जानकारी ली। उन्होंने बताया कि झिलाय थाना निवाई निवासी मनीष (40) पुत्र दीनदयाल पारीक अपनी पत्नी वर्षा पारीक (38) के साथ मोटरसाईकिल पर सवार होकर झिलाय से टोंक जा रहे थे। इसी दौरान सोहेला बाईपास पर किसी अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में मनीष गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उनकी पत्नी वर्षा की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मृतका वर्षा के शव का पोस्टमार्टम करवाकर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्कूल से शुरू हुई प्रेम कहानी का हॉस्पिटल में अंत

- पत्नी और बच्चे को खोकर अकेला रह गया, सिजेरियन के बाद हुई थी मौत

बीकानेर। सूरतगढ़ के रहने वाले कमल नायक ने बताया कि बीकानेर के हॉस्पिटल में बड़ी उम्मीद से आया था, लेकिन पत्नी और बच्चे को खोकर खाली हाथ लौट गया। उल्लेखनीय है कि यहा पीबीएम हॉस्पिटल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद किडनी फेल्योर का पहला मामला 18 मई को सामने आया था। लेकिन हॉस्पिटल प्रशासन ने इसकी जानकारी 6 जून को दी थी। सिजेरियन डिलीवरी के बाद एक-एक कर 6 महिलाओं की किडनी फेल हो गई थी। हालात इतने बिगड़ गए थे कि प्रसूताओं की कई बार डायलिसिस की गई। सभी को आईसीयू में शिफ्ट किया गया। इनमें तारा देवी (27) और राहिला (19) को छुट्टी दे दी गई। इमरती (20) पोस्ट कोविड आईसीयू में भर्ती है। कमला का मेडिसिन आईसीयू में इलाज जारी है। प्रीति निवासी सूरतगढ़ की 19 जून और शारदा नायक (26) ने 21 जून को दम तोड़ दिया था।

कमल नायक ने बताया- पत्नी प्रीति 6 महीने की प्रेग्नेंट थी। ब्लड प्रेशर गड़बड़ होने पर सूरतगढ़ के हॉस्पिटल लेकर गया था। रेफर करने पर 15 मई को इलाज के लिए बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल लेकर आया था। जांच के दौरान डॉक्टरों ने गर्भ में पल रहे बच्चे की हालत गंभीर बताई। मुझे कहा गया कि मां और बच्चे में से किसी एक की जान को खतरा है, इसलिए ऑपरेशन करना पड़ेगा। 16 मई को ऑपरेशन किया गया। डिलीवरी के बाद मां और बच्चा, दोनों सुरक्षित थे। पत्नी को लेबर रूम में शिफ्ट किया गया था। कमल के अनुसार, 17 मई को डॉक्टरों ने प्रीति की तबीयत ज्यादा बिगड़ने की जानकारी दी। इसके अगले दिन 18 मई को नवजात बच्चे की मौत हो गई। प्रीति की ब्लीडिंग बंद नहीं हो रही थी। इलाज के दौरान खून और यूरिन (पेशाब) आना भी बंद हो गया था। इसके बाद बिना रेफर किए ही जयपुर या जोधपुर ले जाने की बात कही गई। फोन पर बात करवाने के बाद अस्पताल में दोबारा इलाज शुरू किया गया। बाद में सांस लेने में दिक्कत होने पर प्रीति के गले में पाइप डाल दिया गया। उसे आईसीयू में भर्ती किया गया, जहां डॉक्टरों ने किडनी और लिवर प्रभावित होने की जानकारी दी। इलाज के दौरान प्रीति करीब एक महीने तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करती रही। आखिरकार 19 जून को उसकी मौत हो गई। कमल ने कहा- मैंने पत्नी और बच्चे को बचाने की हरसंभव कोशिश की, लेकिन दोनों को नहीं बचा सका। अब मैं अकेला रह गया हूं। पत्नी छोड़कर चली गई और बच्चा भी नहीं रहा। हाल ही में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी पीबीएम हॉस्पिटल में प्रसूताओं और परिजनों से मिलने पहुंचे थे। उन्होंने प्रीति के भी हाल-चाल जाने थे।

कमल ने बताया- मैं और प्रीति सूरतगढ़ में एक ही स्कूल में पढ़ते थे। इस दौरान दोनों के बीच दोस्ती हुई और बाद में यह रिश्ता प्रेम में बदल गया। बालिग होने के बाद दोनों ने अगस्त 2025 में इंटरकास्ट लव मैरिज कर ली। परिवार की नाराजगी के बावजूद दोनों ने साथ जिंदगी बिताने का फैसला किया था, लेकिन अब यह सपना अधूरा रह गया। कमल सूरतगढ़ में सैलून पर काम करते हैं। उन्होंने कहा- अब तक मुझे कोई आर्थिक सहायता या सरकारी मदद नहीं मिली है। हॉस्पिटल में जान गंवाने वाली शारदा नायक के परिवार ने प्रदर्शन किया था। इस दौरान सूरतगढ़ से बीकानेर पहुंचा था। पीबीएम हॉस्पिटल से कलेक्ट्रेट तक निकाले गए प्रदर्शन में शामिल हुआ था। न्याय की मांग को लेकर आवाज उठाई थी। कमल ने बताया कि 'मैं सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर) से बड़ी उम्मीद के साथ बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में पत्नी को लेकर आया था। पत्नी की सिजेरियन डिलीवरी के दो दिन बाद ही बच्चे की मौत हो गई। पत्नी की किडनी फेल हो गई थी। वह एक महीने तक हॉस्पिटल में तड़पती रही और आखिर में उसने दम तोड़ दिया।

ठेकाकर्मी की करंट से मौत

कपासन । कपासन थाना क्षेत्र के पांडोली स्टेशन के पास सूरजपुरा गांव में शुक्रवार को बिजली लाइन की मरम्मत के दौरान एक ठेका कर्मी की करंट लगने से मौत हो गई। 11 केवी लाइन पर शट-डाउन लेकर कार्य कर रहे कर्मी को अचानक करंट लगा, जिससे वो पोल से नीचे गिर गया। उसे गंभीर अवस्था में उपजिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बिजली विभाग के सहायक अभियंता मुनीश कुमार कावंत ने बताया- पांडोली स्टेशन के पास सूरजपुरा गांव में 11 केवी फीडर लाइन पर आंधी-तूफान से क्षितठास्त हुई लाइनों की मरम्मत की जा रही थी। शुक्रवार को इसके लिए शट-डाउन लिया गया था । इसी दौरान, समीपवर्ती अन्य फीडर की बिजली आपूर्ति किसी उपभोक्ता द्वारा जोड़ने से लाइन में अचानक 11 केवी का करंट दौड़ गया। करंट की चपेट में आने से ठेका कर्मी मुकेश सिंह (21) पोल से नीचे गिर गया। मृतक की पहचान बराछ गांव, थाना बदनोर, जिला भीलवाड़ा निवासी मुकेश सिंह के रूप में हुई है।हादसे के बाद साथ काम कर रहे कर्मचारियों ने मुकेश सिंह को कपासन के उपजिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टर्स ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कपासन पुलिस और बिजली निगम के अधिकारी व कर्मचारी अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचित किया।

आनासागर झील की सफाई, एक दिन में 14 ट्रैक्टर-ट्रॉली मलबा हटाया

शहरी सेवा शिविर के तहत डी-वीडिंग मशीन और जेसीबी की मदद से झील व आसपास के क्षेत्रों में चला विशेष अभियान

अजमेर । शहरी सेवा शिविर के अंतर्गत आनासागर झील और उसके आसपास के क्षेत्रों में सफाई अभियान लगातार जारी है। नगर निगम की ओर से गुरुवार को भी विभिन्न स्थानों पर विशेष अभियान चलाकर झील में फैली जलीय खरपतवार, मलबे और अपशिष्ट को हटाया गया। अभियान का उद्देश्य झील की स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ जल संरक्षण और पर्यावरण संतुलन को मजबूत करना है।

नगर निगम के अधिक्षण अभियंता मनोहर सोनगरा ने बताया कि सफाई अभियान के दौरान रामप्रसाद घाट से बारादरी की ओर एक टीम ने डी-वीडिंग मशीन की सहायता से झील की सफाई की। इस दौरान झील में फैली जलीय खरपतवार एवं मलबा हटाकर एक डम्पर सामग्री बाहर निकाली गई। इसके अलावा एल.आर. पॉकेट लेन से भावल माता मंदिर क्षेत्र तक विशेष सफाई अभियान चलाया

अजमेर की आनासागर झील में सफाई का विशेष अभियान जारी ।

गया। इस क्षेत्र से 12 डम्पर मलबा हटाकर निर्धारित स्थान पर पहुंचाया गया, जिससे आसपास का क्षेत्र पहले की तुलना में अधिक स्वच्छ दिखाई दिया। वहीं, पुरानी विश्राम स्थली के समीप जेसीबी मशीन की सहायता से झील के भीतर जमा मलबे को निकालने का कार्य भी किया गया। यहां से 14 ट्रैक्टर-ट्रॉली मलबा निकालकर संग्रहित किया गया, जिसे बाद में उचित स्थान पर निस्तारित किया जाएगा। नगर निगम

■ **अभियान का उद्देश्य झील की स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ जल संरक्षण और पर्यावरण संतुलन को मजबूत करना है।**

के अनुसार गुरुवार को हुए सफाई अभियान में आनासागर झील एवं आसपास के क्षेत्रों से कुल 13 डम्पर तथा 14 ट्रैक्टर-ट्रॉली मलबा एवं अपशिष्ट हटाया गया। निगम अधिकारियों ने बताया कि शहरी सेवा शिविर के अंतर्गत यह अभियान आगामी दिनों में भी लगातार जारी रहेगा, ताकि आनासागर झील को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाए रखा जा सके।

बाघिन टी-117 का बाघ मित्र पर हमला

सरमथुरा । वन क्षेत्र में सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई।जब नियमित टाइगर ट्रैकिंग के दौरान बाघिन टी-117 ने अचानक एक बाघ मित्र पर हमला कर दिया।हमले में बाघ मित्र राजवीर मीणा घायल हो गए।जिन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद वन विभाग में हड़कंप मच गया और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने में जुट गए।जानकारी के अनुसार बाघ मित्र राजवीर मीणा अपने साथी सोनू मीणा के साथ क्षेत्र में नियमित टाइगर ट्रैकिंग कर रहे थे। दोनों वन क्षेत्र में लगाए गए कैमरा ट्रैप की निगरानी कर रहे थे। इसी दौरान पास में मौजूद बाघिन टी-117 ने अचानक हमला बोल दिया। हमले में राजवीर मीणा के हाथ और जांघ पर चोटें आईं। अचानक हुए इस हमले से कुछ देर के लिए क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय वन अधिकारी देवेंद्र सिंह चौधरी सहित वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। घायल राजवीर मीणा को प्राथमिक उपचार के लिए सरमथुरा अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें धौलपुर रैफर कर दिया।वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार राजवीर मीणा की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है।

5 लाख की फिरौती के मामले में दो हिस्ट्रीशीटर सहित तीन गिरफ्तार

पुलिस ने महज 72 घंटे में मामले का भंडाफोड़ कर दिया है

भीलवाड़ा । स्थानीय थाना पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए युवक के अपहरण और फिरौती मामले का महज 72 घंटे में भंडाफोड़ कर दिया है। पुलिस ने भीलवाड़ा शहर के कुख्यात एलटीआर ग्रुप के दो हिस्ट्रीशीटरों सहित तीन वांछित आरोपियों को दबोचने में सफलता हासिल की है। मुख्य आरोपी की निशानदेही पर उसके मकान से एक अवैध पिस्टल भी बरामद की गई है।

दोस्त ने ही रची थी साजिश : थानाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि भीमगंज निवासी प्रार्थी वसीम मंसूरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 18 जून की रात को जब वह दिल्ली से लौट रहा था, तब उसके साथी समीर पठान ने साजिश के तहत अपने अन्य बदमाशों को गुलाबपुरा के पास बुला लिया। आरोपी वसीम का जबरन अपहरण कर कार से गंगापुर ले गए, जहाँ एक सुनसान खेत में बेल्ट व लाठियों से उसकी बेरहमी से मारपीट की और परिजनों से 5 लाख रुपये की फिरौती मांगी । इसके बाद उसे कांवाखेड़ा के एक सूने मकान में बंधक बनाकर रखा

■ **मुख्य आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर उसके मकान से एक अवैध पिस्टल भी बरामद की गई है**

गया था।

हथियार मिलने पर नया मामला दर्ज : जिला पुलिस अधीक्षक सागर के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर की सूचना पर पीछा करते हुए 72 घंटे में आरोपी सिकंदर उर्फ लॉटरी, समीर पठान और सुलेमान उर्फ काला को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी सिकंदर के घर से अवैध पिस्टल मिलने पर कोतवाली थाना भीलवाड़ा में आर्म्स एक्ट के तहत अलग से मामला दर्ज किया गया है। कार्रवाई करने वाली टीम में थानाधिकारी संजय कुमार, कांस्टेबल रविन्द्र, अभेष कुमार, कमल कुमार और दिनेश कुमार शामिल रहे।

छात्रवृत्ति वृद्धि को लेकर मंत्री को ज्ञापन सौंपा

महँगाई एवं बढ़ते शैक्षिणक व्यय को देखते हुए छात्रवृत्ति की वर्तमान दरें अत्यंत अपर्याप्त हैं

छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति राशि में वृद्धि के लिए राज्य मंत्री डॉ मंजू बाघमार को ज्ञापन दिया।

जयपुर । राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) के प्रदेशाध्यक्ष कृष्ण बारूपाल के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास विभाग की राज्य मंत्री डॉ मंजू बाघमार से शिष्टाचार भेंट कर प्रदेश के गाँव, गरीब, किसान, मजदूर एवं वंचित वर्ग के छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति राशि में वृद्धि संबंधी विस्तृत एवं तथ्यपरक प्रस्ताव सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य मंत्री को अवगत कराया कि वर्तमान महँगाई एवं बढ़ते शैक्षिणक व्यय को देखते हुए छात्रवृत्ति की वर्तमान दरें अत्यंत अपर्याप्त हैं। संगठन ने विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति राशि में यथोचित वृद्धि करते हुए शीघ्र पुनरीक्षण की मांग की। प्रदेशाध्यक्ष कृष्ण बारूपाल ने बताया कि पिछले कई वर्षों से छात्रवृत्ति राशि में कोई वृद्धि नहीं हुई है, जबकि इस दौरान स्टेशनरी, पुस्तकें, परिवहन, वर्दी तथा अन्य शैक्षिणक आवश्यकताओं पर होने वाला खर्च कई गुना बढ़ चुका है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद परिवारों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने के लिए छात्रवृत्ति राशि में वृद्धि समय की आवश्यकता है। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि एक ही कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अलग-अलग दरों से छात्रवृत्ति प्रदान किया जाना असमानता को बढ़ावा देता

■ **विद्यार्थी हित में राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) की पहल**

है। इस व्यवस्था में समानता लाते हुए छात्रवृत्ति की दरों का पुनर्निर्धारण किया जाना चाहिए। नागौर जिला अध्यक्ष हरिराम पवार ने बताया कि पिछले 12 से 15 वर्षों से छात्रवृत्ति राशि की समुचित समीक्षा नहीं की गई है। उन्होंने मांग रखी कि छात्रवृत्ति के लिए निर्धारित आय सीमा, जो वर्तमान में दो से ढाई लाख रुपये है, उसे बढ़ाकर अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवारों को योजना का लाभ प्रदान किया जाए। प्रदेश महामंत्री सोहन जोहरम ने कहा कि संगठन ने छात्रवृत्ति वृद्धि के संबंध में विस्तृत एवं तथ्यात्मक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि माननीय राज्य मंत्री विद्यार्थियों के हित में इस महत्वपूर्ण विषय पर सकारात्मक पहल करते हुए राज्य सरकार के स्तर पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी। राज्य मंत्री डॉ मंजू बाघमर ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को आत्मीयता एवं धैर्यपूर्वक सुना । इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री (सचिवालय) नेमाराम मेघवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष मानसिंह मेहरा सहित संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में एक बेड पर दो-दो प्रसूताओं को लेटना पड़ता है

बीकानेर । चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से सरकारी अस्पतालों के लिए जारी की गई एसओपी पर काम शुरू हो गया है। सभी एचओडी को रिपोर्ट पेश करनी है। पीबीएम अस्पताल की 89 साल पुरानी बिल्डिंग में उसका कितना पालन हो सकेगा, कहना मुश्किल है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से जारी ऑपरेशन थिएटर की एसओपी में स्पष्ट लिखा है कि मरीज को ऑपरेशन थिएटर में भेजने से पहले सफेद गाउन पहनाना जरूरी है, लेकिन पड़ताल में सामने आया कि पीबीएम अस्पताल में ऐसा कोई सिस्टम नहीं है। खासकर जनाना विंग की बात करें तो प्रसूताएं जिस हालत में आती हैं, उसी हालत में उन्हें ऑपरेशन थिएटर में लिया जाता है। सिजेरियन डिलीवरी के बाद उन्हीं वस्त्रों में बाहर भेजा जाता है, जो प्रसूता घर से पहनकर आई थी। आम तौर पर हरे रंग की एक चद्दर से प्रसूता को ढका जाता है, जिसे सफाईकर्मी वापस ले जाती है। वही चद्दर दूसरी प्रसूता के काम आती है। वार्ड में बेडशीट भी मैली मिलती है। उस पर खून के सूखे हुए दाग-धब्बे नजर आते हैं। ऐसा ही हाल लेबर रूम का है। वहां तो एक बेड पर दो-दो प्रसूताओं को लेटना पड़ता है। गौरतलब है कि पीबीएम जनाना अस्पताल में डिलीवरी के बाद छह प्रसूताओं की किडनी फेल हुई थी, जिनमें से दो की मौत हो चुकी है। कोटा, जोधपुर और नागौर में भी इस प्रकार की घटनाएं होने पर सरकार ने सरकारी अस्पतालों के लिए एसओपी जारी की है। विशेषज्ञों का कहना है कि एक्स जैसे बड़े चिकित्सा संस्थानों में ओटी का प्रोटोकॉल गाइडलाइन के तहत संचालित होता है, जबकि अन्य सरकारी अस्पतालों में मरीजों की बढ़ती भीड़ के कारण इसकी अनदेखी कर दी जाती है। पीबीएम अस्पताल की बिल्डिंग 89 साल पुरानी है। जाहिर है जनाना ओटी भी उतना ही पुराना है। इन सालों में मरीजों की संख्या बढ़ कर साल में 90 हजार तक पहुंच गई है, लेकिन आधारभूत सुविधाएं नहीं बढ़ सकीं। जनाना में पांच ऑपरेशन थिएटर हैं। रोज औसत 50 महिलाओं के विभिन्न प्रकार के ऑपरेशन होते हैं, जिनमें 20 मेजर और 30 माइनर सर्जरी होती है। इनमें 30 से 40 का आंकड़ा प्रसव का है । एक साल में करीब 27 हजार महिलाएं भर्ती होती हैं। दस हजार के नॉर्मल और लगभग सात हजार महिलाओं के सिजेरियन डिलीवरी होती हैं। वार्डों में वेंटिलेशन तक नहीं है। जनाना टॉयलेट की सफाई ही नहीं होती। वहां डिब्बा तक नहीं मिलता। महिलाओं को काफी परेशानी उठानी पड़ती है।

भीलवाड़ा जिला न्यायालय परिसर बचाने के लिए वकील मंत्री मेघवाल से मिले

जिला न्यायालय परिसर बचाओ संघर्ष समिति ने केंद्रीय मंत्री मेघवाल को मांगपत्र सौंपा

न्यायालय परिसर बचाओ संघर्ष समिति, भीलवाड़ा के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से मुलाकात की।

भीलवाड़ा । जिला न्यायालय परिसर बचाओ संघर्ष समिति, भीलवाड़ा के प्रतिनिधिमंडल ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया के पूर्व को-चेयरमैन सुरेश चंद्र श्रीमाली के नेतृत्व में भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल के निवास पर केंद्रीय कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से मुलाकात कर उनका स्वागत किया तथा नवीन न्यायालय परिसर भूमि आवंटन को निरस्त करवाने के संबंध में विस्तृत प्रतिवेदन एवं मांगपत्र प्रस्तुत किया।

प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री को भीलवाड़ा की भौगोलिक परिस्थितियों एवं प्रस्तावित न्यायालय परिसर हेतु आवंटित 62 बीघा भूमि की वास्तविक स्थिति से अवगत कराया। संघर्ष समिति ने बताया कि प्रस्तावित भूमि शहर से अत्यधिक दूर, दुर्गम एवं निर्जन क्षेत्र में

■ **मंत्री ने आश्वस्त किया कि अधिवक्ताओं एवं आमजन के हितों के विपरीत कोई निर्णय नहीं होगा**

स्थित है, जहाँ अधिवक्ताओं, वादकारियों एवं आमजन को भविष्य में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। समिति ने यह भी कहा कि भूमि आवंटन की प्रक्रिया अधिवक्ताओं को विश्वास में लिए बिना एवं पारदर्शिता के अभाव में पूर्ण की गई, जिससे अधिवक्ता समाज में गहरा असंतोष व्याप्त है। संघर्ष समिति ने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि अधिवक्ता हित एवं आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस विषय में सकारात्मक हस्तक्षेप किया जाए तथा न्यायालय परिसर को शहर में ही वर्तमान जगह पर ही मल्टी बिल्डिंग में ही विस्तारित करने हेतु प्रभावी पहल की जाए। केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना तथा आश्वस्त किया कि अधिवक्ताओं एवं आमजन के हितों के विपरीत कोई निर्णय नहीं होना चाहिए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इस विषय में सकारात्मक एवं व्यवहारिक समाधान निकालने हेतु हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष कृष्ण गोपाल शर्मा, पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद फरजन, पूर्व अध्यक्ष विक्रम सिंह राठौड, वरिष्ठ अधिवक्ता लादूलाल तेली, कुणाल ओझा सहित अन्य अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

बुजुर्ग के खाते से 9.90 लाख रुपए की धोखाधड़ी

कपासन, (निसं)। कपासन थाना क्षेत्र में बुजुर्ग के बैंक खाते से 9.90 लाख रुपए की धोखाधडी का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में बैंक मैनेजर और एक पोस्टमैन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

कपासन थानाधिकारी सुनील शर्मा ने बताया- ताराखेड़ी निवासी रामचन्द्र शर्मा (80) ने शिकायत में बताया कि उनका भारतीय स्टेट बैंक, कपासन शाखा में खाता है, जिसके लिए उन्होंने कभी एटीएम कार्ड जारी नहीं कराया और न ही उसका उपयोग किया। इसके बावजूद बैंक मैनेजर अमर सिंह मीणा और दामाखेड़ा सर्कल के पोस्टमैन लेस मोहम्मद पर मिलीभगत कर एटीएम जारी कर लिया।

आरोप है कि खाते में फर्जी मोबाइल नंबर और अन्य विवरण जोड़, साथ ही फर्जी हस्ताक्षर कर डाक वितरण किया। 15 मई से 17 जून 2026 के बीच यूपीआई और अन्य ऑनलाइन माध्यमों से खाते से कुल 9,90,832 रुपए निकाले गए। यह राशि राजस्थान, महाराष्ट्र सहित कई स्थानों से निकली गई। धोखाधडी का खुलासा तब हुआ जब पीडित रामचन्द्र शर्मा 24 जून को बैंक में पैसे निकालने पहुंचे। उन्हें बताया गया कि खाते में कोई बैलेंस नहीं है। जांच करने पर धोखाधड़ी सामने आई। इस खबर से उनकी तबीयत बिगड़ गई और जिसके बाद उनके बेटे जगदीश शर्मा को बुलाया गया।

सलूंबर में फूड पॉइजनिंग से 46 लोग बीमार

उदयपुर, (कासं)। सम्भाग के सलूंबर जिले में स्थित परसाद थाना क्षेत्र के खेरकी गांव में एक शादी समारोह में खाने के बाद 46 लोगों की तबीयत खराब हो गई। दो लोगों को गंभीर हालत में उदयपुर के महाराणा भूपाल हॉस्पिटल रेफर किया गया है। वहीं 8 लोगों को परसाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया है।

खेरकी गांव में भमात फला की ढाणी के रहने वाले गोविंद मीणा के पुत्र संदीप मीणा की गुरुवार को शादी समारोह था जिसमें ग्रामीण, परिचित और रिश्तेदारों को मंडप भोज दिया गया।मंडप भोज के लिए गुरुवार सुबह 11 बजे पकवान बनाए गए और शाम 4 से 7 बजे तक सभी लोगों ने खाना खाया। खाना खाने के आधे से एक घंटे के भीतर लोगों को पेट दर्द,उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी।जो लोग खेरकी गांव से बारात में उदयपुर के सुरफलाया जा रहे थे वे भी तबीयत बिगड़ने पर रास्ते से वापस लौट आए और सीधे परसाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। जानकारी के अनुसार परसाद के सामुदायिक स्वास्थ्य

■ **शादी समारोह में खाना खाने के बाद बिगड़ी तबीयत**

केंद्र में 8 मरीजों को भर्ती किया गया। जबकि किशन मीणा (18) और पुष्पा मीणा (45) की हालत गंभीर होने पर उन्हें उदयपुर के एमबी हॉस्पिटल रेफर किया गया।मामले की सूचना के बाद चिकित्सा प्रभारी डॉ.महेंद्र डामोर के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम विवाह स्थल पहुंची और प्रभावित लोगों की तलाश शुरू की। टीम ने गांव में घर-घर सर्वे कर 46 लोगों की स्वास्थ्य जांच की और आवश्यक दवाइयां दी। साथ ही पूरे क्षेत्र में चिकित्सा दलों को अलर्ट कर दिया गया है। सीएमएचओ सलूंबर डॉ.महेंद्र परमार ने बताया कि फूड पॉइजनिंग की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी सतर्कता बरत रहा है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए शुक्रवार को भी चिकित्सा दल गांव में मौजूद रहा। विभाग की टीम भोजन की भी जांच कर रही है।

ट्रक का टॉयर खुलकर वैन से टकराया, एक की मौत

कोटा, (निसं)। सिमलिया थाना इलाके में नेशनल हाईवे 27 पर सड़क हादसे में वैन में सवार एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार वैन सवार गुजरात से यूपी की ओर जा रहे थे, पोलाई के समीप तेज रफ्तार ट्रक का टॉयर खुलकर वैन से टकरा गया, हादसे में वैन अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे लगी लोहे की रेलिंग से टकराकर पलट गई।

वैन क्षतिग्रस्त होकर पूरी तरह टूट गई, इस भीषण दुर्घटना में 50 वर्षीय व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, मौके से गुजर रहे लोगों ने इसकी सूचना सिमलिया थाने को दी। मामले में सामने आया कि वैन में यूपी निवासी पप्पू अपने परिवार के अन्य लोगों के साथ गुजरात से यूपी जाने के लिये निकला था। हादसे की सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मृतक के शव को अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम में रखवाया एवं घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया, जहां घायलो को प्राथमिक उपचार दिया गया।

सीमलिया थाने के एएसआई शिवराज सिंह ने बताया कि गुरूवार देर रात्रि को पोलाई के समीप सड़क हादसे की सूचना मिली, सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। एएसआई ने बताया कि वैन में सवार लोग गुजरात से उत्तरप्रदेश में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे, सिमलिया इलाके के पोलाई के समीप एक ट्रक का टॉयर खुलकर वैन से टकरा गया, जिससे वैन अनियंत्रित होकर पलटा खा गई। एएसआई ने बताया कि हादसे में मूल रूप से यूपी के जालौन हाल मेहसाणा निवासी पप्पू हरचरण कुशवाह (50) की मौत हो गई, मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

बछड़े का अधजला शव मिलने से क्षेत्र में तनाव

उदयपुर, (कासं)। शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे उदयपुर के बलीचा हाईवे पर गीतांजलि अस्पताल रोड पर नेला तालाब के पास अज्ञात बदमाशों ने गाय के बछड़ेके पैर बांधकर उसे जिंदा जला कर सड़क किनारे फैंकने जैसी घिनौनी वारदात को अंजाम दिया।बछड़े का अधजला शव मिलने की सूचना पर पूरे क्षेत्र में तनाव और भारी आक्रोश का माहौल व्याप्त हो गया।

इस क्रूरता की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय युवा,सनातनी और विभिन्न हिंदू संगठनों के पदाधिकारी मौके पर पहुंच गए और घटना के विरोध में उग्र प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस अमानवीय कृत्य की जानकारी मिलते ही ष्काली कल्याण धाम सेक्टर 14 के सेवादार हेमंत जोशी और ष्अपना घर गौशालाष् के हार्दिक मेनारिया तुरंत मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का भयावह मंजर देखकर दोनों गौसेवकों सहित स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया।गौसेवकों ने इस क्रूरता का कड़ा विरोध जताते हुए घटना स्थल पर ही अपना विरोध दर्ज कराया। गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने बलीचा हाईवे पर बीच सड़क बैठकर पूरी तरह से चक्का जाम कर दिया, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की लंबी.लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। मौके पर मौजूद गौभक्तों और हिंदू संगठन के नेताओं ने इस घटना पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए कहा कि एकादशी के पावन पर्व के तुरंत बाद इस तरह के घिनौने कुकर्म को अंजाम देकर जानबूझकर धार्मिकभावनाओं को भड़काने की कोशिश की गई है।

प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर फांसी की सजा देने की मांग की। माहौल की सूचना पर गोवर्धन विलास थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह चारण जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे।पुलिस ने समझाइश की कोशिश की।पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित युवाओं और हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों से बातचीत की और उन्हें शांत कराने का प्रयास किया।

चोरी के जेवर खरीदने का आरोपी पकड़ा

कोटा, (निसं)। बारेखेडा थाना इलाके के चंद्रेसल गांव में स्थित एक मकान में आभूषण चोरी के मामले में बोरखेड़ा पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए चोरी के जेवरात खरीदने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि बोरखेड़ा थाने पर चंद्रेसल गांव से एक मकान में चोरी की वारदात के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस टीम ने मकान में चोरी के आरोपी रणवीर उर्फ दलिया को पूर्व में गिरफ्तार किया था, पकड़े गये आरोपी को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया जहां से आरोपी को पुलिस रिमांड पर लिया गया।

शहर एसपी ने बताया कि पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ की गई तो आरोपी ने चोरी के जेवरात आमेरा भवन इन्द्रागांधीनगर डीसीएम थाना उद्योगनगर निवासी विश्वप्रताप सिंह ऊर्फ रवि आमेरा द्वारा खरीदने की जानकारी दी। शहर एसपी ने बताया कि चोरी के जेवरात खरीदने के मामले में आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर बोरखेड़ा थानाधिकारी अनिल टेलर के नेतृत्व मे टीम गठित की गई। गठित टीम ने मामले में कार्यवाही करते हुए आमेरा भवन इन्द्रागांधीनगर डीसीएम थाना उद्योगनगर निवासी विश्वप्रताप सिंह ऊर्फ रवि आमेरा को गिरफ्तार किया, पुलिस टीम ने आरोपी से चोरी के जेवरात बरामद किये।

लापरवाही बरतने पर बीडीए की वरिष्ठ सहायक हेमलता निलंबित

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर विकास प्राधिकरण (बीडीए) में पट्टा प्रकरणों के निस्तारण में गंभीर लापरवाही और आदेशों की अनदेखी का मामला सामने आया है। शिविरों के दौरान काम में ढिलाई बरतने और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की पालना नहीं करने पर बीडीए में कार्यरत वरिष्ठ सहायक हेमलता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिला कलक्टर कमर चौधरी एवं बीडीए आयुक्त कनिष्क कटारिया ने सराहनीय कदम उठाते हुए सरकार की योजनाओं एवं सेवा शिविरों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही करना शुरू किया है जिससे सरकार की योजनाओं का लाभ आम जरूरतमंद लोगों को समय पर मिल सके। हाल में

■ **निर्देशों की पालना नहीं करने की बात कही**

निलंबित हेमलता यूआईटी बीडीए में एक ही सीट पर पिछले आठ दस वर्षों से कार्यरत बताई जा रही हैं। बीडीए इनके पिछले कार्यकाल की भी जांच करा सकती हैं। उक्त महिला कर्मचारी द्वारा पट्टा प्रकरणों का समय पर निस्तारण नहीं करने अधिकारियों के आदेश निर्देशों की अवहेलना करने, लापरवाही बरतने को लेकर किया गया निलंबन किया गया है।। बीडीए में नए आए उपयुक्त मुकुल दीक्षित के कार्यों की भी सराहना हो रही हैं। बताया गया है कि एक व्यक्ति अपने पट्टे के लिए पिछले 10 साल से सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगा रहा था। पट्टा नहीं मिलने की शिकायत उसने जिला कलेक्टर कार्यालय में भी की थी फिर भी उसके मामले में कर्मचारियों द्वारा निस्तारण नहीं किया जा रहा था। आवेदक पीड़ित दो दिन पहले बीडीए आयुक्त कनिष्क कटारिया से मिले थे और उन्होंने मौके पर ही वरिष्ठ सहायक हेमलता को एक दिन प्रक्रिया पूरी कर पट्टा जारी करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद भी संबंधित व्यक्ति को पट्टा नहीं मिला। बताया जा रहा है कि वह वरिष्ठ महिला कर्मचारी शिविर से भी गैरहाजिर चल रही थी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बीडीए आयुक्त कनिष्ठ कटारिया ने वरिष्ठ सहायक हेमलता को सस्पेंड करने के आदेश जारी किए है।

PUBLIC NOTICE मैं संदीप सिंह नाथावत पुत्र श्री स्व अर्जुन सिंह नाथावत, निवासी - ए-2 गणेश नगर, श्याम नगर मेट्रो स्टेशन के पास, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर राजस्थान ने अपने पुत्र मानवेन्द्र सिंह नाथावत को गलत चाल चलन एवं गलत व्यव्हार के कारण हमेशा के लिये अपनी सम्पूर्ण चल व अचल सम्पत्तियो मे से बेदखल कर दिया है। मेरा उपरोक्त पुत्र मानवेन्द्र सिंह नाथावत से अब कोई सम्बन्ध व नाता नही रहा है तथा मेरी किसी भी चल व अचल सम्पत्तियो मे किसी भी प्रकार का मानवेन्द्र सिंह नाथावत का कोई हक/अधिकार नही होगा। जो भी व्यक्ति उससे किसी भी प्रकार का लेन-देन करेगा वह व्यक्ति स्वय ही जिम्मेदार होगा।
YUVRAJ SINGH ADVOCATE, Mob.: 9672789878
ENROLL. D/3530/2018,

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्लाट नम्बर बी-28, पथ नम्बर 5, जमना नगर, सोड़ाला, जयपुर, राजस्थान में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 273.77 वर्गगज है, सर्वप्रथम श्रीमती मोहिनी देवी नाहर को जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर द्वारा जरिये पंजीकृत पट्टा विलेख दिनांक 03.10.2013 द्वारा आंवटित किया गया था। तत्पश्चात् श्रीमती मोहिनी देवी नाहर का देहांत दिनांक 11.06.2021 को हो गया तथा उनके पति श्री जेतरूप नाहर का स्वर्गवास भी दिनांक 08.03.023 को हो चुका है। उनके देहांत के पश्चात उनके कानूनी वारिसान में श्रीमती अंजू सेठिया, श्रीमती अनीता जैन, श्रीमती सुनीता विकास बुच्चा, श्रीमती मंजू देवी, श्रीमती शान्ती देवी रंजीत कुमार बोथरा, श्रीमती सन्तोष देवी (सभी पुत्रीया) रहे। तत्पश्चात् श्रीमती अंजू सेठिया, श्रीमती अनीता जैन व श्रीमती सुनीता विकास बुच्चा ने जरिये पंजीकृत हकत्याग पत्र दिनांक 15.05.2023 के माध्यम से अपने अविभाजित 3/6 हिस्से को अपनी बहिने श्रीमती मंजू देवी, श्रीमती शान्ती देवी रंजीत कुमार बोथरा व श्रीमती सन्तोष देवी के पक्ष में हकत्याग कर दिया। तत्पश्चात् श्रीमती मंजू देवी, श्रीमती शान्ती देवी रंजीत कुमार बोथरा व श्रीमती सन्तोष देवी ने उक्त सम्पत्ति को जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 25.08.2023 द्वारा श्री किशन अग्रवाल को विक्रय कर दिया। इस प्रकार श्री किशन अग्रवाल वर्तमान में प्लाट नम्बर बी- 28, पथ नम्बर 5, जमना नगर, सोड़ाला, जयपुर, राजस्थान में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 273.77 वर्गगज का एकमात्र रूप से मालिक, स्वामी, अधिकारी व काबिज हुआ। अब श्रीमती सुनीता गुप्ता व श्रीमती वैशाली खंडेलवाल उक्त सम्पत्ति प्लाट नम्बर बी- 28 कुल क्षेत्रफल 273.77 वर्गगज मे से दक्षिणी दिशा का भाग जिसका कुल क्षेत्रफल 136.35 वर्गगज को क्रय कर रहे है व इस पर वित्तीय संस्था HDFC Bank Ltd. से ऋण ले रहे हैं, सर्वसाधारण को उक्त सम्पत्ति के विधिक वारिसान, मालिकाना हक, स्वामित्व, कब्जे, अधिकार पर कोई आपत्ति हो तो सात दिवस में लिखित में मय दस्तावेज सूचित करे अन्यथा आपत्ति शून्य, अप्रभावी व अमान्य समझी जावेगी।
Gautam Kumar Sharma Advocate Ph:- 7877729823

खोया पाया

प्लाट नं. E-48 दी कृष्णा को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि. की योजना गोविन्दपुरी-ई राम नगर जयपुर का समिति से जारी मूल सोसायटी रसीद कहीं गुम हो गयी है। मिलने पर सूचित करे । द्वारका शरण सिन्वाल E 48 रामनगर गोविन्दपुरी सोडाला जयपुर 9829008708

मेरे मकान C-53 छत्रसाल नगर गेटोर की मूल रसीद संख्या- 928 दिनांक- 15.7.1986, मालवीय नगर में कहीं खो गई है मिलने पर सूचित करें- लक्ष्मी देवी 7690053864.

मैं हंसराज गुर्जर पुत्र मोहरपाल गुर्जर, निवास- बरली, जयपुर राज. मेरा HDFC बैंक का कलेक्शन आईडी कार्ड नं. 260117330300378 (समाप्तितिथि- 30.06.2026) 26.06.2026 को सांगानेर रास्ते में कहीं गुम गया है। मिलने पर सूचित करें- 9649278821

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, सीमा शर्मा उर्फ कविता शर्मा पत्नी श्री प्रदीप कुमार शर्मा, निवासी: 62-63, सेन्ट्रल कॉलोनी, रोड नंबर 9, वीकेआई एरिया, मुरलीपुरा, जयपुर घोषणा करती हूँ कि मेरी पुत्री रिया शर्मा के कक्षा 10वीं के अंकपत्र एवं जन्म प्रमाण पत्र में मेरा नाम कविता शर्मा अंकित है। यह स्पष्ट किया जाता है कि कविता शर्मा एवं सीमा शर्मा दोनों मेरे ही नाम है। भविष्य में मुझे सीमा शर्मा नाम से ही जाना जाए। आपत्ति होने पर 15 दिवस में मेरे उक्त पते पर सूचित करें।

I have changed my name Jai Kumar to Gaurav Lalwani for all future and legal purpose. Address: 6-B, Sunder Nagar, Near ISKCON Road, Bar Mohanpura, Jaipur-302029

I have changed my name from AJAY RATHORE S/O Gyanendra Singh Rathore To the new name as AJAY SINGH RATHORE For further purposes. Address:-AJAY SINGH RATHORE S/O Gyanendra Singh Rathore 99,Haveli , Near bus stand NAND , AJMER (RAJ.)-305022 Aadhar No. 831070101071 Mobile No. 9413345111

I hitherto known as AKASH TANWAR alias AAKASH, S/o SUBHASH TANWAR, R/o Village, Bhiwadi Nagda Mohalla, Bhiwadi, Alwar, Rajasthan - 301019, have changed my name and shall hereafter be known as AKASH TANWAR.

I hitherto known as SHUKIYA DEVI, W/o BATTU, R/o Baragaon, PO: Kherla, DIST: Dausa, Rajasthan - 322240, have changed my name and shall hereafter be known as RAMPIYARI.

I Sanjeev Kumar Dutta residing at 4/187 SFS, Shipra path Agrawal farm Mansarovar, Jaipur-302020 (Raj.) have changed my name to Sanjeev Dutta S/o Parma Nand Dutta for all future purposes.

I, Ankit Kumar Sharma, S/o Shri Purushottam Sharma, R/o- 71/254, Sheopur Road, Sector- 71, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur- 302033. have changed my name to Ankit Sharma for all future purposes.

मुख्य सचिव ने किया राजस्थान संपर्क पोर्टल 181 का निरीक्षण

साइबर फ्रॉड से प्रभावित नागरिकों से बात कर समस्या सुनी

- पोर्टल की कार्यप्रणाली के अवलोकन के लिए 30 जून को केंद्र सरकार के सचिवों का दौरा प्रस्तावित
- राजस्थान संपर्क पोर्टल को राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल काउंसिल ऑफ ई-गवर्नेंस (एनसीजी) के अंतर्गत बेहतरीन गवर्नेंस मॉडल के रूप में किया जायेगा प्रदर्शित

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) के कॉल सेंटर का निरीक्षण किया और आमजन की समस्याएं सुनी।

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) कॉल सेंटर का निरीक्षण कर राजस्थान संपर्क 2.0 के अंतर्गत किए जा रहे तकनीकी सुधारों की समीक्षा और साइबर फ्रॉड से प्रभावित लोगों से बात की। उन्होंने शिकायतों के त्वरित एवं संतुष्टिपरक निस्तारण व आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस के प्रभावी उपयोग करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने साइबर फ्रॉड से प्रभावित नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी शिकायतों के निस्तारण की प्रगति, संबंधित विभागों द्वारा की गई कार्रवाई तथा उपलब्ध कराई जा रही सहायता की जानकारी ली। उन्होंने ऐसे मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करते हुए पीड़ितों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने तथा सम्बंधित विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि राजस्थान संपर्क पोर्टल की तकनीकी कार्यप्रणाली और नवाचारों का अवलोकन करने के लिए आगामी 30 जून को केंद्र सरकार के सचिवों का दौरा प्रस्तावित है। उन्होंने इस दौरे की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने बताया कि राजस्थान संपर्क पोर्टल को राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल काउंसिल ऑफ ई-गवर्नेंस (एनसीजी) के अंतर्गत बेहतरीन गवर्नेंस मॉडल के रूप में प्रदर्शित भी किया जाएगा।

श्रीनिवास ने कहा कि आगामी विजिट और समीक्षा बैठकों में विशेष रूप से भ्रष्टाचार, साइबर अपराध और महिला उत्पीडन से जुडे परिवादों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस का उपयोग आमजन की शिकायतों के वर्गीकरण, रूट कॉज एनालिसिस, रियल-टाइम मॉनिटरिंग तथा डेटा आधारित निर्णय प्रक्रिया में किया जाए जिससे शिकायत निवारण प्रक्रिया अधिक स्मार्ट, प्रभावी एवं नागरिक-केंद्रित बन सके। उन्होंने अधिकारियों एवं कॉल सेंटर कार्मिकों के नियमित क्षमता विकास एवं प्रशिक्षण पर विशेष बल देते हुए कहा कि बदलती तकनीकों के अनुरूप दक्षता का निरंतर उन्नयन आवश्यक है।

मुख्य सचिव ने शिकायतों के निस्तारण के उपरांत प्राप्त नागरिक फीडबैक एवं संतुष्टि स्तर की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायत निवारण व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा नागरिकों की संतुष्टि ही सुशासन का सबसे महत्वपूर्ण मानक है।

श्रीनिवास ने राजस्थान संपर्क 2.0 के अंतर्गत विकसित की जा रही नई तकनीकों, एआइ आधारित नवाचारों, शिकायतों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग, संतुष्टि मूल्यांकन प्रणाली तथा शिकायत निवारण प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की। इस दौरान राजस्थान संपर्क पोर्टल एवं संबन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रदेश के विकास एवं जनकल्याण से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा हुई ।

30 जून तक पूरा करें मंगला पशु बीमा के क्लेम सेटलमेंट का काम : जोराराम कुमावत

- सेक्स सॉर्टेड सीमन से कृत्रिम गर्भाधान योजना के शत-प्रतिशत लक्ष्यों को हासिल करने के निर्देश जारी

जयपुर । राजस्थान में पशुपालकों के कल्याण और डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने अपनी योजनाओं की रफ्तार तेज कर दी है। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने विभाग की दो महत्वाकांक्षी योजनाओं-मंगला पशु बीमा योजना और सेक्स सॉर्टेड सीमन से कृत्रिम गर्भाधान योजना के शत-प्रतिशत लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। मंत्री ने इसके लिए 15 जुलाई 2026 की अंतिम समय-सीमा (डेडलाइन) तय की है।

पशुपालन निदेशालय में आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री कुमावत ने स्पष्ट कहा कि कार्यों में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को पाबंद करते हुए निर्देश दिए कि मंगला पशु बीमा योजना के तहत पशुओं के पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) और स्वास्थ्य प्रमाण पत्र (हेल्थ सर्टिफिकेट) जारी करने का काम हर हाल में 30 जून 2026 तक पूरा कर लिया जाए। इसके साथ ही, पशुपालकों के लंबित पडे बीमा क्लेम संबंधी मामलों का निपटारा भी इसी अवधि (30 जून) तक करने के आदेश दिए गए हैं ताकि प्रभावित पशुपालकों को तुरंत राहत मिल सके। योजनाओं की जमीनी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए मंत्री ने पशुवार अलग-अलग लक्ष्य निर्धारित किए हैं। इसके तहत मंत्री ने गाय, भैंस और बकरी के पंजीकरण का 100 फीसदी कार्य 15 जुलाई-2026 तक पूरा करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा राज्य के रेगिस्तानी और ग्रामीण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भेड़ और ऊंटों के पंजीकरण का 80 फीसदी कार्य 15 अगस्त तक पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

कैबिनेट मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सुदूर ग्रामीण इलाकों और ढाणियों में रहने वाले पशुपालकों को इन योजनाओं से जोडने के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाएं। इन शिविरों के माध्यम से मौके पर ही पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण, बीमा पंजीकरण और कृत्रिम गर्भाधान तकनीक को लेकर जागरूकता फैलाई जाएगी।

कुमावत ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार पशुपालकों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सेक्स सॉर्टेड सीमन तकनीक से जहां राज्य में उच्च नस्ल की दुधारू गायों और भैंसों की संख्या बढ़ेगी, वहीं मंगला पशु बीमा योजना से पशुधन के नुकसान की भरपाई आसानी से हो सकेगी। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि तय समय-सीमा में लापरवाही बरतने वालों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस बैठक में संयुक्त शासन सचिव दिनेश कुमार जांगिड़, पशुपालन निदेशक डॉ. सुरेशचंद मीना, निदेशक राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग, निदेशक सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग, पशुपालन विभाग के अतिरिक्त निदेशक जिलों से विभाग के अतिरिक्त निदेशक और संयुक्त निदेशक तथा योजनाओं से संबंधित नोडल अधिकारी उपस्थित थे। जिलों के पशु चिकित्सा अधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिले डॉ. सतीश पूनियां

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से नई दिल्ली स्थित पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय में राज्यसभा सांसद एवं भाजपा हरियाणा के प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां ने मुलाकात की।

नई दिल्ली । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से नई दिल्ली स्थित पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय में राज्यसभा सांसद एवं भाजपा हरियाणा के प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां ने मुलाकात कर संगठनात्मक मार्गदर्शन लिया।

इस अवसर पर सतीश पूनियां की नितिन नबीन के साथ विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि नितिन नबीन के कुशल संगठनात्मक नेतृत्व में संगठन निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है और सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी एवं सर्वसमावेशी संगठन के संकल्प को पूरे देश में नई मजबूती मिल रही है, कार्यकर्ता नई ऊर्जा के साथ पार्टी की मजबूती एवँ राष्ट्र निर्माण के लिये कार्य कर रहे हैं।

सतीश पूनियाँ ने नितिन नबीन का बाड़मेर-जैसलमेर (राजस्थान) की प्रसिद्ध हथकरघा कला से तैयार पट्टू ओढ़ाकर अभिनंदन किया, इस अवसर पर पूनियाँ ने उन्हें ''यशस्वी भारत और अग्निपथ नहीं जनपथ'' पुस्तकें भेंट की । वहीं सतीश पूनियाँ ने भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष से भी मुलाकात कर संगठनात्मक मार्गदर्शन लिया। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, अर्जुनराम मेघवाल व महिला आयोग की राष्ट्रीय अध्यक्ष विजया राहटकर से भी शिष्टाचार भेंट की।

एसडीआरएफ ने 35 जिलों में 70 रेस्क्यू टीमों को किया रवाना

जयपुर। आगामी मानसून सत्र के दौरान बाढ़, जलभराव और अन्य आपदा जनक परिस्थितियों से निपटने के लिए राज्य आपदा प्रतिसाद बल ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। गुरुवार को एसडीआरएफ की 70 विशेष रेस्क्यू टीमों को आधुनिक उपकरणों के साथ प्रदेश के 35 जिलों के लिए रवाना किया गया। इनमें जयपुर आयुक्तालय को सर्वाधिक 8 रेस्क्यू टीमें आवंटित की गई हैं।

एसडीआरएफ के कमांडेंट राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने मुख्यालय स्थित कंट्रोल रूम से टीमों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बताया कि मानसून के दौरान नदियों, बांधों और जलाशयों में जलस्तर बढ़ने से बाढ़ और डूबने जैसी घटनाओं की आशंका रहती है। ऐसी परिस्थितियों में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य के लिए टीमों को संवेदनशील जिलों में तैनात किया गया है। रेस्क्यू टीमों को हाई-स्पीड मोटर बोट, लाइफ जैकेट, लाइफ बॉय, डीप डाइविंग उपकरण, आधुनिक खोज एवं बचाव संसाधन तथा उन्नत संचार साधनों से सुसज्जित किया गया है। ये टीमें जिला प्रशासन, पुलिस, चिकित्सा विभाग, सिविल डिफेंस और अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करेंगी। कमांडेंट सिसोदिया ने रवाना होने से पहले अधिकारियों एवं जवानों को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुरूप राहत एवं बचाव कार्य करने के निर्देश दिए और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। जिलेवार तैनाती में जयपुर आयुक्तालय को 8, भरतपुर को 7, कोटा को 6, जबकि अजमेर, उदयपुर, जोधपुर और बीकानेर को 3-3 रेस्क्यू टीमें आवंटित की गई।

गोविंददेवजी मंदिर में होगा विद्यारंभ संस्कार

जयपुर। भारतीय संस्कृति की प्राचीन गुरुकुल परंपरा को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से श्री गोविन्द देवजी मंदिर में रविवार को पहली बार विद्यालय जाने वाले बच्चों का निःशुल्क विद्यारंभ संस्कार किया जाएगा। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में प्रात: 8 बजे विद्यारंभ संस्कार होगा। इसके बाद नौ से दस बजे तक पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ होगा। हरिद्वार स्थित देव संस्कृति विश्व विद्यालय की देव कन्याओं की टोली विद्यारंभ संस्कार कराएगी। दोनों कार्यक्रमों में कोई भी व्यक्ति शामिल हो सकते हैं। इसके लिए पंजीयन या टोकन की व्यवस्था नहीं हैं।

कार्यक्रम संयोजक सतीश शर्मा ने बताया कि प्राचीन काल में बालक के गुरुकुल में प्रवेश से पूर्व विद्यारंभ संस्कार कराया जाता था। इस संस्कार के माध्यम से बालक को केवल अक्षर ज्ञान ही नहीं, बल्कि सदाचार, अनुशासन, गुरु के प्रति श्रद्धा, ज्ञान और संस्कारयुक्त जीवन का संकल्प भी दिलाया जाता था। इसी परंपरा को वर्तमान पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए यह आयोजन किया जा रहा है। विद्यारंभ संस्कार की शुरुआत भगवान श्री गणेश एवं मां सरस्वती के पूजन से होगी। इसके बाद लेखनी, दवात, पट्टी (स्लेट) तथा गुरु के प्रतीक का पूजन कराया जाएगा। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बच्चों से शिक्षा, संवेदनशीलता, गुरु-निष्ठा और नीति-निष्ठा का संकल्प दिलाया जाएगा।

कलयुगी बेटे ने बुजुर्ग पिता से की बेरहमी से मारपीट

- सांगानेर में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सांगानेर थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। घरेलू विवाद के दौरान एक बेटे ने अपने ही बुजुर्ग पिता के साथ बेरहमी से मारपीट कर दी। थप्पड़ों और घूंसों से हमला करने के बाद उसने पिता को जमीन पर गिराकर लात भी मारी। पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पुलिस के अनुसार घटना 19 जून को सांगानेर थाना क्षेत्र की मारुति नगर कॉलोनी, चंदलाई में हुई। बुजुर्ग आनंदी लाल और उनके बेटे धनपत के बीच घरेलू विवाद के दौरान कहासुनी हुई, जिसके बाद आरोपी बेटे ने पिता के साथ मारपीट कर दी। हमले में बुजुर्ग घायल हो गए। घटना के बाद 21 जून को पीड़ित पिता की शिकायत पर सांगानेर थाने में मामला दर्ज कराया गया। थानाधिकारी लिखमाराम ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे पाबंद किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पिता और बेटा एक ही मकान में रहते हैं। घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और बेटे ने रिश्तों की मर्यादा को ताक पर रखते हुए अपने पिता के साथ मारपीट की।

इधर घटना का सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में आक्रोश है। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोग बुजुर्ग पिता के साथ हुई मारपीट की निंदा करते हुए आरोपी के खिलाफ कडी कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले युवक को सजा

जयपुर । पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1, महानगर प्रथम ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ चार माह तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त रतीराम को 20 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 1.10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुरेन्द्र सिंह राजावत ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीडिता के परिजनों ने 5 फरवरी, 2025 को प्रताप नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया कि करीब 16 साल की पीडिता रात को कमरे में सोई थी, लेकिन सुबह गायब मिली। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 1 जून को अभियुक्त को गिरफ्तार कर पीडिता को बरामद दिया। पुलिस जांच में पता चला कि अभियुक्त उसे बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया था और उसे दिल्ली में अपने साथ चार माह तक रखकर कई बार संबंध बनाए।

'राजस्थान के सभी जिलों में मशरूम की खेती को बढ़ावा मिलेगा'

किसानों को प्रशिक्षण और आधुनिक तकनीक से जोड़ने पर जोर : कृषि आयुक्त

कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने उदयपुर संभाग का दौरा करके मशरूम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तथा प्राकृतिक खेती से संबंधित गतिविधियों का निरीक्षण किया।

जयपुर । कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने उदयपुर संभाग के दौरे के दौरान कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि में नवाचार, प्राकृतिक खेती तथा उच्च मूल्य वाली फसलों को प्राथमिकता दे रही है। इसी क्रम में प्रदेश के सभी जिलों में मशरूम की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा तथा किसानों को व्यापक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

उदयपुर संभाग के कृषि अधिकारियों की समीक्षा बैठक में आयुक्त ने निर्देश दिए कि फार्मर्स फर्टिलाइजर्स फ्रेमवर्क को संभाग के सभी जिलों में तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा, ताकि उर्वरकों का पारदर्शी, वैज्ञानिक एवं प्रभावी वितरण सुनिश्चित हो सके और किसानों को समय पर आवश्यक सुविधाएं मिलें। बैठक में कृषि शिक्षा को अधिक सशक्त बनाने पर भी जोर देते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि राजकीय कृषि महाविद्यालयों के व्याख्याता आधुनिक तकनीक के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करें, जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं नियमित शिक्षा उपलब्ध हो सके।

गोयल ने प्रताप विश्वविद्यालय को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित करने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए, जिससे कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं कौशल विकास को नई गति मिल सके। उन्होंने मशरूम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तथा प्राकृतिक खेती से संबंधित गतिविधियों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, प्राकृतिक खेती, मूल्य संवर्धन तथा मशरूम उत्पादन के संबंध में अधिक से अधिक प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाए। आयुक्त कृषि ने कहा कि कृषि विभाग का लक्ष्य किसानों तक नई तकनीक, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण एवं बेहतर सेवाएं पहुंचाकर कृषि को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाना है। इसके लिए सभी अधिकारी योजनाओं का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

भोलेनाथ का सहस्त्रघटाभिषेक कर जल विहार कराया

जयपुर। ज्येष्ठ शुक्ल की द्वादशी शुक्रवार को राम-लक्ष्मण द्वादशी के रूप में मनाई गई। इस मौके पर मंदिरों में विशेष आयोजन हुए। त्रिपोलिया बाजार के तंवर जी का नोहरा स्थित श्री शिव शक्ति हनुमान मंदिर में श्री मन्त्र नारायण प्रंन्यास मंडल की ओर से भगवान भोलेनाथ का सहस्त्र घटाभिषेक किया गया। पं. दिनेश शर्मा के आचार्यत्व में पांच पंडितों ने कलश, गणेश-गौरी के मंडल बनाकर विधि विधान से पूजन किया।

श्री मन्त्र नारायण प्रंन्यास मंडल के अध्यक्ष पं. तरुण भारती ने पूजा-अर्चना कर सहस्त्र घटाभिषेक किया। इससे पूर्व पंचामृत, विजया, ईक्षु रस सहित विविध औषधि द्रव्यों से अभिषेक किया गया। इसके बाद भगवान भोलेनाथ का फूलों से श्रृंगार कर जल विहार की झांकी सजाई गई। शंख-घंटा-घड़ियाल के साथ महाआरती की गई।

कार्यक्रम में एडवोकेट कमलेश शर्मा, शीला शर्मा, नंदन भौमियां, शीतल शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे। शनि प्रदोष पर शनिवार को छोटीकाशी के सभी शिव मंदिरों में विशेष आयोजन होंगे। ताड़केश्वर नाथ, झारखंड महादेव, जंगलेश्वर महादेव सहित सभी शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहेगी।

अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस का आयोजन आज राजस्थान में पहली बार होगा

अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस का आयोजन आज राजस्थान में पहली बार होगा

- लाभार्थियों को 13 करोड़ रु. से अधिक के चैक और भूमि आवंटन पत्र सौंपेंगे मुख्यमंत्री भजनलाल

जयपुर (कासं)। राजस्थान में पहली बार अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस (27 जून) पर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित कार्यक्रम में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की योजनाओं के लाभार्थियों को ऋण, अनुदान और सब्सिडी के 13 करोड़ रुपये से अधिक के डमी चेक प्रदान करेंगे। साथ ही, रीको की योजनाओं के लाभार्थियों को भूमि आवंटन पत्र और ऑफर लेटर भी सौंपेंगे। इस दौरान राजस्थान इंडस्ट्रीयल डवलपमेंट पॉलिसी, ओडीओपी कॉफी टेबल बुक और रैम्प (राइजिंग एंड एक्सीलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस) पोर्टल भी लॉन्च करेंगे।

कार्यक्रम में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, राज्यमंत्री के. के. विश्नोई, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल और आयुक्त नीलाभ सक्सेना सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। इस दौरान एक जिला एक उत्पाद नीति, विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना, राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर दलित, आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना, एकीकृत कलस्टर विकास योजना, रैम्प और राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन योजना के लाभार्थियों को चेक दिए जाएंगे। साथ ही, रीको की डायरेक्ट लैंड अलॉटमेंट पॉलिसी के आवंटन पत्र और ऑफर लेटर भी प्रदान किए जाएंगे। रेंटल पॉलिसी के तहत भी ऑफर लेटर दिए जाएंगे।

इस युवा खिलाड़ी को सही समय आने पर मौका मिलेगा। भारत सिर्फ़ वैभव के डेब्यू को जल्दी कराने के लिए किसी अच्छे फ़ॉर्म वाले खिलाड़ी को टीम से बाहर नहीं करेगा। प्लेइंग के बारे में फ़ैसला हेड कोच गौतम गंभीर और नए कप्तान श्रेयस अय्यर लेंगे। – सितांशु कोटक

भारतीय बैटिंग कोच, वैभव सूर्यवंशी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ एंथनी अल्बानीज

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ ने राष्ट्रीय फ़ुटबॉल टीम की तारीफ़ की, क्योंकि सॉकरूज़ ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ़ 32 में जगह बना ली है। टीम ने गुरुवार को पैराग्वे के साथ बिना किसी गोल के ड्रॉ खेलने के बाद यह कामयाबी हासिल की। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर अल्बानीज़ ने टीम के प्रदर्शन पर गर्व जताते हुए कहा कि अब फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट राउंड की बारी है। हमारे सॉकरूज़ ने क्या शानदार खेल दिखाया है। आपने देश का मान बढ़ाया है। ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदार और जोश भरे खेल के लिए एडेन ओनील को प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया।

क्या आप जानते हैं ?... सबसे ज्यादा गोल करने का व्यक्तिगत रिकॉर्ड अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के नाम दर्ज है।

आज के मैच

नोर्वे बनाम फ्रांस
रात्रि 12.30 बजे

सेनेगल बनाम इराक
रात्रि 12.30 बजे

कैपवर्दे बनाम सउदी अरब
सुबह 5.30 बजे

उरुग्वे बनाम स्पेन
सुबह 5.30 बजे

न्यूज़ीलैंड बनाम बेल्जियम
सुबह 8.30 बजे

मिस्र बनाम ईरान
सुबह 8.30 बजे

पैराग्वे से गोलरहित ड्रॉ खेलकर ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम 32 में बनाई जगह

सैन फ्रांसिस्को, 26 जून। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप डी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को पैराग्वे के खिलाफ 0–0 से ड्रॉ खेलकर अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। इस परिणाम के साथ ऑस्ट्रेलिया ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहा, जबकि पैराग्वे को अब अगले दौर में पहुंचने के लिए अन्य मुकाबलों के नतीजों का इंतजार करना होगा। सैन फ्रांसिस्को बे एरिया स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में शुरुआत से ही ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक खेल दिखाया। कोच टोनी पोपोविच ने शुरुआती एकादश में छह बदलाव किए और नेस्टोरी इरानकुंडा तथा क्रिस्टियन वोल्पाटो को मौका दिया। मैच के शुरुआती मिनटों में जैक्सन इरविन के पास गोल करने का अच्छा अवसर था, लेकिन पैराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने शानदार बचाव किया। इसके बाद भी जॉर्डन बॉस और वोल्पाटो ने कई हमले किए, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे हाफ में पैराग्वे ने वापसी की कोशिश की। कोच गुस्तावो अल्फारो ने मौरिसियो को मैदान पर उतारा, जबकि जूलियो एनसिसो ने लगातार ऑस्ट्रेलियाई रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया।

हालांकि 82वें मिनट में एनसिसो का शॉट गोलपोस्ट के बाहर चला गया। मैच के अंतिम मिनटों में दोनों टीमों ने जीत के लिए प्रयास किए। 89वें मिनट में जॉर्डन बॉस का तेज़ शॉट मामूली अंतर से गोलपोस्ट के बाहर निकल गया। वहीं मौरिसियो के अंतिम प्रयास को ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर ने आसानी से रोक लिया।

गोंजालो प्लाटा के निर्णायक गोल से इक्वाडोर ने जर्मनी को 2–1 से हराया

न्यूयॉर्क, 26 जून। इक्वाडोर ने शानदार वापसी करते हुए गुरुवार को जर्मनी को 2–1 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम 32 में प्रवेश कर लिया। जीत की सख्त जरूरत के साथ मैदान में उतरी दक्षिण अमेरिकी टीम ने शुरुआती झटके के बावजूद दमदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

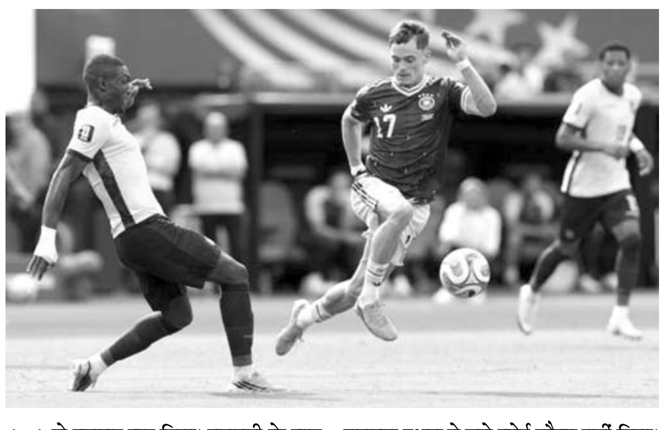

जर्मनी ने मैच की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की और दूसरे ही मिनट में लेरॉय साने ने गोल दागकर अपनी टीम को 1–0 की बढ़त दिला दी। यह किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में साने का पहला गोल था। शुरुआती गोल से पिछड़ने के बाद इक्वाडोर ने लगातार हमले किए। टीम ने टूर्नामेंट में इससे पहले 39 प्रयासों के बावजूद कोई गोल नहीं किया था, लेकिन 40वें प्रयास में आखिरकार सफलता मिली। निल्सन एंगुलो ने शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर गेंद को गोलकीपर मैनुअल नोयर के पास से जाल में पहुंचा दिया और स्कोर 1–1 से बराबर कर दिया। बराबरी के बाद इक्वाडोर का आत्मविश्वास बढ़ गया। मैच के 77वें मिनट में गोंजालो प्लाटा ने नजदीक से गेंद को गोल में पहुंचाकर टीम को 2–1 की निर्णायक बढ़त दिला दी।

अंतिम मिनटों में जर्मनी ने बराबरी की भरसक कोशिश की, लेकिन इक्वाडोर के मजबूत रक्षण ने उसे कोई मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ इक्वाडोर ने फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर ली, जबकि पहले ही अगले दौर में पहुंच चुका जर्मनी इस मुकाबले में हार का सामना करने के बावजूद नॉकआउट चरण में उतरेगा।

तुर्किये ने अतिरिक्त समय में गोल कर अमेरिका को 3-2 से हराया

लॉस एंजिलिस, 26 जून। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप डी के औपचारिक मुकाबले में शुक्रवार को तुर्किये ने अतिरिक्त समय में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत सह–मेजबान अमेरिका को 3–2 से हरा दिया। पहले ही ग्रुप विजेता बनकर अंतिम 32 में पहुंच चुका अमेरिका अपनी लगातार तीसरी जीत की तलाश में था, जबकि टूर्नामेंट से बाहर हो चुका तुर्किये सम्मान बचाने के इरादे से मैदान में उतरा। अमेरिका ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की। तीसरे मिनट में ऑस्टिन ट्रस्टी ने गोल कर टीम को 1–0 की बढ़त दिला दी। यह विश्व कप में अमेरिका के लिए दूसरा सबसे तेज गोल भी रहा। हालांकि तुर्किये ने जल्द ही वापसी की। 10वें मिनट में स्टार खिलाड़ी अर्दा गुलर ने शानदार फिनिश करते हुए विश्व कप का अपना पहला गोल दागकर स्कोर 1–1 कर दिया। इसके बाद 31वें मिनट में एरेन एलमाली के शानदार मूव पर बारिस अल्पर यिलमाज ने गोल कर तुर्किये को 2–1 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ की शुरुआत में अमेरिका ने बराबरी हासिल कर ली। 49वें मिनट में सेबास्टियन बेरहॉल्टर ने दमदार शॉट लगाकर स्कोर 2–2 कर दिया। इसके बाद अमेरिका के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियन पुलिसिक को मैदान पर उतारा गया।

पवन कुमावत का भारतीय टीम में चयन

जयपुर, 26 जून। राजस्थान स्ट्रैंथ लिफ्टिंग के सचिव चंद्रेश सोनी ने बताया कि जयपुर के लालचन्दपुरा निवासी पवन कुमावत का 8 से 12

सितंबर तक होने जा रही वल्ड स्ट्रैंथ लिफ्टिंग किर्गिस्तान के लिए सिनियर वर्ग 68 किलो भार वर्ग में भारतीय टीम मे चयन किया गया पवन कुमावत का चयन हाल हि में हुई सिनियर स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग प्रतियोगिता सिक्किम में ट्रायल के आधार पर किया पवन कुमावत ने इस से पहले भी भारत के लिए कई पदक जित चुके हैं पवन कुमावत कोच पुष्पेन्द्र सिंह राठौर कि देखरेख में तैयारी कर रहे है पवन कुमावत ने अपनी कामयाबी का श्रेय अपने माता पिता जगदीश प्रसाद नान्छी देवी कोच पुष्पेन्द्र सिंह राठोड को दिया पवन कुमावत का लक्ष्य देश को गोल्ड मेडल दिलाना है पवन कुमावत का भारतीय टीम चयन होने पर कोच पुष्पेंद्र सिंह राठोड सचिव चंद्रेश सोनी इडिया टीम के चीफ कोच संदीप कडवासरा नेशनल सेक्रेटरी बाबुल विकास खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

आयरलैंड की ऐतिहासिक जीत, वर्ल्ड चैम्पियन टीम इंडिया को हराकर किया बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली, 26 जून। आयरलैंड ने शुक्रवार को बेलफास्ट में भारतीय क्रिकेट टीम को पहले टी20 मैच में 34 रनों से हराकर सबको चौंका दिया है। आयरलैंड ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 182 रन बनाए। इसके जवाब में टी20 विश्व चैंपियन भारतीय टीम 18.5 ओवर में सभी विकेट खोकर 148 रन ही बना सकी। भारत के लिए अभिषेक शर्मा ने सर्वाधिक 50 रन बनाए। आयरलैंड की ओर से मैथ्यू हम्फ्रीज और होलॉर्ड ने 3–3 विकेट लिए। आयरलैंड की टीम पहली बार भारत को किसी फॉर्मेट में हरा पाई है।

भारतीय बल्लेबाजों का फ्लॉप शो

आयरलैंड ने पहले टी20 मैच में शुक्रवार को 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 182 रन बनाए। टीम के लिए कप्तान लोर्कन टकर ने 36 गेंद में सर्वाधिक 50 रन बनाए। गैरथ ने 49 रन की पारी खेली। भारत के लिए प्रसिद्ध कृष्णा सबसे महंगे रहे। हर्षित राणा ने तीन, अर्शदीप–अक्षर को 2–2 विकेट मिले। इसके जवाब में भारत ने दूसरे ओवर में संजू सैमसन का विकेट गंवाया। वह 4 गेंद में 5 रन ही बना सके। ईशान किशन 5 गेंद में एक रन बनाकर आउट हुए। कप्तान श्रेयस अय्यर 7 गेंद में तीन रन ही बना पाए। अभिषेक शर्मा 20 गेंद में 50 रन की दमदार पारी खेलकर पवेलियन लौटे। तिलक वर्मा 21 गेंद में 19 रन ही बना सके। भारत ने 11वें ओवर में पांच विकेट गंवा दिए हैं। वॉशिंगटन सुंदर 12 गेंद में 9 रन ही बना पाए। शिवम दुबे 25 और अक्षर 15 रन बनाकर आउट हुए। हर्षित राणा ने 8 रन और अर्शदीप दो रन बनाकर आउट हुए। आयरलैंड की ओर से मैट हॉलार्ड और मैथ्यू हंपहरेज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन–तीन विकेट झटके।

डिसिल्वा का शतक भी नहीं आया काम, वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को 308 पर समेटा

नई दिल्ली, 26 जून। कप्तान धनंजय डिसिल्वा के 13वें टेस्ट शतक के बावजूद वेस्टइंडीज ने पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन श्रीलंका को 308 रन पर समेट दिया। डिसिल्वा ने 168 गेंद में 17 चौकों से 120 रन की पारी खेली। उन्होंने उस समय दिनेश चांदीमल (54) के साथ चौथे विकेट के लिए 68 और सोनल दिनुशा (43) के साथ छठे विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी की जब टीम 42 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। मिलन रत्नायके (27) के साथ सातवें विकेट के लिए 64 रन और जोड़ने के बाद मेहमान टीम के कप्तान आखिरी सत्र में 120 रन पर आउट हो गए। जब 65वें ओवर में डिसिल्वा आउट हुए तब श्रीलंका का स्कोर सात विकेट पर 272 रन था और सात ओवर बाद उनकी पारी खत्म हो गई जब जेडन सील्स और जस्टिन ग्रीव्स ने निचले क्रम को समेटा। दो मैच की श्रृंखला के पहले मैच में वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाजों जॉन कैंपबेल और ब्रैंडन किंग को स्टंप से पहले एक ओवर खेलना पड़ा जिसमें टीम ने कोई विकेट नहीं खोया लेकिन टीम का खाता भी नहीं खुला। ग्रीव्स ने 39 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि अल्जारी जोसेफ, केमार रोच और शमार जोसेफ ने दो–दो विकेट चटकाए।

जापान और स्वीडन ने ड्रॉ खेलकर अंतिम 32 में बनाई जगह

डलास, 26 जून। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप चरण के मुकाबले में जापान और स्वीडन ने गुरुवार को 1–1 से ड्रॉ खेलते हुए अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। इस परिणाम के साथ जापान ग्रुप में उपविजेता रहा, जबकि स्वीडन तीसरे स्थान पर रहते हुए भी अगले दौर में पहुंचने में सफल रहा। पहला हाफ गोलरहित समाप्त हुआ, जिसमें दोनों टीमों ने कुछ मौके बनाए लेकिन कोई भी उन्हें गोल में नहीं बदल सकी। स्वीडन के लिए एंथनी एलांगा और अलेक्जेंडर बर्नहार्डसन ने आक्रामक खेल दिखाया, जबकि जापान की ओर से दाइज़ेन माएदा और आयासे उएदा ने प्रयास किए। दूसरे हाफ की शुरुआत में जापान ने दबाव बढ़ाया और 56वें मिनट में शानदार टीम मूव के बाद दाइज़ेन माएदा ने गोल दागकर टीम को 1–0 की बढ़त दिला दी। इस गोल में रित्सु दोआन और आयासे उएदा की बेहतरीन तालमेल देखने को मिली। हालांकि जापान की बढ़त ज्यादा देर कायम नहीं रह सकी। 62वें मिनट में स्वीडन के एंथनी एलांगा ने बॉक्स के बाहर से शानदार लंबी दूरी का शॉट लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाया और मुकाबला 1–1 से बराबर कर दिया।

अक्षत-देवांश एवं विनय प्रताप-युवराज की जोड़ी फाइनल में पहुंची

जयपुर, 26 जून। आर.डी. बाहेती जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता में शुक्रवार को विभिन्न आयु वर्गों के रोमांचक मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता में अंडर–19 बालक एवं बालिका वर्ग के सिंगल्स, अंडर–13 बालक एवं बालिका वर्ग के सिंगल्स एवं डबल्स, अंडर–15 बालक–बालिका वर्ग के डबल्स एवं मिक्स डबल्स तथा अंडर–17 बालक–बालिका वर्ग के डबल्स मुकाबले आयोजित किए गए।

अंडर–17 बालक वर्ग के डबल्स सेमीफाइनल में अक्षत शेखावत एवं देवांश तोमर की जोड़ी ने तपेश्वर एवं तेजेश्वर पूनिया की जोड़ी को 15–13, 15–13 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में विनय प्रताप एवं युवराज की जोड़ी ने भावेश एवं दर्शील की जोड़ी

को 15–12, 17–15 से हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई। अंडर–17 बालिका वर्ग के डबल्स सेमीफाइनल में आराध्या एवं पद्मजा की जोड़ी ने अदा वर्मा एवं मानसी की जोड़ी को 15–12, 15–9 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरे सेमीफाइनल में अद्विका अग्रवाल एवं अद्विता शर्मा की जोड़ी ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में ओजस्विता दुबे एवं पर्ल पारिख की जोड़ी को 15–7, 14–16, 15–12 से पराजित कर फाइनल का टिकट कटाया।

अंडर–15 गर्ल्स डबल्स में आराध्या ढींगरा एवं पद्मजा की जोड़ी ने कवीश एवं खुशी की जोड़ी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इसके अलावा अंडर–19 बालक सिंगल्स के दो राउंड, अंडर–19 बालिका सिंगल्स का एक राउंड तथा अंडर–13 बालक एवं बालिका वर्ग के सिंगल्स के एक–एक राउंड के मुकाबले भी खेले गए। प्रतियोगिता के शेष मुकाबले देर रात तक जारी रहे। जिला बैडमिंटन संघ के सचिव मनोज दासोत ने बताया कि आज के मुख्य अतिथि रिटायर्ड एडिशनल एसपी एवं नगर निगम अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया।

राजस्थान क्रिकेट संघ एजीएम सम्पन्न : चुनाव के अलावा सभी जिला संघों द्वारा आरसीए एडहॉक के सभी निर्णयों को किया सर्वसम्मति से स्वीकृत

जयपुर, 26 जून। राजस्थान क्रिकेट संघ की वार्षिक साधारण सभा आज आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव की अध्यक्षता में आरसीए अकादमी पर संपन्न हुई. एजीएम में आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग में संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव, सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर, आशीष तिवाड़ी, सुशील जैन, अरिष्ट सिंघवी सहित जिला क्रिकेट संघ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव के अनुसार आज आरसीए अकादमी पर आयोजित राजस्थान क्रिकेट संघ वार्षिक साधारण सभा में उपस्थित सभी जिला संघ प्रतिनिधियों ने राज्य में क्रिकेट के संचालन, जिला संघों से समन्वय व क्रिकेट के विकास के लिए आरसीए की वर्तमान एडहॉक कमेटी द्वारा लिए गए निर्णयों व कामकाज की जमकर प्रशंसा की।

संयोजक के अनुसार मीटिंग में मुख्य रूप से लिए गए निर्णय :-

आरसीए के वार्षिक बजट 2026–27 की स्वीकृति राज्य के प्रतिभावान खिलाडीमानव सुथार को भारतीय टेस्ट टीम का प्रतिनिधित्व करने पर बड़ी देते है आरसीए ने उन्हें सम्मानित करने का फैसला करते हुए 11 लाख की इनामी राशि देने का निर्णय किया। राज्य के सभी जिला क्रिकेट संघो को खेल गतिविधियों के लिए वार्षिक अनुदान को 5 लाख

रूपयेसे बढाकर12 लाख रूपये देने का भी निर्णय किया गया। आरसीए सचिव /संयोजक की वर्ष 2025–26 रिपोर्ट की स्वीकृति। आरसीए कोषाध्यक्ष / संयोजक की वर्ष 2025–26 की स्वीकृति।

- एजीएम में नागौर जिला संघ के डिसऐफीलेशन व भरतपुर जिला संघ के निलंबन पर लगाई मोहर।
- राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता सीकर –उदयपुरफाइनल मैच के पहले दिन का स्कोर।
- राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन प्रतियोगिता का सीकर – जयपुर के मध्य कल जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में खेला जाएगा फाइनल मैच।
- राजस्थान के युवा तेज गेंदबाज अभिषेकमूंड एमआरएफ पेस फाउंडेशन के ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट अकादमी, ब्रिस्बेन दौर पर जायेंगे।

आरसीए अकाउंट्स 2025–26 को स्वीकृति। आरसीए लोकपाल को हटाने व नए लोकपाल की नियुक्ति हेतु एडहॉक कमेटी को किया अधिकृत। आरसीए के असाधारण आम बैठक (परिसंचार द्वारा) के सभी निर्णयों को सर्वसम्मति से किये स्वीकृत।

संयोजक के अनुसार एजीएम मीटिंग में नागौर जिला क्रिकेट संघ केडिसऐफीलेशन व भरतपुर जिला संघ के निलंबन पर लगाई मोहर साथ ही एक कमेटी का गठन कर भरतपुर जिला क्रिकेट संघ सचिव पर लगे महिला हैरेसमेंट के आरोपों सहित जिला क्रिकेट संघ के कार्यों की 25 दिन में जाँचकर आरसीए एडहॉक कमेटी को रिपोर्ट सौंपने पर सभी उपस्थित जिला संघ प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से स्वीकृत किया।

भरतपुर जिला क्रिकेट संघ के सचिव शत्रुघ्न तिवारी ने कहा कि पहले मेरे खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। साथ ही अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा मैं पुलिस, एसओजी या किसी भी एजेंसी से जांच कराने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। पहले मेरे खिलाफ एफ आई आर दर्ज कराई जाए। इसके बाद निष्पक्ष जांच कराई जाए। एडहॉक कमेटी को जांच कराने का अधिकार किस आधार पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि एडहॉक कमेटी के संयोजक मोहित यादव अपने चहेतों को भरतपुर जिला क्रिकेट संघ में लाना चाहते हैं, इसलिए मेरे खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। अगर मेरे ऊपर लगे आरोप सिद्ध हो जाते हैं तो आजीवन क्रिकेट छोड़ दूंगा।

आरसीए एडहॉक के पूर्व संयोजक डी डी कुमावत के आरसीए को बिना किसी अधिकार के देवस्थान विभाग में पंजीकृत करने के प्रयासों के विरुद आरसीए एजीएम में उपस्थित सभी जिला संघ प्रतिनिधियों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया व आरसीए एडहॉक कमेटी को उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने के लिए अधिकृत किया। सदस्य आशीष तिवाड़ी ने बताया की मीटिंग में आरसीए के जयपुर में निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम व उदयपुर में स्टेडियम के निर्माण की रुपरेखा तैयार करने व सभी सम्बंधित सहयोगियों से संपर्क कर सभी गतिरोधों को दूर कर जल्द से जल्द निर्माण को धरातल पर लाने की प्रक्रिया शुरू करने हेतु सभी सदस्यों ने आरसीए एडहॉक कमेटी को अधिकृत किया।

तिवाड़ी के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी का लक्ष्य है की जल्द से जल्द हम राज्य के सभी जिलों में क्रिकेट मैदान का निर्माण कर राज्य के युवाओं को एक सुनहरा भविष्य देना चाहते हैं।

एडहॉक सदस्य सुशील जैन ने आरसीए एजीएम में उपस्थित सभी जिला संघ प्रतिनिधियों को एजीएम मीटिंग को सफल बनाने व आरसीए एडहॉक कमेटी के 90 दिन के कार्यकाल की प्रशंसा सहित धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री की यात्रा की तैयारियों पर अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्रेजेन्टेशन दिया

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सभा स्थल पर पार्किंग, पेयजल, छाया की व्यवस्था के निर्देश दिए

जयपुर, 26 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आगामी 4 जुलाई की प्रस्तावित राजस्थान यात्रा एवं पचपदरा रिफाइनरी के उद्घाटन की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्चस्तरीय बैठक ली। उन्होंने कार्यक्रम के सफल एवं सुचारू संचालन के लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने एवं सभी तैयारियां तय समय तक पूर्ण करने को लेकर दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सबसे बड़े प्रोजेक्ट एवं भारत के पहले ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी कम पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स की शुरुआत होना गर्व का क्षण है। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में सभा स्थल पर पार्किंग, पेयजल, बैठक व्यवस्था जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उच्च गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर प्रधानमंत्री का कार्यक्रम लाइव दिखाने की व्यवस्था की जा रही है, वहां आमजन के लिए छाया, पानी, चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। इसके साथ ही, वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़ने वाली सभी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, जिन स्थानों पर प्रधानमंत्री का कार्यक्रम लाइव दिखाने की व्यवस्था की जा रही है, वहाँ आमजन के लिए छाया, पानी, चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।**

ग्राम पंचायतों, नगरपालिकाओं और जिलों में तकनीकी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं।

बैठक में अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर प्रजेंटेशन दिया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री कार्यालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित, उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, बालोतरा से एचआरआरएल के अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

कोयले के ट्रक से टक्कर में बैंड पार्टी के 7 सदस्यों की मौत

रामगढ़, 26 जून। रामगढ़-बोकारो मुख्य मार्ग (एनएच-23) पर बारलोंग के समीप गुरुवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में बैंड-ताशा पार्टी से जुड़े सात लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर किया गया है। दुर्घटना के बाद, आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच-23 जाम कर दिया और सड़क सुरक्षा संबंधी मांगों को लेकर धरने पर बैठ गए। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है।

पुलिस के अनुसार, बलसगरा के दो लोग और मरांगमरचा गांव के बैंड-ताशा पार्टी के सदस्य एक कार्यक्रम के सिलसिले में सवारी वाहन से मरांगमरचा पहुंचे थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वाहन में छह अन्य सदस्यों को लेकर सभी बलसगरा लौट रहे थे। इसी दौरान रामगढ़ की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे कोयला लदे एक ट्रक ने ओवरटेक करने के क्रम में सवारी वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि सवारी वाहन के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

राम मंदिर ट्रस्ट : महासचिव चंपत राय व सदस्य अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दिया

अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि इस्तीफे का निर्णय निष्पक्षता व पारदर्शिता बनाये रखने के उद्देश्य से लिया गया

अयोध्या, 26 जून। रामनगरी अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दान में कथित चोरी के मामले की जांच के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने शुक्रवार को अपने-अपने पद से इस्तीफा दे दिया। श्रीराम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र ने दोनों के इस्तीफे की पुष्टि की है।

जांच की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

जानकारी के अनुसार, चंपत राय और अनिल मिश्रा ने अपने त्यागपत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास

- **एफआईआर दर्ज होने तथा आठ आरोपियों को हिरासत में लेने की पृष्ठभूमि में ट्रस्ट के पदाधिकारियों के इस्तीफे महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।**

को सौंप दिए हैं। दोनों ने ऐसे समय में इस्तीफा दिया है, जब दान में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) की कार्रवाही तेज हो गई है।

एसआईटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के आधार पर गुरुवार को इस मामले में आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई थी। इसके बाद सभी आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया। जांच में तेजी आने के साथ ही ट्रस्ट के दोनों पदाधिकारियों के इस्तीफे को महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है।

फिलहाल एसआईटी पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच कर रही है। जांच एजेंसी से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं की गहन पड़ताल की जा रही है और जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली की ''शील्ड'' (रक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजस्थान के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया। करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं, जिसके बाद हुई हल्की बारिश और गरज के कुछ राहत मिली।

शहर में खुले पड़े निर्माण सामग्री के ढेर और खुदाई में निकलने वाली मिट्टी के कारण दिल्ली में स्थानीय स्तर पर धूल की मात्रा और बढ़ जाती है।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने मई और जून के दौरान धूल भरी तेज हवाओं को लेकर कई 'नाउकास्ट' चेतावनियां जारी कीं। 'नाउकास्ट' अचानक बदलने वाले मौसम के लिए अल्पकालिक स्थानीय चेतावनी होती है। हर साल मानसून से पहले दिल्ली में ऐसी आंधियां कई बार आती हैं, हालांकि उनकी तीव्रता और संख्या हर वर्ष अलग-अलग होती है।

धूल भरी आंधियां प्राकृतिक घटनाएं हैं, लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि बढ़ता वैश्विक तापमान इन्हें और अधिक खतरनाक बना रहा है।

गर्मियों में ज्यादा गर्मी के कारण वातावरण में ज्यादा ऊर्जा जमा हो जाती है। इससे वही अस्थिर मौसम बनता है, जिसके कारण ये धूल भरी आंधियाँ चलती हैं। इस बात पर अभी स्पष्ट सहमति नहीं है कि इनकी संख्या बढ़ रही है, लेकिन इनके पीछे की हीटवेव (लू) और अस्थिर मौसम की स्थिति पहले से अधिक गंभीर होती जा रही है।

इसके बाद, यह धूल शहर के प्रदूषण में मिल जाती है, जिससे वायु की गुणवत्ता बेहद खतरनाक स्तर तक पहुंच जाती है।

दशकों से हो रहे खनन, पेड़ों की कटाई और अनियन्त्रित निर्माण कार्यों ने अरावली पर्वतमाला में दरारें और खाली जगह बना दी हैं। इससे अधिक मात्रा में धूल सीधे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) तक पहुंच जाती है।

यही एक कारण है कि सड़क की धूल, जिसका बड़ा हिस्सा निर्माण कार्य और टूटी-फूटी सड़कों से पैदा होता है, मोटे पीएम10 कणों का सबसे बड़ा स्रोत बन गई है। पीएम10 ऐसे कण होते हैं, जिनकी चौड़ाई 10 माइक्रोमीटर तक होती है, जो इंसान के बाल की मोटाई से भी कई गुना पतले होते हैं।

निर्माण कार्यों से रेगिस्तान जैसे बड़े तूफान नहीं उठते। इनके कारण शहर में बड़ी मात्रा में धूल अस्तित्व में आ जाती है, जिसे हवा आसानी से उड़ा लेती है। जब थार रेगिस्तान से धूल भरी आंधी आती है, तो उसकी तेज हवाएं शहर में पहले से जमी इस धूल को भी दोबारा हवा में उड़ा देती हैं। इसके बाद रेगिस्तान की धूल और शहर की धूल मिल जाती हैं, जिससे पीएम10 और उससे भी छोटे, पीएम2.5 कणों की मात्रा तेजी से बढ़ जाती है और आंधी खत्म होने के काफी समय बाद तक ये कण हवा को खतरनाक बनाये रखते हैं।

ये धूल भरी आंधियां मुख्य रूप से मानसून से पहले के मौसम में, मार्च से जून के बीच, सबसे अधिक आती हैं। मानसून आने के बाद, बारिश धूल को बैठा देती है और जमीन को ठंडा कर देती है, जिससे इन आंधियों में कमी आ जाती है।

ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए 6 भारतीय सैनिक सम्मानित

नई दिल्ली, 26 जून। सरकार ने पहली बार ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए 6 भारतीय सैनिकों के नाम सार्वजनिक किए हैं। पहलगाम में हुये आतंकी हमले के बाद, ऑपरेशन सिंदूर पिछले साल मई में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए चलाया गया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, इन छह सैनिकों के नाम नेशनल वॉर मेमोरियल की वेबसाइट पर रोल ऑफ ऑनर सेक्शन में प्रकाशित किए गए हैं। नई दिल्ली में नेशनल वॉर मेमोरियल में भी इनके नाम लिखे गए हैं। शहीदों में भारतीय सेना के 5 जवान और भारतीय वायुसेना के एक सार्जेंट शामिल हैं। दो शहीदों को सरकार ने उनकी बहादुरी के लिए सम्मानित भी किया है।

होर्मुज़ से निकलने वाले जहाज निर्धारित रुट का पालन करें- ईरान

ईरान ने चेतावनी दी कि तय मार्ग से हटकर गुजरने वालों की सुरक्षा का दायित्व वह नहीं लेगा

तेहरान, 26 जून। ईरान की पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अफेयर्स अथॉरिटी (पीजीएसए) ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने वाले सभी जहाजों को निर्धारित ट्रांजिट मार्गों का अनिवार्य रूप से पालन करने का निर्देश दिया है। प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि तय मार्गों से हटकर आवाजाही करने वाले जहाजों को सुरक्षित पारगमन की गारंटी, बीमा सुरक्षा और उससे संबंधित किसी भी दायित्व का लाभ नहीं मिलेगा।

ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम न्यूज के अनुसार, गुरुवार को जारी बयान में पीजीएसए ने कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य से सुरक्षित और व्यवस्थित नौवहन सुनिश्चित करने के लिए ईरानी अधिकारियों द्वारा निर्धारित ट्रांजिट मार्गों का पालन आवश्यक है। यदि कोई जहाज निर्धारित ढ ांचे से बाहर किसी अन्य मार्ग का उपयोग करता है तो वह सुरक्षित मार्ग की गारंटी और आधिकारिक सुरक्षा व्यवस्था के दायरे से बाहर माना जाएगा। प्राधिकरण ने स्पष्ट

- **ये निर्देश ईरान और अमेरिका के बीच इस्लामाबाद मैमोरैंडम पर हस्ताक्षर होने के बाद जारी किये गए।**

किया कि बिना अनुमति वाले मार्गों से नौवहन के कारण यदि कोई दुर्घटना, सुरक्षा संबंधी समस्या या अन्य नुकसान होता है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित जहाज के मालिक, संचालक और कप्तान की होगी। ऐसे मामलों में ईरानी प्रशासन किसी प्रकार की जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करेगा।

बयान में कहा गया है कि यह निर्देश ईरान और अमेरिका के बीच इस्लामाबाद मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर के बाद जारी किया गया है। इस समझौते के तहत होर्मुज़ जलडमरूमध्य से जहाजों की सुरक्षित और सुचारु आवाजाही के लिए ट्रांजिट संबंधी प्रक्रियाएं तथा दिशा-निर्देश तय किए गए हैं।

पीजीएसए के अनुसार, निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए ट्रांजिट अनुरोध प्रस्तुत करने वाले जहाजों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पारगमन की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके लिए जहाजों को जलडमरूमध्य के निर्धारित क्षेत्र में प्रवेश से कम से कम 48 घंटे पहले पीजीएसए के आधिकारिक माध्यम से आवेदन करना होगा। आवेदन में वैध संचार संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना भी अनिवार्य होगा।

डीजीपी राजीव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, पुलिस अधिकारियों एवं शुभचिंतकों ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत पुण्यात्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय वियोग को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

मध्यप्रदेशः ताजिये में करंट आने से तीन की मौत

रतलाम, 26 जून। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के पिपलौदा क्षेत्र के ग्राम हतनारा में मोहर्रम जुलूस के दौरान गुरुवार रात बड़ा हादसा हो गया। ताजिया के 11 केवी हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से उसमें करंट फैल गया, जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 12 से अधिक लोग झुलस गए।

हादसे के बाद, जुलूस में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। ग्रामीणों और निजी वाहनों की मदद से घायलों को तत्काल

- **दस- बारह फिट ऊंचा ताजिया लोगों द्वारा उठाने पर 16-17 फिट ऊंचा हो गया और हाईटेंशन लाइन से टकरा गया।**

रतलाम मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार, घटना रात करीब 11:15 बजे की है। पंचमुखी महादेव मंदिर और मस्जिद के बीच मुख्य मार्ग से ताजिया निकाला जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ताजिया करीब 10 से 12 फीट ऊंचा था, लेकिन लोगों द्वारा उठाने के बाद इसकी ऊंचाई करीब 16 से 17 फीट तक पहुंच गई। इसी दौरान ताजिया ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से टकरा गया और जोरदार आवाज के साथ करंट फैल गया।

इस हादसे में ग्राम हतनारा निवासी अरबाज खान, रशीद खान और सद्दू खान की मौत हो गई। वहीं कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया।

एनआईए में कॉन्ट्रैक्ट पर काम करता है मान के वीडियो की फर्जी रिपोर्ट देने वाला

गिरफ्तार किये गये दोनों आरोपी किसी भी फॉरेंसिक लैब से संबंधित नहीं हैं

गुरुग्राम, 27 जून। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के कथित विवादित वीडियो को फर्जी फॉरेंसिक रिपोर्ट से क्लीन चिट देने के मामले में एक नया खुलासा हुआ है। गुरुग्राम पुलिस की जांच में पता चला है कि गिरफ्तार किए गए दो आोपियों में से एक आरोपी अंकित राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) में कॉन्ट्रैक्ट पर काम करता है। दूसरा आरोपी अरुण पंचकूला में परिवार पहचान पत्र कार्यालय में काम करता है। गिरफ्तार किए गए ये दोनों आरोपी किसी सरकारी या मान्यता प्राप्त फॉरेंसिक लैब से नहीं जुड़े हैं। फिलहाल पुलिस ने रुपयों

- **गुरुग्राम पुलिस को होटल क्राउन प्लाज़ा के एंट्री रजिस्टर में लुधियाना के पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा व एसपी जसदीप गिल के नाम मिले।**

के लेन-देन की जांच करने के लिए दोनों आरोपियों के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है और जांच जारी है।

गुरुग्राम पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने यह बात स्वीकार भी की है कि उनका किसी तकनीकी या साइबर फॉरेंसिक लैब से कोई संबंध नहीं है। पैसों के लालच में उन्होंने फर्जी रिपोर्ट तैयार की थी। आरोपी अंकित के एनआईए से संबंध पाए जाने पर गुरुग्राम पुलिस ने पूरे मामले की सूचना एनआईए के वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दी है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) नवीन शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों से पूछताछ में पंजाब पुलिस के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के नाम भी उजागर हुए हैं। अब उनकी भूमिका और आरोपियों से हुई बातचीत के तकनीकी साक्ष्यों की जांच की जा है। पुलिस ने गुरुग्राम के क्राउन प्लाजा होटल से सीसीटीवी फुटेज और आगंतुकों का एंट्री रजिस्टर भी जब्त किया है। होटल के रिकॉर्ड में लुधियाना के पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा और एसपी जसदीप गिल के नाम मिले हैं।

वेनेज़ुएला में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस आपदा से लगभग 67.6 लाख लोग प्रभावित हो सकते हैं, जिनमें करीब 20 लाख लोग अकेले राजधानी काराकास में रहते हैं।

पहली हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल जींद और दिल्ली के बीच चल रहा है

जींद, 26 जून। हरियाणा के जींद रेलवे जंक्शन से हाइड्रोजन ट्रेन को शुक्रवार को हाई-स्पीड ट्रायल के लिए दो डीजल इंजनों के साथ दिल्ली रवाना किया गया। जींद से दिल्ली तक ट्रेन की गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा रही। इसके बाद दिल्ली-सोनीपत रेलखंड पर विभिन्न चरणों में ट्रेन का परीक्षण किया गया।

इस दौरान, दिल्ली से सोनीपत रूट पर ट्रेन का ट्रायल 85 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से किया गया। वहीं सोनीपत से दिल्ली जाते समय भी ट्रेन की स्पीड 85 किलोमीटर प्रति घंटा थी। इसके बाद दिल्ली से सोनीपत जाते समय ट्रेन की स्पीड 100 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित रखी गई। वहीं सोनीपत से दिल्ली रूट पर 100 किलोमीटर प्रति घंटा की गति निर्धारित

- **हाई स्पीड ट्रायल के हर चरण में ट्रेन की स्पीड बढ़ाई गई**

रखी गई। दिल्ली से सोनीपत आते समय अंतिम चक्कर में 120 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड रखी गई। इसके बाद ट्रेन सोनीपत से वापस जींद आएगी। हाई स्पीड ट्रायल की तैयारियों को लेकर 24 जून को आरडीएसओ (रेलवे डिजाइन संगठन मानक) टीम जींद रेलवे स्टेशन पर पहुंची थी। टीम ने हाइड्रोजन ट्रेन के अंदर वायरिंग और प्लेटिंग का काम पूरा किया। शुक्रवार को ट्रेन का हाई स्पीड ट्रायल किया गया।

गौरतलब है कि हाइड्रोजन ट्रेन का इससे पहले 75 और 85 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से स्पीड ट्रायल हो चुका है। शुक्रवार को हाई स्पीड टेस्ट के दौरान, हर बारीक पहलू पर नज़र रखी जायेगी। ट्रायल में ब्रेकिंग सिस्टम, इंजन की क्षमता, कंपन सिस्टम ट्रैक पर स्थिरता जैसी परिस्थितियों का आंकलन किया गया।

ट्रायल के दौरान ट्रेन की तकनीकी क्षमता और सुरक्षा मानकों की जांच होगी। हाई स्पीड परीक्षण के लिए बाहर से हाइड्रोजन गैस का एक विशेष टैंकर मंगवाया गया था, ताकि ट्रेन को पर्याप्त ईंधन मिल सके। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह परीक्षण हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण चरण है। इसके सफल रहने पर देश में स्वच्छ ऊर्जा आधारित रेल संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा।

भारत ने दो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राहत सामग्री तथा दो भीष्म क्यूब्स शामिल हैं, जिनका उपयोग आपदा प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल चिकित्सा सहायता और राहत कार्यों के लिए किया जाएगा। डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारत इस कठिन समय में वेनेजुएला की सरकार और वहां के नागरिकों के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और आवश्यकता पड़ने पर आगे भी सहयोग जारी रखेगा।

अमेरिका के रिज़र्व बैंक के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ग्रीनस्पैन यूरोप में वित्तीय विशेषज्ञों के एक सम्मेलन में शामिल होने गए हुए थे। तत्काल अमेरिका लौटने में उन्हें कठिनाई हुई। उस समय अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था में विश्वास बनाए रखने में फैडरल रिज़र्व और उसकी मॉनिटरी पॉलिसी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी।

ग्रीनस्पैन का फॉमूला था, बैंक और फायनैंशियल सिस्टम से, धन का प्रवाह किसी भी कीमत पर बनाए रखने के लिए कहना। यदि आवश्यकता पड़ी तो लेंडर ऑफ लास्ट रिजॉर्ट (आखिरी उम्मीद के तौर पर कर्ज़ देने वाले) के तौर पर फैडरल रिज़र्व संकट के दौरान बैंकों को रीफाइनेंस उपलब्ध कराएगा। आखिरकार, पर्ल हार्बर के बाद अमेरिका ने अपने ऊपर इतना बड़ा हमला पहली कभी नहीं देखा था।

11 सितंबर के हमलों के बाद ग्रीनस्पैन का फार्मूला कामयाब रहा और बाजारों का भरोसा व स्थिरता वापस आ गई। इससे ग्रीनस्पैन के उस विश्वास को मजबूती मिली कि यदि बाजार को समय और अवसर दिया जाए तो वह स्वयं को सुधारने और फिर से मजबूत करने की क्षमता रखता है। अमेरिकी पूंजीवाद की आत्म-पुनर्निर्माण क्षमता पर उनका भरोसा सही साबित होता दिखाई दिया।

ग्रीनस्पैन की सोच अमेरिकी बैंकिंग व्यवस्था में गहराई तक समा गई थी और उनके फैडरल रिज़र्व छोड़ने के बाद भी उनकी विरासत आगे बढ़ती रही।

हालांकि, संभवतः ग्रीनस्पैन यह समझते थे कि अत्यधिक उदार मौद्रिक नीति और लगातार कम ब्याज दरों के जरिए वित्तीय व्यवस्था में नकदी भरने से अंततः एक अस्थिर बुलबुला (बबल) बन सकता है। लेकिन उन्होंने न तो इसे खुले तौर पर स्वीकार किया और न ही ऐसी स्थिति से निपटने के लिए कोई ठोस नीति विकसित की।

इसी दौरान उन्होंने वित्तीय क्षेत्र में नए-नए नवाचारों और जटिल तथा कम पारदर्शी वित्तीय साधनों के विकास को भी बढ़ावा दिया। इनमें प्रतिभूतियों का सेक्यूरिटाइजेशन और डेरिवेटिव कारोबार जैसे आधुनिक वित्तीय उत्पाद शामिल थे। शुरुआत में इनका दायरा नियंत्रित रहा, लेकिन धीरे-धीरे इनका आकार इतना बढ़ गया कि उस पर नियंत्रण रखना कठिन हो गया।

जब अमेरिका में सब-प्राइम ऋण संकट पैदा हुआ, तब वित्तीय व्यवस्था इतनी जटिल और जोखिमपूर्ण हो चुकी थी कि वह इस संकट का सामना करने के लिए तैयार नहीं थी। कारोबार का स्तर टिकाऊ सीमा से काफी आगे निकल चुका था। यह भी एलन ग्रीनस्पैन की उस अटूट मान्यता का परिणाम था कि अमेरिकी पूंजीवादी बाजार स्वयं अपनी गलतियों को सुधारने की क्षमता रखता है।

2006 में फैडरल रिज़र्व से सेवानिवृत्त हो चुके एलन ग्रीनस्पैन की नीतियों और बाजार संबंधी दर्शन का असर इतना व्यापक था कि उन्होंने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया। इसका प्रभाव केवल बड़े निवेशकों और वित्तीय संस्थानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि दुनिया के दूर-दराज़ क्षेत्रों में रहने वाले छोटे बचतकर्ताओं तक भी पहुंचा, जो वॉशिंगटन डी.सी. की चमक-दमक से कोसों दूर थे।

बंगाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अल्पसंख्यक मामले एवं मदरसा शिक्षा (माइनॉरिटी अफेयर्स एण्ड मदरसा एजुकेशन- एमएएमई) विभाग के बजट में 62 प्रतिशत की कटौती की है। इसके तहत, बजट आवंटन 5,713 करोड़ रुपये से घटाकर 2,165 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इस कटौती को लेकर राज्य में बड़ी राजनीतिक बहस शुरु हो गई है। मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार ने मदरसा शिक्षा को बढ़ावा देकर अल्पसंख्यक मुसलमानों को ''मूर्ख'' बनाया था। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अभिभावकों से अपील कर रही है कि वे अपने बच्चों को मदरसा शिक्षा पर निर्भर रखने के बजाय, प्रोफेशनल और तकनीकी शिक्षा की ओर बढ़ाएं। इस बीच, पश्चिम बंगाल के लिए तैयार किए गए यूसीसी विधेयक के मसौदे में लिव-इन संबंधों का पंजीकरण अनिवार्य करने और तलाक के लिए सभी समुदायों पर समान कानूनी प्रक्रिया लागू करने का भी प्रस्ताव भी है।

ऑयल संकट कुछ कम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मॉनसून के मुख्य महीनों के दौरान अल नीनो और मज़बूत होता है, तो खाने-पीने की चीज़ों की कीमतों पर दबाव और बढ़ सकता है।

लेकिन यह कहानी अब सिर्फ़ खेतों और गांवों तक ही सीमित नहीं है। भारत भी बढ़ती गर्मी के तनाव से जूझ रहा है, खासकर तेज़ी से फैलते शहरों में। अर्बन हीट आइलैंड, जहाँ बनी-बनाई इमारतें और सड़कें गर्मी को रोकती और बढ़ाती हैं, के कारण शहरों का तापमान आस-पास के ग्रामीण इलाकों की तुलना में कई डिग्री ज़्यादा हो जाता है। इसके सीधे आर्थिक नतीजे होते हैं। गर्मी से काम करने की क्षमता (प्रोडक्टिविटी) घटती है, ऊर्जा की मांग बढ़ती है, पानी की सप्लाई पर दबाव पड़ता है और लोगों की सेहत को खतरा बढ़ जाता है।

अध्ययनों का अनुमान है कि 2030 तक गर्मी की वजह से प्रोडक्टिविटी में कमी आने से भारत में लगभग 3.4 करोड़ (34 मिलियन) फुल-टाइम नौकरियों के बराबर काम का नुकसान हो सकता है। लखनऊ, चेन्नई और सूरत जैसे शहरों में अत्यधिक और लंबे समय तक रहने वाली गर्मी के कारण आर्थिक उत्पादन में साफ़ कमी आने का अनुमान है। चूंकि शहरी केन्द्र भारत की जी.डी.पी. का लगभग दो-तिहाई हिस्सा पैदा करते हैं, इसलिए गर्मी और पानी की कमी को अब सिर्फ़ मौसम की समस्या नहीं, बल्कि बड़ी आर्थिक चुनौतियों के तौर पर देखा जा रहा है।

रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया (आर.बी.आई.) के लिए, कमज़ोर मॉनसून एक मुश्किल पॉलिसी-दुविधा पैदा करता है। केन्द्रीय बैंक महंगाई पर बारीकी से नज़र रख रहा है और साथ ही विकास को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश भी देख रहा है। अगर कम बारिश की वजह से खाने-पीने की चीज़ों की कीमतें तेज़ी से बढ़ती हैं, तो आर.बी.आई. के पास मॉनेटरी पॉलिसी को और आसान बनाने की गुंजाइश कम हो सकती है। ऐसे में ऊँची ब्याज दरों का असर मकानों की मांग, उपभोक्ता खर्च और कारोबारी निवेश पर पड़ सकता है, जबकि अर्थव्यवस्था को इस समय व्यापक गति की जरूरत है।

बड़ा सबक यह है कि जलवायु से जुड़े जोखिम भारत के आर्थिक भविष्य के साथ गहराई से जुड़ते जा रहे हैं। तेल की कीमतों में अचानक बदलाव, बारिश में उतार-चढ़ाव, पानी की कमी और भीषण गर्मी को अब अलग-अलग घटनाओं के तौर पर नहीं देखा जा सकता। ये सब मिलकर महंगाई, रोज़गार, प्रोडक्टिविटी और विकास पर असर डालते हैं।

जैसे-जैसे अगले कुछ हफ़्तों में मॉनसून का मौसम आगे बढ़ेगा, पॉलिसी बनाने वाले आसमान पर उतनी ही बारीकी से नज़र रखेंगे, जितनी वे ग्लोबल ऑयल मार्केट पर रखते हैं। इसके नतीजे न सिर्फ़ इस साल की फ़सल पर असर डाल सकते हैं, बल्कि पूरे देश में महंगाई, ब्याज दरों और आर्थिक भरोसे की दिशा भी तय कर सकते हैं।

दक्षिण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कैलाशानंद गिरी महाराज ने उन्हें मां की चुनरी ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। महाराज ने जैकब को वर्ष 2029 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले चुनाव में विजयी होने का आशीर्वाद दिया। इस मौके पर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने कहा कि धर्म सत्ता के मार्गदर्शन से ही राजसत्ता को मानव कल्याण और विकास की प्रेरणा मिलती है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जूमा सनातन संस्कृति और संतों का सम्मान करने वाले व्यक्ति हैं। दक्षिण अफ्रीका के विकास और जनता के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में उनका विशेष योगदान रहा है।

एआईसीसी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चरण दास के साथ उनके मतभेदों की भी चर्चा रही है। कुल मिलाकर, लंबे समय से प्रतीक्षित इस संगठनात्मक फेरबदल के पहले चरण को काफी निराशाजनक माना जा रहा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908